सूर्योदय 5:43 सूर्यास्त 7:11

आज का तापमान

शिमला	17.0 न्यू	24.1 अधि
धर्मशाला	21.7 न्यू	27.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	78,499
निफ्टी	24,570
सोना 1,48,000	चांदी 2,26,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | सोमवार, 10 अगस्त 2026 | 26 श्रावण, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 107, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

एमपी में ट्रॉले ने वैन को मारी टक्कर, 6 की मौत

एजेंसी, धार। मध्य प्रदेश के धार जिले में बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर रविवार दोपहर भीषण हादसे में गुजरात के छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई। सभी श्रद्धालु मारुति ईको वैन में सवार होकर उज्जैन में महाकाल के दर्शन करने के बाद गुजरात लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उनकी वैन को गलत दिशा से आ रहे अनियंत्रित ट्रॉले ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे यह दुर्घटना घटी। पुलिस के अनुसार गुजरात के वड़ोदरा से कुछ श्रद्धालु ईको वैन से उज्जैन में भगवान महाकाल के दर्शन करने के लिए आए थे। यहां से लौटते समय रविवार दोपहर करीब एक बजे पंचकवासा गांव के पास उज्जैन फोरलेन पर गलत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रॉले ने वैन को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन के परखच्चे उड़ गए।

नागपुर में 3.09 करोड़ रुपए का सोना जब्त

एजेंसी, मुंबई। डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने नागपुर रेलवे स्टेशन पर कार्रवाई करते हुए करीब 3.09 करोड़ रुपए मूल्य का 2.165 किलोग्राम सोना जब्त किया है। मामले में एक यात्री को गिरफ्तार किया गया है। डीआरआई को खुफिया सूचना मिली थी कि भारत-बांग्लादेश सीमा के रास्ते तस्करी कर लाया गया सोना रेलवे नेटवर्क के जरिए आगे भेजा जा रहा है। सूचना के आधार पर टीम ने नागपुर स्टेशन पर निगरानी बढ़ाई। इस दौरान 12102 ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस से यात्रा कर रहे एक संदिग्ध यात्री को ट्रेन पहुंचते ही हिरासत में लिया गया। तलाशी में उसके पास से 2.165 किलोग्राम वजन की 16 सोने की छड़ें बरामद हुईं। डीआरआई अब तस्करी नेटवर्क और अन्य आरोपितों की भूमिका की जांच कर रही है।

एयर इंडिया के पायलट का डोप टेस्ट पॉजिटिव

एजेंसी, नई दिल्ली। थाईलैंड के फुकेट से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट के दो पायलटों में से एक का डोप टेस्ट फेल होने का दावा किया जा रहा है। यह फ्लाइट 4 अगस्त को तेज टर्बुलेंस में फंस गई थी और अचानक करीब 300 फीट नीचे आ गई थी। इंडिया टुडे ने सूत्रों के हवाले से बताया कि घटना के बाद दोनों पायलटों का पोस्ट-फ्लाइट ड्रग स्क्रीनिंग टेस्ट कराया गया था। इनमें से एक पायलट की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। सूत्रों के मुताबिक, जांच पूरी होने तक दोनों पायलटों को ड्यूटी से हटा दिया गया है। फ्लाइट में 137 यात्री और 8 क्रू मेंबर सवार थे। हवा में टर्बुलेंस के दौरान विमान अचानक करीब 300 फीट नीचे आ गया था, जिससे 17 लोग घायल हुए थे।

बारामती एयरफील्ड पर रनवे से उतरा ट्रेनर प्लेन

एजेंसी, मुंबई। महाराष्ट्र के बारामती एयरफील्ड पर ट्रेनिंग एक्सरसाइज के दौरान एक ट्रेनर प्लेन रनवे से फिसल गया। पुणे के एसपी के मुताबिक, प्लेन में कैप्टन चिराग शशिकांत डोइफोडे और कैडेट अभिजीत जूंद्रे सवार थे। दोनों सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। घटना के तुरंत बाद प्लेन के क्रैश होने की खबरें आई थीं। हालांकि, डिप्टी ष्टरू और बारामती विधायक सुनेत्रा पवार ने क्रैश की खबरों को खारिज किया। उन्होंने बताया कि प्लेन रनवे पर ही था और टर्न लेते समय एक पहिया किनारे पर फंस गया। इसके अलावा कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ है।

चीन के कब्जे वाले इलाकों को भारतीय मानचित्र में किया चिन्हित

अरुणाचल प्रदेश के नए आधिकारिक नक्शे में 27 रणनीतिक स्थान शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत सरकार ने अरुणाचल प्रदेश के आधिकारिक सर्वे ऑफ इंडिया के आधिकारिक नक्शे को अपडेट किया है। अपडेटेड नक्शे में चीन की सीमा से जुड़े रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण दर्रे, झीलें, बस्तियां और 1962 के भारत-चीन युद्ध से जुड़े एक युद्ध स्मारक को शामिल किया गया है। दरअसल, भारत द्वारा नक्शे में यह बदलाव ऐसे समय में किया गया है, जब चीन लगातार अरुणाचल प्रदेश को जंगनान या दक्षिण तिब्बत बताकर वहां के कई स्थानों के नाम बदलने की कोशिश करता रहा है।

अरुणाचल प्रदेश के आधिकारिक सर्वे ऑफ इंडिया के मैप को अपडेट करते हुए चीन की सीमा से जुड़े 27 महत्वपूर्ण स्थानों को भारतीय नामों के साथ चिन्हित किया गया है। भारत द्वारा अरुणाचल प्रदेश में मैकमोहन रेखा से सटे कई विवादित और संवेदनशील सीमावर्ती इलाकों को आधिकारिक 'सर्वे ऑफ इंडिया' के नक्शों में शामिल करने से भारत-चीन सीमा पर कई रणनीतिक दबाव बिंदु सामने आए हैं। इनमें एक ऐसा पहाड़ी इलाका भी शामिल है, जहां 1962 के युद्ध से पहले भारतीय सेना की एक अग्रिम चौकी हुआ करती थी।

गौरतलब है कि एक दशक पहले रक्षा आकलन में अरुणाचल प्रदेश की सीमा से लगे छह विवादित और चार संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान की गई थी, और चीनी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया था। इन छह विवादित क्षेत्रों में ऊपरी सुबनसिरी में असाफिला, लोंगजू, बिसा और माजा तथा तवांग में तुलुंग ला और यांग्त्से शामिल थे।

इनमें से आसफिला, लोंगजू, बिसा और माजा पर चीन का अवैध कब्जा है, जिसमें आसफिला अंदरूनी इलाके में स्थित है। लोंगजू, बिसा और माजा को अब भारत ने अपने क्षेत्र के रूप में मानचित्रित कर लिया है।

गृह मंत्रालय के मुताबिक, यह काम अरुणाचल प्रदेश सरकार से सलाह लेकर किया गया है। इन नामों को आधिकारिक मानचित्रों में शामिल करने का उद्देश्य इन जगहों की सही पहचान बताना और आम लोगों में जागरूकता बढ़ाना है। सरकार का मुख्य उद्देश्य इन क्षेत्रों की आधिकारिक पहचान तय करना और भारत के प्रशासनिक रिकॉर्ड में उन्हें शामिल करना है।

नक्शे में 4 नए दर्रे, 21 स्थान और शेर-ए-थापा मेमोरियल

अपडेट किए गए नक्शे में चार पहाड़ी दर्रे द्जो ला, रिजा ला, पुकुर ला और थग ला थग ला खास को शामिल किया गया है। इसके अलावा सांबो सरोवर को भी भारतीय नाम के साथ नक्शे में दर्ज किया गया है। थग ला दर्रा वह जगह है, जहां 1962 के भारत-चीन युद्ध के शुरुआती चरण में लड़ाई हुई थी। बाकी 21 स्थानों में लॉन्गजू, माजा, बीसा, बड़ा कुंदुन, छोटा कुंदुन, धन बारी, प्रीतनगर, बुद्धमंदिर, जयरामपुर, तेरीतनगर, रामनगर, जसवंत गढ़, सागर, पद्मा, ज्योतिनगर, बैसाखी, छोटा रोपुक, बड़ा रोपुक, शिवाजी नगर, सुनपुरा और कामलंग नगर शामिल हैं। इसके अलावा शेर-ए-थापा मेमोरियल भी जोड़ा गया है।

सीएम सुक्खू ने उन्नत स्वास्थ्य उपकरणों व आधारभूत अधोसंरचना के लिए जारी किए 83.85 करोड़ रुपए

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रदेश में स्वास्थ्य क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू ने स्वास्थ्य अधोसंरचना के विकास के लिए 83.85 करोड़ रुपए जारी किए हैं। इसके तहत प्रदेश के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में आधुनिक जांच व उपचार सुविधाओं को बढ़ाया जाएगा।

इंदिरा गांधी चिकित्सा महाविद्यालय (आईजीएमसी), शिमला में बोन मैरो ट्रांसप्लांटेशन की सुविधा को मजबूत करने के लिए स्पैक्ट मशीन (सिंगल फोटॉन एमिशन कंप्यूटिड टोमोग्राफी) और सेल सेपरेटर मशीन की खरीद के लिए 8 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इससे मरीजों को शीघ्र ही आधुनिक जांच एवं विशेषज्ञ उपचार सुविधाएं मिल सकेंगी। स्पैक्ट मशीन अंगों और ऊतकों की कार्यप्रणाली का आकलन करने के लिए थ्री-डी तस्वीरें तैयार करती है। यह हृदय, मस्तिष्क, हड्डियों, फेफड़ों और गुर्दों से संबंधित रोगों के निदान में उपयोगी है। वहीं, सेल सेपरेटर मशीन डोनर या मरीज से पेरिफेरल ब्लड स्टेम सेल एकत्र करने, प्रोसेस करने और ट्रांसप्लांटेशन के लिए तैयार करने में सहायक होगी। आईजीएमसी शिमला में छह अत्याधुनिक अल्ट्रासाउंड मशीनों की खरीद और सीटीएल कंडाघाट के उन्नयन के लिए 14 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। दो एनालॉग एवं डिजिटल एक्स-रे मशीनों के लिए 3.50 करोड़ रुपये तथा 256-स्लाइस सीटी स्कैन मशीन की खरीद के लिए 12 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इन सुविधाओं से संस्थान की नैदानिक क्षमता बढ़ेगी और मरीजों को जांच रिपोर्ट समय पर उपलब्ध हो सकेगी।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय टांडा में छह हाई-एंड अल्ट्रासाउंड मशीनों की खरीद के लिए 6 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। लाल बहादुर शास्त्री राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, नेरचौक, मंडी में पैट स्कैन भवन के निर्माण के लिए 2 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इसके अलावा, कांगड़ा जिले के सिविल अस्पताल ज्वालामुखी के लिए 17.95 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं, जिसमें जल एवं विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था भी शामिल है। जोगिंद्रनगर अस्पताल में डॉक्टरों और स्टाफ नर्सों के आवास निर्माण के लिए 4.90 करोड़ आवंटित किए गए हैं। चिकित्सा महाविद्यालय जोलसप्पड़, हमीरपुर में पार्किंग सुविधा के लिए 12 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। साथ ही वहां पुलिस स्टेशन एवं एसडीएएमओ कार्यालय के निर्माण के लिए 3.50 करोड़ और बिलासपुर जिले के घुमारवीं में अस्पताल सुविधाओं के विस्तार को भी मंजूरी दी गई है।

प्रदेश में ही मिलेगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधा, बाहर जाने की जरूरत नहीं

मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार लोगों को प्रदेश में ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर ठोस प्रयास कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि मरीजों को बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जा सके ताकि उन्हें बेहतर चिकित्सा उपचार के लिए राज्य से बाहर न जाना पड़े। सरकार हिमाचल प्रदेश में सार्वजनिक स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में कार्य कर रही हैं और ग्रामीण एवं दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को उनके घरों के नजदीक आधुनिक, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री मोदी ने फोन पर की यूएस के उपराष्ट्रपति से बात

◆ भारत-अमेरिका साझेदारी मजबूत करने पर चर्चा

एजेंसी, नई दिल्ली। पीएम मोदी ने शनिवार रात अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से फोन पर बातचीत की। मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। मोदी ने लिखा, 'अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का फोन आया। हमने प्रमुख क्षेत्रों में भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की।' उन्होंने वेंस को बेटे के जन्म पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। दरअसल, 19 जुलाई को जेडी वेंस चौथी बार पिता बने थे। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस 3 से 7 मार्च 2025 तक भारत में थे। उनके साथ-साथ उनकी पत्नी उषा और तीनों बच्चे- इवान, विवेक और मिराबेल भी भारत आए थे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उन्हें दिल्ली में रिसीव किया था। एयरपोर्ट पर ही उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया था। उन्होंने पीएम मोदी से भी मुलाकात की थी। उपराष्ट्रपति बनने के बाद यह जेडी वेंस की पहली आधिकारिक भारत यात्रा थी।

'विकास भी, विरासत भी' के संकल्प से संस्कृति को आगे बढ़ा रही दिल्ली सरकार: रेखा गुप्ता

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली हाट, आईएनए में आयोजित 'तीज महोत्सव 2026' में हिस्सा लिया। उन्होंने महिलाओं और बहनों के साथ तीज पर्व की खुशियां साझा कीं। इस दौरान पूरा परिसर पारंपरिक रंगों, लोक संस्कृति और उत्सवी माहौल से सराबोर नजर आया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकास भी, विरासत भी' के संकल्प के अनुरूप दिल्ली सरकार राजधानी की प्रगति के साथ-साथ यहां की संस्कृति और परंपराओं को भी गौरव के साथ आगे बढ़ा रही है। सावन की हरियाली, शिव-पार्वती का पावन प्रेम, हाथों में सजी मेहंदी और लोकगीतों की मिठास तीज पर्व की पहचान हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व सनातन संस्कृति की सुंदरता और समृद्ध परंपराओं को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि मेहंदी, बिंदी और रंगोली प्रतियोगिताओं के साथ तीज, पारंपरिक हस्तशिल्प, हथकरघा, खान-पान और पारिवारिक गतिविधियों को एक ही मंच पर प्रस्तुत किया गया। ऐसे आयोजन दिल्ली की सांस्कृतिक विरासत को संजोने के साथ कारीगरों, शिल्पकारों और स्थानीय उद्यमियों को भी बेहतर अवसर उपलब्ध करवाते हैं।

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा, विधायक शिखा रॉय सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और अन्य लोग मौजूद रहे। महोत्सव में महिलाओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

राहुल गांधी बोले-जवाबदेही से नहीं भाग सकती सरकार

एजेंसी, नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि प्रयागराज में एक छात्र ने उनसे कहा कि अब उसके पास कोई रास्ता नहीं बचा है। वर्षों की तैयारी, परिवार की जमीन बेचने और माता-पिता पर कर्ज के बावजूद रोजगार नहीं मिलना उस छात्र की नहीं बल्कि ऐसी व्यवस्था की हार है जो युवाओं की मेहनत का उचित मूल्य देने में विफल है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर रविवार को कहा कि प्रयागराज में एक छात्र ने उनसे कहा कि उसने सालों तक तैयारी की, परिवार की जमीन बेच दी और उसके माता-पिता पर कर्ज है लेकिन इसके बावजूद उसके हाथ में कुछ नहीं है। यह हार उस छात्र की नहीं है बल्कि उस व्यवस्था की है जिसने उसकी मेहनत का दाम देने से इनकार कर दिया। उन्होंने केंद्र सरकार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर छात्रों के मुद्दे पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों पर कार्रवाई की घटना को 13 दिन हो चुके हैं लेकिन गृह मंत्री की ओर से अब तक कोई बयान नहीं आया है। माफी मांगने के बजाय क्षमा बांटी जा रही है। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार को यह नहीं समझना चाहिए कि विपक्ष जवाबदेही की मांग करना बंद कर देगा। राजधानी की सड़कों पर छात्रों पर लाठी और पैलेट का इस्तेमाल किया गया लेकिन गृह मंत्री ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उन्होंने कहा कि सरकार को इस घटना की जवाबदेही लेनी ही पड़ेगी।

नारनौल में सीएम धामी ने धावकों के साथ दौड़कर दिया नशामुक्ति, फिटनेस व राष्ट्रभक्ति का संदेश

एजेंसी, नारनौल। नारनौल में रविवार को आयोजित राज्यस्तरीय हाफ मैराथन को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद वह स्वयं धावकों के बीच पहुंचे और उनके साथ नांग तिहाड़ी मोड़ तक दौड़ लगाई। मुख्यमंत्री ने युवाओं को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ और अनुशासित जीवन अपनाने का संदेश दिया।

मैराथन को राष्ट्रभक्ति से जोड़ते हुए मुख्यमंत्री ने नारनौल की धरती से 'हर घर तिरंगा' और 'वंदे मातरम' अभियान का आगाज किया। स्वतंत्रता दिवस से पहले आयोजित इस कार्यक्रम के जरिए प्रदेश में देशभक्ति की भावना को और मजबूत करने का संदेश दिया गया। रविवार को नारनौल की सड़कें केवल मैराथन का ट्रैक नहीं रहीं, बल्कि नशामुक्ति, युवा शक्ति, स्वास्थ्य और राष्ट्रभक्ति के संदेश का मंच बन गईं। राज्यस्तरीय मैराथन के लिए 67 हजार आठ सौ 56 लोगों ने पंजीकरण कराया था। सुबह से ही शहर के विभिन्न मार्गों पर प्रतिभागियों का पहुंचना शुरू हो गया। युवा, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी पूरे उत्साह के साथ दौड़ में शामिल हुए। बड़ी संख्या में प्रतिभागी परिवार और दोस्तों के साथ पहुंचे। कई धावकों के हाथों में तिरंगा नजर आया, जबकि कुछ प्रतिभागी नशामुक्ति और फिटनेस का संदेश देने वाले पोस्टर लेकर दौड़े।

स्वस्थ युवा मजबूत व सशक्त राष्ट्र समाज की नींव

मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि स्वस्थ युवा ही मजबूत समाज और सशक्त राष्ट्र की नींव हैं। उन्होंने युवाओं से नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर खेल और सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री के स्वयं धावकों के साथ दौड़ने से प्रतिभागियों में खासा उत्साह दिखाई दिया।

जेन-जी को भटकाने की हुई कोशिश: प्रधान

एजेंसी, भुवनेश्वर। देश के पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पहली बार अपने इस्तीफे पर बयान दिया। उन्होंने कहा, 'जेन-जी हमारे ही बच्चे हैं। कुछ लोगों ने उन्हें भटकाने की कोशिश की। मैंने पीएम मोदी से बातचीत करने के बाद ही पद छोड़ा।' उन्होंने कहा, 'जेन-जी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश के युवाओं के संकल्प और आकांक्षाओं के सामने शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारियां बहुत छोटी हैं। इसलिए मेरे लिए पद जरूरी नहीं था।'

प्रधान ने ये बात शनिवार को भुवनेश्वर की जीएम यूनिवर्सिटी में कही। यहां उन्होंने छात्रों और शिक्षकों को संबोधित किया। इस कार्यक्रम के दौरान बीजू जनता दल के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की। नीट पेपर लीक पर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के 35 दिन बाद प्रधान ने 25 जुलाई को शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा दिया था।

मौत की खबरों के बीच सामने आए मुजतबा

ईरानी सुप्रीम लीडर का जंग के बाद का पहला वीडियो आया सामने

एजेंसी, तेहरान। ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई का जंग के बाद पहली बार वीडियो सामने आया है। ईरानी न्यूज एजेंसी मेहर ने यह वीडियो जारी किया है। इसमें मुजतबा जमीन पर बैठे लोगों के बीच उनसे बातचीत करते नजर आ रहे हैं। सुप्रीम लीडर बनने के बाद यह उनका पहला वीडियो है। हालांकि, वीडियो कब रिकॉर्ड किया गया, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। पिछले कुछ दिनों से मुजतबा की सेहत को लेकर कई तरह के दावे किए जा रहे थे। इजराइली चैनल 14 ने उनकी हालत गंभीर होने और अस्पताल में भर्ती होने का दावा किया था। यहां तक कहा गया था कि उनकी जल्द मौत हो सकती है। अब वीडियो सामने आने के बाद इन दावों पर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, मुजतबा की मौजूदा सेहत को लेकर अभी भी पूरी तस्वीर साफ नहीं है।

सऊदी मीडिया का दावा ईरान में नहीं थे मुजतबा

सऊदी मीडिया अल-हदथ ने इजराइली सुरक्षा सूत्र के हवाले से दावा किया था कि मुजतबा ईरान में नहीं थे। सूत्र ने यह भी कहा था कि मुजतबा के नाम से जारी सरकारी संदेश आईआरजीसी प्रमुख अहमद वाहिदी और दूसरे वरिष्ठ अधिकारी तैयार कर रहे थे। सुप्रीम लीडर बनने के बाद से मुजतबा सार्वजनिक तौर पर नजर नहीं आए थे। उन्होंने कोई भाषण भी नहीं दिया था। सरकारी मीडिया ने उनके नाम से सिर्फ लिखित संदेश जारी किए थे। ईरानी मीडिया के मुताबिक, पिता अली खामेनेई की मौत के बाद भी मुजतबा किसी मंत्री से नहीं मिले थे और पिता के अंतिम संस्कार में भी नजर नहीं आए। राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने भी कहा था कि मुजतबा से सीधे संपर्क करना मुश्किल है।

मुख्यमंत्री धामी ने हर घर तिरंगा यात्रा में लिया हिस्सा प्रदेशवासियों से घरों पर तिरंगा फहराने का किया आह्वान

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को राजधानी के गांधी पार्क में आयोजित 'हर घर तिरंगा यात्रा' कार्यक्रम में भाग लिया और प्रदेशवासियों से स्वतंत्रता दिवस पर अपने-अपने घरों में तिरंगा फहराने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री धामी ने गांधी पार्क से घंटाघर तक हजारों लोगों के साथ तिरंगा यात्रा में हिस्सा लिया। इससे पहले उन्होंने घंटाघर स्थित उत्तराखंड आंदोलन के महानायक स्व. इंद्रमणि बडोनी और भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा राष्ट्र गौरव का उत्सव है और तिरंगा करोड़ों भारतीयों के स्वाभिमान का प्रतीक है। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और वीर जवानों ने तिरंगे की आन-बान-शान की रक्षा की है। उन्होंने कहा कि भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए सभी को सदैव प्रतिबद्ध रहना चाहिए। राष्ट्रभक्ति की भावना देवभूमि के कण-कण में बसी है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत महाशक्ति के रूप में आगे बढ़ रहा है। मेक इन इंडिया, डिजिटल क्रांति और स्वदेशी तकनीक के माध्यम से देश आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत आज विभिन्न क्षेत्रों में दुनिया को नई दिशा दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारतीय सेना का मनोबल मजबूत हुआ है। सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने दुनिया को अपनी ताकत का परिचय दिया है। भारत रक्षा क्षेत्र में निर्यातक के रूप में भी आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि के साथ वीरभूमि भी है और प्रदेश की मिट्टी ने देश को अनगिनत वीर सैनिक दिए हैं।

शहीद परिवारों के कल्याण को सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार वीर जवानों, पूर्व सैनिकों और शहीद परिवारों के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश विकसित भारत-2047 के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी और हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत किया जा रहा है। 30 से अधिक क्षेत्रों में विशिष्ट नीतियों के माध्यम से विकास का रोडमैप तैयार किया गया है।

अभियान हर घर तिरंगा अभियान के तहत लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास से लोकभवन तक निकली यात्रा

तिरंगा भारत की आन, बान और शान का प्रतीक: योगी

एजेंसी, लखनऊ। हर घर तिरंगा अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी की ओर से रविवार को राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास से लोकभवन तक तिरंगा यात्रा निकाली गयी। तिरंगा यात्रा का शुभारम्भ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की उपस्थिति में किया।

इसके बाद हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय का उदघोष करते हुए कार्यकर्ताओं के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक,संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह,भाजपा के मुख्यालय प्रभारी गोविन्द नारायण शुक्ला, प्रदेश महामंत्री दिलीप पटेल भी यात्रा में शामिल हुए। तिरंगा यात्रा के शुभारम्भ अवसर पर मुख्यमंत्री ने बोलते हुए कहा कि तिरंगा हमारी विरासत और भारत की आन बान व शान का प्रतीक है। राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत का अपमान करने वालों को संज्ञेय अपराध की श्रेणी रखते हुए दण्डित करने का निर्णय लिया है। रहेंगे भारत में लेकिन भारत के प्रतीकों,भारत के महापुरूषों,राष्ट्रगान व राष्ट्रगीत को अपमानित करें अब नहीं चलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो काम 1947 में होना चाहिए था उसे 75 वर्ष क्यों लगे। कुछ लोगों के लिए सत्ता सर्वोपरि था लेकिन मोदी के लिए राष्ट्र प्रथम का भाव है। भारत के प्रतीकों, युवाओं, महिलाओं व किसानों के लिए नई योजनाओं के साथ आगे बढ़ने के लिए उचित मंच देकर हम सब के सामने आदर्श प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री ने अपील की हर घर तिरंगा यात्रा के संकल्प के साथ तिरंगा के मंत्र को ध्यान में रखते हुए घर पर तिरंगा लगायें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय में घर पर तिरंगा लगाने के लिए लड़ाई लड़नी पड़ती थी,भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 140 करोड़ भारतीयों को घर के ऊपर तिरंगा लगाने की आजादी दी।

तिरंगा के साथ दिखा एकजुटता व राष्ट्रप्रेम का संदेश

'**हर** घर तिरंगा' अभियान का उद्देश्य देश के राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और गौरव की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है। लखनऊ में अभियान की शुरुआत के मौके पर निकली तिरंगा यात्रा ने इसी भावना को जीवंत कर दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ बच्चों, युवाओं और आम लोगों की भागीदारी ने आयोजन को जनभागीदारी का स्वरूप दिया।

तिरंगा यात्रा में शामिल बच्चों व लोगों ने बताए अनुभव

तिरंगा यात्रा में शामिल होने आए दसवीं कक्षा के छात्र आर्यन ने कहा कि तिरंगा यात्रा में शामिल होकर बहुत गर्व महसूस हुआ। इतने बच्चों को साथ देखकर लगा कि देशभक्ति के प्रति हम सभी बेहद जागरूक हैं। वहीं 11वीं कक्षा की छात्रा अनन्या ने कहा कि हाथ में तिरंगा लेकर चलना मेरे लिए खास अनुभव रहा। मुख्यमंत्री के साथ यात्रा में शामिल होकर देश के प्रति सम्मान और बढ़ा।

मछली उत्पादों की बर्बादी रोकने को प्रदेश सरकार देगी 70% अनुदान

कोल्ड स्टोरेज, फ्रीज-ड्राई यूनिट और रेफ्रिजरेटेड वैन पर मिलेगी सब्सिडी

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रदेश सरकार मत्स्य क्षेत्र के विकास व मछुआरा समुदाय की आय बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठा रही है। मछली व मछली उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार तथा उनके सुरक्षित भंडारण व परिवहन की सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य में पोस्ट-हार्वेस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और कोल्ड-चेन सुविधाओं को मजबूत करने के लिए नई योजना शुरू की गई है। योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को पांच मीट्रिक टन क्षमता वाले कोल्ड स्टोरेज, फ्रीज-ड्राई यूनिट व रेफ्रिजरेटेड वैन स्थापित करने के लिए 70 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान की जाएगी।

योजना के तहत पांच मीट्रिक टन क्षमता वाले कोल्ड स्टोरेज के लिए 15 लाख रुपये, फ्रीज-ड्राई यूनिट के लिए 10 लाख रुपये तथा रेफ्रिजरेटेड वैन के लिए 20 लाख रुपये तक की धनराशि निर्धारित की गई है। इसका लाभ फिश फार्मर्स प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन (एफपीओ), मत्स्य सहकारी समितियों, उद्यमियों, बेरोजगार युवाओं, स्वयं सहायता समूहों, मछुआरों, मछली विक्रेताओं और मछली पालकों को मिलेगा।

कोल्ड स्टोरेज स्थापित करने के लिए आवेदक के पास उपयुक्त भूमि या स्थान होना जरूरी होगा। यह भूमि आवेदक के स्वामित्व में हो अथवा कम से कम 10 वर्ष की दीर्घकालिक लीज पर ली गई हो। फ्रीज-ड्राई यूनिट के लिए मौजूदा मछली विक्रेताओं को प्राथमिकता दी जाएगी। वहीं, रेफ्रिजरेटेड वैन के लिए आवेदक का योग्य वाणिज्यिक चालक होना या योग्य चालक की व्यवस्था करना आवश्यक होगा।

योजना का क्रियान्वयन मत्स्य विभाग करेगा। कोल्ड स्टोरेज व फ्रीज-ड्राई यूनिट का साइट तैयार करने, मशीनरी स्थापना व ट्रायल रन के दौरान निरीक्षण होगा। रेफ्रिजरेटेड वैन का पंजीकरण हिमाचल परिवहन विभाग में करवाने के बाद ही अंतिम सब्सिडी किस्त जारी की जाएगी। सत्यापन के बाद सब्सिडी सीधे बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से दी जाएगी।

सरकारी सहायता के उचित उपयोग के लिए लाभार्थियों को सब्सिडी से प्राप्त परिसंपत्तियों को कम से कम सात वर्ष तक कार्यशील रखना होगा। विभाग की अनुमति के बिना इन्हें बेचा, लीज पर दिया या हस्तांतरित नहीं किया जा सकेगा। विभाग त्रैमासिक कार्यशीलता रिपोर्ट और आकस्मिक निरीक्षण के माध्यम से निगरानी करेगा। योजना में बेरोजगार युवाओं, मछुआरा सहकारी समितियों और एफपीओ को प्राथमिकता देकर रोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के साथ प्रदेश की ब्लू इकोनॉमी को मजबूत करने पर जोर दिया गया है।

मत्स्य क्षेत्र के आधुनिकीकरण से बढ़ेगी आय

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार मत्स्य क्षेत्र के आधुनिकीकरण और मछली पालकों व मछुआरों की आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। कोल्ड स्टोरेज और पोस्ट-हार्वेस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर से उत्पादों की बर्बादी कम होगी तथा उत्पादकों को बेहतर मूल्य मिलेगा। सरकार मत्स्य पालन में उद्यमिता और रोजगार को बढ़ावा दे रही है। बेरोजगार युवाओं, सहकारी समितियों, एसपीओ और मछली पालकों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने योजना के पारदर्शी एवं समयबद्ध कार्यान्वयन के निर्देश दिए, ताकि पात्र लाभार्थियों को लाभ मिले और प्रदेश की ब्लू इकोनॉमी सुदृढ़ हो।

कोलडैम की चेतावनी के बाद भी नहीं थम रही लापरवाही

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर।। कोलडैम परियोजना के निचले क्षेत्रों में सतलुज नदी के किनारे अंतिम संस्कार किए जाने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। जलस्तर बढ़ने की पूर्व चेतावनी और अलर्ट व्यवस्था के बावजूद लोग नदी के बेहद करीब जाकर अंतिम संस्कार कर रहे हैं, जिससे कभी भी गंभीर हादसा होने की आशंका बनी हुई है। रविवार को भी बरमाणा के समीप मंडी क्षेत्र के अलसू में नदी किनारे अंतिम संस्कार किए जाने का मामला सामने आया। इस दौरान कोलडैम से पानी छोड़े जाने का निर्धारित समय आगे बढ़ाना पड़ा, ताकि नदी किनारे मौजूद लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

जानकारी के अनुसार, कोलडैम से पानी छोड़े जाने के बाद डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों में सतलुज का जलस्तर कुछ ही समय में तेजी से बढ़ सकता है। कई परिस्थितियों में जलस्तर चार से पांच मीटर तक बढ़ने की संभावना रहती है। ऐसे में नदी किनारे मौजूद लोगों के लिए स्थिति बेहद खतरनाक हो सकती है। कोलडैम प्रबंधन की ओर से पानी छोड़े जाने से पहले अलार्म, वाहनों और अन्य माध्यमों से लोगों को सूचित किया जाता है। प्रशासन भी लगातार नदी किनारे जाने और गतिविधियां संचालित करने से बचने की अपील करता रहा है। इसके बावजूद नदी तट पर अंतिम संस्कार किए जाने की घटनाएं चिंता का विषय बनी हुई हैं।

सीएम सुक्खू ने एचपीयू के शोधार्थियों व नादौन के विद्यार्थियों के साथ किया संवाद

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने रविवार को अपने सरकारी आवास 'ओक ओवर' में नादौन विधानसभा क्षेत्र के छात्रों और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में अलग-अलग विभागों में शोध कर रहे पीएचडी शोधार्थियों से मुलाकात की। इस दौरान छात्रों के भविष्य, शिक्षा और नादौन क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। बातचीत में नादौन के विकास को आगे बढ़ाने में युवाओं और शोधार्थियों की भूमिका पर भी विचार साझा किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विकास में युवाओं की प्रतिभा और उनके सुझावों की अहम भूमिका है। उन्होंने नादौन को आगे ले जाने के लिए युवाओं से सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश को आधुनिक शिक्षा और कुशल मानव संसाधन का केंद्र बनाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी शिक्षण संस्थान प्रदेश में शिक्षा की व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी वजह से सरकार सरकारी संस्थानों में पढ़ाई की गुणवत्ता सुधारने और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दे रही है। सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि सरकारी स्कूलों में सीबीएसई से संबद्धता की व्यवस्था शुरू करना, डॉ. वाईएस परमार विद्यार्थी ऋण योजना के तहत छात्रों को एक प्रतिशत ब्याज पर शिक्षा ऋण उपलब्ध करवाना और शिक्षकों के रिक्त पद भरना सरकार के प्रमुख फैसलों में शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि इन कदमों से प्रदेश में आधुनिक शिक्षा सुविधाओं को मजबूत करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के सुझाव और उनकी प्रतिभा नादौन के विकास को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि शोधार्थी भी अपने शोध और ज्ञान के माध्यम से समाज और प्रदेश के विकास में योगदान दे सकते हैं। इस दौरान नादौन विधानसभा क्षेत्र से आए छात्रों और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के शोधार्थियों ने मुख्यमंत्री के साथ विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने शिक्षा, छात्रों के भविष्य और नादौन क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की।

राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ का क्रमिक अनशन 15वें दिन भी जारी

सोलन की महिला विंग ने संभाला मोर्चा, मांगें पूरी होने तक संघर्ष जारी रखने का किया ऐलान

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ (एचपीपीटीएफ) का क्रमिक अनशन 15वें दिन यानी 9 अगस्त को भी निदेशालय स्कूल शिक्षा, शिमला में पूरे जोश, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ जारी रहा। शिक्षकों ने मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ आंदोलन जारी रखते हुए मांगों के शीघ्र समाधान की अपील की।

क्रमिक अनशन के 15वें दिन जिला सोलन पीटीएफ की महिला विंग के पदाधिकारियों ने भी आंदोलन में भाग लेकर शिक्षकों के अधिकारों की रक्षा और न्यायपूर्ण मांगों की पूर्ति के लिए आवाज बुलंद की। महिला पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षक समुदाय के हितों से जुड़े मुद्दों के समाधान तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। महिला विंग की अध्यक्षा पवन रेखा, एचपीपीटीएफ खंड अर्की के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दुर्गेश बिष्ट, सदस्य निर्मला शर्मा और अंजली ने अनशन में भाग लिया।

संघ के अनुसार यह आंदोलन 11 जुलाई 2026 को पैदल न्याय यात्रा के माध्यम से शिमला पहुंचने के बाद आगे बढ़ा। इसके पश्चात 26 जुलाई को चौड़ा मैदान, शिमला में विशाल धरना आयोजित किया गया और फिर क्रमिक अनशन शुरू किया गया।

शिक्षक संघ ने स्पष्ट किया कि जब तक शिक्षकों की न्यायोचित मांगों को पूरा नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन निरंतर जारी रहेगा। संघ ने सरकार से शिक्षकों की समस्याओं का गंभीरता से संज्ञान लेकर जल्द समाधान करने की मांग की।

जुन्गा क्षेत्र की पंचायतों में कमजोर जियो नेटवर्क से उपभोक्ता परेशान

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जुन्गा क्षेत्र की ग्राम पंचायत बलोग, भड़ेच, जनेड़घाट, कोटी, शिलोनबाग, पीरन, सतलाई तथा आसपास के अनेक गांवों में जियो मोबाइल नेटवर्क की लगातार खराब सेवा से उपभोक्ताओं में भारी रोष व्याप्त है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जियो कंपनी अपने ग्राहकों से विभिन्न योजनाओं और रिचार्ज के माध्यम से अग्रिम शुल्क तो वसूल रही है, लेकिन क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण नेटवर्क सुविधा उपलब्ध कराने में विफल साबित हो रही है।

जुन्गा क्षेत्र के नीरज शर्मा, राकेश ठाकुर, हेतराम, रमेश कुमार, सहित अनेक ग्रामीणों ने बताया कि पिछले लगभग एक वर्ष से नेटवर्क की समस्या लगातार बनी हुई है। कभी सिग्नल पूरी तरह गायब हो जाते हैं तो कभी इंटरनेट की गति इतनी धीमी रहती है कि ऑनलाइन कार्य करना मुश्किल हो जाता है। खराब नेटवर्क के कारण विद्यार्थियों की ऑनलाइन पढ़ाई, सरकारी एवं बैंकिंग कार्य, डिजिटल भुगतान तथा अन्य आवश्यक सेवाएं प्रभावित हो रही हैं।

ग्रामीणों ने की नेटवर्क सुदृढ़ करने की मांग

इनका कहना है कि अनेकों बार कंपनी के ग्राहक सेवा केंद्रों और हेल्पलाइन पर शिकायतें दर्ज करवाई हैं, लेकिन समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। लोगों का कहना है कि आज के डिजिटल युग में मोबाइल नेटवर्क एक मूलभूत आवश्यकता बन चुका है। ऐसे में बार-बार नेटवर्क बाधित होने से उन्हें भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं ने जियो कंपनी से मांग की है कि जुन्गा क्षेत्र की पंचायतों में नेटवर्क व्यवस्था को शीघ्र सुदृढ़ किया जाए तथा आवश्यकतानुसार अतिरिक्त मोबाइल टावर और तकनीकी संसाधन उपलब्ध करवाए जाएं। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे सामूहिक रूप से दूरसंचार विभाग और संबंधित अधिकारियों के समक्ष अपनी शिकायत उठाने को मजबूर होंगे।

गौरतलब है कि मोबाइल नेटवर्क सेवाओं को लेकर समय-समय पर विभिन्न क्षेत्रों से शिकायतें सामने आती रही हैं और उपभोक्ता बेहतर कनेक्टिविटी की मांग करते रहे हैं। क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि संबंधित कंपनी उनकी समस्या का शीघ्र समाधान कर उन्हें बेहतर नेटवर्क सुविधा उपलब्ध कराएगी।

आउटसोर्स भर्ती कंपनियों के चंगुल से कर्मचारियों को किया जाए मुक्त

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस), हिमाचल प्रदेश ने प्रदेश में आउटसोर्स भर्ती कंपनियों की व्यवस्था समाप्त करने की मांग उठाई है। संघ के अध्यक्ष मदन राणा, महामंत्री यशपाल हेटा, उप महामंत्री देवी दत्त, कोषाध्यक्ष अमीचंद डोगरा, उपाध्यक्ष दिनेश शर्मा, रमेश राणा, शुषमा शर्मा, सचिव सुमना, नेक राम, नरेश ठाकुर और राजू भाद्वाज ने संयुक्त बयान में कहा कि जब तक प्रदेश में आउटसोर्स भर्ती कंपनियों का राज खत्म नहीं होगा, तब तक कर्मचारियों का शोषण बंद नहीं होगा।

संघ नेताओं ने कहा कि सरकारी विभागों में सफाई कर्मी, ड्राइवर, क्लर्क और पैरा मेडिकल स्टाफ तक को ठेकेदारों व निजी कंपनियों के माध्यम से रखा जा रहा है। आरोप है कि इन कर्मचारियों को ईएसआई, ईपीएफ, न्यूनतम वेतन, छुट्टी और अन्य जरूरी सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है। कंपनियां कमीशन काटकर कर्मचारियों से महज 8 से 9 हजार रुपये में काम करवा रही हैं, जबकि सरकारी स्केल 25 हजार रुपये से अधिक है।

15 अगस्त पर हिमाचल को आउटसोर्स मुक्त करने की मांग

बीएमए ने मांग की कि आउटसोर्स भर्ती कंपनियों को तुरंत बंद कर सभी आउटसोर्स कर्मियों को संबंधित सरकारी विभागों में सीधे नियुक्त कर नियमित किया जाए। साथ ही समान काम के लिए समान वेतन लागू करने और ठेका प्रथा समाप्त कर पारदर्शी सरकारी भर्तियां करने की मांग की गई। संघ ने सरकार से 15 अगस्त के अवसर पर प्रदेश को आउटसोर्स मुक्त करने की घोषणा करने की अपील की। बीएमएस ने नारा दिया 'आउटसोर्स कंपनी भगाओ, कर्मचारियों को सम्मान दिलाओ।'

मेक इन इंडिया के तहत किड्सकोक हैंडीक्राफ्ट परियोजना का शुभारंभ

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। विधानसभा क्षेत्र इंदौरा के अंतर्गत गांव दरियाड़ी में मेक इन इंडिया के तहत किड्सकोक हैंडीक्राफ्ट परियोजना का उद्घाटन किया गया। इस परियोजना के तहत एडवांस्ड टेक्नोलॉजी का उपयोग कर विभिन्न प्रकार की हैंडीक्राफ्ट वस्तुओं का निर्माण किया जाएगा। परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना है।

उद्घाटन अवसर पर कंपनी के अध्यक्ष विशाल ठाकुर उर्फ लाडू, उपाध्यक्ष राहुल ठाकुर, जिला कांगड़ा जिला परिषद के उपाध्यक्ष अभिमन्यु ठाकुर, पूर्व ब्लॉक समिति इंदौरा अध्यक्ष सहदेव ठाकुर उर्फ कालू तथा स्थानीय प्रधान प्रताप सिंह मौजूद रहे।

कंपनी के उपाध्यक्ष राहुल ठाकुर ने बताया कि हैंडीक्राफ्ट यूनिट में महिलाओं के उत्थान और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम रखा गया है। इसके माध्यम से क्षेत्र की महिलाओं को यूनिट से जुड़कर स्वरोजगार करने का अवसर मिलेगा। इस मौके पर पठानकोट भाजयुमो अध्यक्ष दीक्षित ठाकुर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मनी राम अध्यक्ष और मोनू नेगी बने उपाध्यक्ष

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। राजकीय महाविद्यालय पनारसा में अभिभावक-शिक्षक संघ के जनरल हाउस की बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. उरसेम लता द्वारा की गयी। बैठक का शुभारंभ संघ सचिव प्रोफेसर हीरा सिंह द्वारा उपस्थितों का स्वागत करते हुए किया गया। इस दौरान सचिव ने वर्षभर की गई विभिन्न गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया तथा आय एवं व्यय का पूरा लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। नई कार्यकारिणी के निर्वाचन में मनी राम को अध्यक्ष, मोनू नेगी को उपाध्यक्ष, छापे राम को संयुक्त सचिव तथा कृष्णा देवी को कोषाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। वहीं राजू राम, दीना नाथ एवं भूमि सिंह को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया। प्राचार्य डॉ. उरसेम लता ने कहा कि विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं सर्वांगीण विकास के लिए अभिभावकों और शिक्षकों के बीच बेहतर संवाद एवं समन्वय आवश्यक है। उन्होंने अभिभावक-शिक्षक संघ को महाविद्यालय और अभिभावकों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी बताया।

डॉ. जीआर तेगटा बने क्लिफ एंड ईस्टेट वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजधानी शिमला के क्लिफ एंड ईस्टेट क्षेत्र में वेलफेयर एंड डेवलपमेंट सोसायटी के चुनाव संपन्न हुए। चुनाव में डॉ. जीआर तेगटा को सोसायटी का नया चेयरमैन चुना गया। शांति कपूर को उपाध्यक्ष, बिलाल अहमद शाह को महासचिव और एडवोकेट पाल को लीगल एडवाइजर की जिम्मेदारी सौंपी गई। रीतु मनकोटिया व विपुल को संयुक्त सचिव, जबकि विक्रम वर्मा को कोषाध्यक्ष चुना गया। बलबीर तोमर को भी संयुक्त सचिव की जिम्मेदारी दी गई। कार्यकारिणी सदस्यों में विजय शर्मा, प्रतिभा सिंह, रामानंद शर्मा, हरजीत अहूजा और सुखदेव सिंह शामिल हैं।

महासचिव बिलाल अहमद शाह ने कहा कि सोसायटी अपने आवासीय क्षेत्र के साथ-साथ आसपास के इलाकों में भी कल्याणकारी और सामाजिक कार्यों को प्राथमिकता देगी। उन्होंने कहा कि सोसायटी लोगों की समस्याओं के समाधान और क्षेत्र के विकास के लिए लगातार सक्रिय रहेगी। चुनाव के दौरान लाल चंद शर्मा, लता सूद, भारद्वाज, वीरेंद्र चौहान, शील सूद सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवियों ने दिया नशामुक्त भारत का संदेश

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर एनएसएस इकाई ने महाविद्यालय प्राचार्य डॉ पीएस कटवाल की अध्यक्षता में फिट इंडिया मूवमेंट' के अंतर्गत आयोजित 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साइकिल रैली के माध्यम से स्वयंसेवियों ने लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ कटवाल ने 'नशा मुक्त भारत' का संदेश देते हुए युवाओं से नशे की बुराइयों से दूर रहने तथा खेल, योग और नियमित व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ युवा ही स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवियों ने 'नशे को कहें ना, स्वस्थ जीवन को कहें हाँ' और जन जन का है एक ही नारा नशा मुक्त को देश हमारा जैसे संदेशों के माध्यम से जन-जागरूकता फैलाते हुए समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAI) हॉस्टल के इंचार्ज और कोच विजय नेगी ने एनएसएस स्वयंसेवियों को खेलकूद, व्यायाम और समय के सदुपयोग और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ अजीत ने बताया कि 02 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत आह्वान किया गया कि प्रत्येक रविवार को युवा एवं खेल मंत्रालय की ओर से युवाओं और समाज के सभी वर्ग के लोगों को नशा मुक्त भारत अभियान से जोड़ने और जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। इसी कड़ी में महाविद्यालय एनएसएस इकाई द्वारा संडे ऑन साइकिल के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

पदोन्नति मामलों पर फैसला न होने से तकनीकी कर्मचारी लगाएंगे काले बैज

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड तकनीकी कर्मचारी संघ की ओर से लंबित पदोन्नति मामलों के समाधान को लेकर बोर्ड प्रबंधन को दिया गया 10 दिन का अल्टीमेटम कल समाप्त हो रहा है। निर्धारित अवधि में लंबित पदोन्नति मामलों पर कोई ठोस एवं सकारात्मक निर्णय न होने के चलते प्रदेश तकनीकी कर्मचारी संघ के निर्णय के अनुसार मंगलवार से प्रदेशभर के तकनीकी कर्मचारी काले बैज लगाकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करेंगे।

तकनीकी कर्मचारी संघ जिला हमीरपुर ने प्रदेश अध्यक्ष रणबीर ठाकुर एवं उनकी टीम के इस निर्णय का पूर्ण समर्थन किया है। जिला हमीरपुर के तकनीकी कर्मचारी भी मंगलवार से काले बैज लगाकर अपना शांतिपूर्ण विरोध दर्ज करवाएंगे। प्रेस को जारी बयान में तकनीकी कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव एवं जिला हमीरपुर अध्यक्ष दिनेश ठाकुर तथा जिला उपाध्यक्ष रजत पुंडीर ने कहा कि बोर्ड में 1,200 से अधिक तकनीकी कर्मचारी लंबे समय से पदोन्नति की समस्या से जूझ रहे हैं। 26 अगस्त 2023 को आर एंड पी नियमों में किए गए संशोधन के बाद आईटीआई एवं नॉन-आईटीआई तकनीकी कर्मचारियों की पदोन्नति प्रभावित हुई है।

10 दिन का अल्टीमेटम खत्म पदोन्नति मामलों पर तकनीकी कर्मचारी करेंगे विरोध प्रदर्शन

उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में कर्मचारी पदोन्नति के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता और सेवा अवधि पूरी कर चुके हैं। इसके बावजूद उन्हें पदोन्नति का लाभ नहीं मिल पाया है। इससे कर्मचारियों में निराशा और मानसिक परेशानी बढ़ रही है।

संघ पदाधिकारियों ने कहा कि तकनीकी कर्मचारी सीमित संसाधनों और स्टाफ की कमी के बावजूद दिन-रात विद्युत व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके बावजूद उनकी जायज पदोन्नति संबंधी मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष रणबीर ठाकुर के नेतृत्व में तकनीकी कर्मचारी संघ ने बोर्ड प्रबंधन को पहले 10 दिन का समय देकर बातचीत के माध्यम से सकारात्मक समाधान का अवसर दिया था। यदि अब भी लंबित पदोन्नति मामलों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता है तो प्रदेश नेतृत्व के आगामी निर्देशानुसार आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

जिला हमीरपुर के पदाधिकारियों ने बोर्ड प्रबंधन से कर्मचारियों की वर्षों से लंबित पदोन्नति समस्याओं का शीघ्र समाधान कर न्यायोचित निर्णय लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जिला हमीरपुर प्रदेश नेतृत्व के हर संघर्षपूर्ण एवं कर्मचारी हितैषी निर्णय के साथ मजबूती से खड़ा है।

मानसून पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन और अचानक बाढ़ का खतरा, लोगों से दूर रहने की अपील

हिमाचल में चार दिन भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मॉनसून की सक्रियता बनी हुई है। राज्य में अगले छह दिनों के दौरान बारिश का दौर जारी रहने का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग ने 10 और 11 अगस्त के साथ 14 और 15 अगस्त को भारी से बहुत भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन चार दिनों में कुछ स्थानों पर मूसलाधार बारिश हो सकती है। 12 और 13 अगस्त को भी कुछ स्थानों पर भारी बारिश का अनुमान है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आज कुछ स्थानों पर मौसम खराब रह सकता है। आज राज्य के अधिकतर हिस्सों में मौसम पूरी तरह साफ नहीं है। कहीं बादल छाए हैं तो कहीं बारिश हो रही है। पिछले 24 घंटों में भारी बारिश की गतिविधि में कमी आई है, हालांकि कुछ इलाकों में अच्छी बारिश दर्ज की गई है।

इस अवधि में सिरमौर के पांवटा साहिब में सबसे अधिक 38.2 मिलीमीटर बारिश हुई। शिमला जिले के सराहन में 25.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। कांगड़ा के घमरूर में 5.6 मिलीमीटर, धर्मशाला में 3.1 मिलीमीटर, चंबा के जोत में 2.8 मिलीमीटर और लाहौल-स्पीति के कुकुमसेरी में भी 2.8 मिलीमीटर बारिश हुई। कांगड़ा के देहरा गोपीपुर में 2.3 मिलीमीटर, शिमला के कोटखाई में 2.3 मिलीमीटर और जुब्बड़हट्टी में 1.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

राज्य में बारिश के कारण भूस्खलन से सड़कें बंद होने का सिलसिला जारी है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार रविवार सुबह तक प्रदेश में 129 सड़कें बंद थीं। इसके अलावा तीन बिजली ट्रांसफार्मर और नौ पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हैं। मंडी में सबसे अधिक 60 सड़कें बंद हैं। कुल्लू में 42, शिमला में 10, सोलन में छह, कांगड़ा में पांच तथा चंबा और ऊना में तीन-तीन सड़कें बंद हैं।

मौसम विभाग के अनुसार 10 अगस्त को भारी से बहुत भारी बारिश कुछ स्थानों पर हो सकती है। 11 अगस्त को भी यही स्थिति रहने का अनुमान है। 12 अगस्त को कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। 13 अगस्त को भी अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। इसके बाद 14 और 15 अगस्त को फिर भारी से बहुत भारी बारिश कुछ स्थानों पर होने का पूर्वानुमान है। इस तरह 10, 11, 14 और 15 अगस्त को बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट वाली स्थिति रहेगी।

भारी बारिश के दौरान पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन और अचानक बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है। लोगों को नदी-नालों और खड्डों के पास नहीं जाने की सलाह दी गई है। मौसम खराब होने पर अनावश्यक यात्रा से बचने और भूस्खलन की आशंका वाले रास्तों पर विशेष सावधानी बरतने को कहा गया है। नदी और नालों में पानी का बहाव अचानक बढ़ सकता है, इसलिए इनके आसपास जाना जोखिम भरा हो सकता है।

इस बीच, हिमाचल में इस मानसून सीजन में बारिश से जुड़े हादसों में अब तक 152 लोगों की मौत हो चुकी है। मानसून 30 जून को प्रदेश में दाखिल हुआ था। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के 8 अगस्त तक के आंकड़ों के अनुसार मानसून के दौरान सरकारी और निजी संपत्ति को करीब 835 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

ग्वालदम में कुत्ते के मांस की बिक्री की अफवाह, पुलिस ने की जांच

अनिल थपलियाल। ग्वालदम में जंगली जानवर का मांस बताकर कुत्ते का मांस बेचने की अफवाह से इन दिनों चर्चाओं का बाजार गर्म है। क्षेत्र में चर्चा है कि करूणपानी निवासी एक युवक ने कथित तौर पर कुत्तों को काटकर उनका मांस जंगली जानवर का मांस बताकर बेचा। यह बात ग्वालदम बाजार से लेकर थराली और देवाल तक फैल गई। मामला पुलिस तक पहुंचने के बाद थराली पुलिस ने कथित युवक से पूछताछ की और उसके घर की जांच भी की।

पटियालधार चौकी से चोरी हुए दो बुलेट बरामद, तीन आरोपित गिरफ्तार

अनिल थपलियाल। थराली क्षेत्र में पटियालधार चौकी के पास चेकिंग के दौरान सीज किए गए दो बुलेट वाहनों के पार्किंग से चोरी होने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों चोरी किए गए वाहनों को भी बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार सात अगस्त को एमवी एक्ट के तहत बुलेट संख्या डीएल-14 एसएफ-7657 और एचआर-26 एफआई-551 को सीज कर चौकी के पास पार्किंग में खड़ा किया गया था। भीड़ का फायदा उठाकर दोनों वाहन चोरी कर लिए गए। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तलाश और चेकिंग अभियान शुरू किया।

101 कविताओं से सजी बालपन पुस्तक का गोपेश्वर में हुआ विमोचन

अनिल थपलियाल। गोपेश्वर में वीरांगना तीलू रौतेली की जयंती के अवसर पर बाल कवि कार्तिक तिवारी पहाड़ी की पुस्तक 'बालपन' का विमोचन किया गया। पुस्तक में कार्तिक की 101 कविताएं शामिल हैं, जिनमें उत्तराखंड की संस्कृति, प्रकृति, पर्यावरण संरक्षण, विज्ञान और सामाजिक जागरूकता जैसे विषयों को सरल एवं रोचक तरीके से प्रस्तुत किया गया है। कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों ने बाल कवि के साहित्यिक प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि कम उम्र में इतने विविध विषयों पर रचनाएं करना प्रेरणादायी है। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

भारत छोड़ो आंदोलन की बरसी पर देहरादून में सभा, कई मुद्दों पर उठी आवाज

अनिल थपलियाल। देहरादून में भारत छोड़ो आंदोलन की बरसी पर दीनदयाल उपाध्याय पार्क में सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों ने सभा आयोजित कर स्वतंत्रता आंदोलन को याद किया। वक्ताओं ने वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों, कथित दमन, बेरोजगारी, पेपर लीक, भूमि कानून और सामाजिक सौहार्द जैसे मुद्दों पर विचार रखे। राजीव नयन बहुगुणा ने आंदोलनकारी शक्तियों से एकजुट और सतर्क रहने का आह्वान किया। भुवन पाठक ने भूमि कानून और जमीनों की खरीद-फरोख्त का मुद्दा उठाया। इंद्रेश मैखुरी ने पेपर लीक प्रकरणों पर सवाल उठाए, जबकि अंकित उछोली ने कांवड़ यात्रा के दौरान कथित अराजकता का मुद्दा उठाया। वक्ताओं ने सत्ता के खिलाफ लोकतांत्रिक आवाज उठाने और संविधान की रक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया। सभा की शुरुआत जनगीत से हुई और समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

उत्तराखंड में अगले पांच दिन भारी बारिश का अलर्ट जारी

लगातार बारिश के बीच अलकनंदा खतरे के निशान से ऊपर

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड में मानसून के सक्रिय रहने के कारण अगले पांच दिनों तक बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार राज्य के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज और बिजली चमकने की घटनाएं हो सकती हैं। कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और यात्रियों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। लगातार बारिश के कारण भूस्खलन चट्टान गिरने और सड़क मार्ग बाधित होने का खतरा बना हुआ है।

राजधानी देहरादून समेत कई स्थानों पर रविवार सुबह बादलों और धूप की आंखमिचौली जारी रही। बादलों के बीच हल्की धूप निकलने से मौसम सुहावना बना रहा। देहरादून में आंशिक रूप से बादल छाए रहने के साथ हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है। कुछ क्षेत्रों में बारिश के तीव्र दौर भी आ सकते हैं। यहां अधिकतम तापमान करीब 34 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को बागेश्वर पिथौरागढ़ और चमोली में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। इन जिलों में आकाशीय बिजली चमकने के साथ बारिश के तीव्र से अत्यंत तीव्र दौर आने की संभावना है। इसके अलावा देहरादून टिहरी रुद्रप्रयाग नैनीताल और चंपावत में भी कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है।

बागेश्वर-पिथौरागढ़-चमोली में भारी बारिश का अलर्ट

10 अगस्त को देहरादून बागेश्वर नैनीताल और चंपावत में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है। वहीं उत्तरकाशी रुद्रप्रयाग चमोली टिहरी पौड़ी पिथौरागढ़ और ऊधमसिंह नगर में भारी बारिश हो सकती है। 11 अगस्त को उत्तरकाशी रुद्रप्रयाग चमोली देहरादून टिहरी पौड़ी नैनीताल और बागेश्वर में बारिश का प्रभाव देखने को मिल सकता है।

बढ़ा बाढ़ का खतरा

लगातार बारिश के कारण राज्य की प्रमुख नदियों का जलस्तर भी बढ़ा हुआ है। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार अलकनंदा नदी श्रीनगर में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। मंदाकिनी नदी का जलस्तर भी बढ़ा हुआ दर्ज किया गया है। टोंस यमुना और गंगा समेत अन्य नदियों में भी जलस्तर की निगरानी की जा रही है।

गोपेश्वर में स्वतंत्रता दिवस समारोह को भव्य बनाने की तैयारियां तेज

अनिल थपलियाल। गोपेश्वर में स्वतंत्रता दिवस समारोह को भव्य, गरिमामय और राष्ट्रभक्ति के माहौल में मनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। जिला सभागार में जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में समारोह की तैयारियों को लेकर विभागवार जिम्मेदारियां तय की गईं। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय गौरव का पर्व है, इसलिए सभी सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों और सार्वजनिक भवनों में निर्धारित नियमों के अनुसार ध्वजारोहण और राष्ट्रगान कराया जाए।

शिक्षा विभाग को 15 अगस्त की सुबह प्रभात फेरी आयोजित करने के निर्देश दिए गए। वन विभाग और ग्राम्य विकास विभाग को जल संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर जनजागरूकता कार्यक्रम और श्रमदान अभियान चलाने को कहा गया।

खेल विभाग 14 अगस्त को क्रॉस कंट्री दौड़ आयोजित करेगा। स्वतंत्रता दिवस से पहले और समारोह के दौरान विशेष स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और राज्य आंदोलनकारियों के उत्तराधिकारियों को समारोह में सम्मानपूर्वक आमंत्रित किया जाएगा। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष, अपर जिलाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रा की आड़ में हुड़दंग पर रुद्रप्रयाग पुलिस सख्त

◆ पटाखेदार साइलेंसर और हुड़दंग पर पुलिस की नजर, दर्जनों वाहनों पर हुई कार्रवाई

अनिल थपलियाल। पवित्र सावन मास और कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए रुद्रप्रयाग पुलिस ने 9 अगस्त 2026 को जनपदभर में विशेष चेकिंग अभियान चलाया। यात्रा मार्ग, प्रमुख प्रवेश द्वारों और विभिन्न कोतवाली क्षेत्रों में पुलिस टीमों ने दुपहिया वाहनों की सघन जांच की। इस दौरान ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई, जिन्होंने मूल साइलेंसर हटाकर मॉडिफाइड या पटाखेदार साइलेंसर लगा रखे थे और तेज आवाज के साथ सड़क पर हुड़दंग कर रहे थे। पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन, ट्रिपल राइडिंग और अन्य अनियमितताओं के मामलों में दर्जनों वाहनों के मोटर

वाहन अधिनियम के तहत चालान किए, जबकि कई वाहनों को सीज भी किया गया। पुलिस के अनुसार तेज आवाज से स्थानीय नागरिकों, बुजुर्गों, मरीजों और वन्यजीवों को परेशानी होने के साथ यातायात व्यवस्था भी प्रभावित होती है।

बद्रीनाथ धाम चढ़ावा चोरी: प्रमोद नौटियाल का करीबी अधिकारी गिरफ्तार

◆ सीसीटीवी में चोरी करते दिखा अधिकारी

अनिल थपलियाल। बद्रीनाथ धाम में दानपात्रों से चढ़ावा चोरी के मामले में विशेष जांच दल ने एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति विष्णु प्रयाग जल विद्युत परियोजना में अधिकारी के पद पर कार्यरत बताया जा रहा है। जांच के अनुसार वह मुख्य आरोपित प्रमोद नौटियाल का करीबी है और उसके कहने पर चढ़ावा गिनती के कार्य में सहयोग के लिए लगाया गया था।

विशेष जांच दल को मिले सीसीटीवी फुटेज में उक्त अधिकारी को दो जुलाई को चढ़ावा गिनती के दौरान चढ़ावा सामग्री ले जाते हुए देखा गया। फुटेज के आधार पर

उसकी पहचान की गई और इसके बाद उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई। बद्रीनाथ के कोतवाल एवं जांच अधिकारी महादेव उनियाल ने बताया कि आरोपित से मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर पूछताछ की जा रही है। जांच दल यह पता लगाने का प्रयास कर रहा है कि चढ़ावा चोरी की घटना में उसकी क्या भूमिका रही और उसके साथ अन्य कौन लोग शामिल थे।

इससे पहले भी मामले में कार्रवाई की जा चुकी है। एसआईटी अब सीसीटीवी फुटेज, चढ़ावे की गिनती और संबंधित लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर आगे और कार्रवाई की जाएगी।

उत्तराखंड में जनगणना के लिए 35 हजार ब्लॉक बनाने की तैयारी शुरू

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड में आगामी जनगणना को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जनगणना निदेशालय प्रदेश को करीब 35 हजार ब्लॉकों में बांटने की तैयारी कर रहा है। भवन गणना के दौरान प्रदेश में लगभग 45 लाख भवन और करीब 1.27 करोड़ की आबादी सामने आई है। इससे पहले भवन गणना के लिए 29,665 ब्लॉक बनाए गए थे। अब प्रत्येक ब्लॉक में करीब 800 भवन रखने की योजना है और इसके लिए पहले नजरी नक्शा तैयार किया जाएगा। जनगणना के लिए प्रगणक और पर्यवेक्षकों की तैनाती की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, इस बार कर्मचारियों की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि स्कूलों की व्यवस्था प्रभावित न हो। भवन गणना के दौरान शिक्षकों की ड्यूटी लगाए जाने से एकल विद्यालयों की व्यवस्था प्रभावित हुई थी।

धामी पर बरसे खरगे, कहा- राजनीतिक पर्यटन की बात करने से पहले जानें इतिहास

◆ 1973 में ही पंतनगर आ चुका था, खरगे ने धामी को दिया जवाब

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

मल्लिकार्जुन खरगे के उत्तराखंड दौरे के दौरान रविवार को रुद्रपुर में कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक हुई। सोनिया होटल में प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारियों और वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक में उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर संगठन को एकजुट होकर मैदान में उतरने का संदेश दिया। इस दौरान खरगे ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के उस बयान पर तीखा पलटवार किया, जिसमें उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के उत्तराखंड दौरे को राजनीतिक पर्यटन बताया था। खरगे ने कहा कि मुख्यमंत्री को अपना ज्ञान थोड़ा और बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने अपने पुराने उत्तराखंड दौरे का उल्लेख करते हुए कहा कि जब धामी का जन्म भी नहीं हुआ था, तब वह वर्ष 1973 में पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय आ चुके थे और उस समय तक विधायक भी बन चुके थे।

खरगे ने कहा कि उत्तराखंड विधानसभा चुनाव अब ज्यादा दूर नहीं हैं और यह कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण राजनीतिक परीक्षा होगीझ उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से चुनाव को चुनौती के रूप में लेने का आह्वान किया। उनका कहना था कि संगठन में किसी कार्यकर्ता को पद मिलना केवल सम्मान की बात नहीं है, बल्कि इसके साथ जिम्मेदारी और जवाबदेही भी बढ़ती है।

खरगे का सीएम पर पलटवार, बोले- मुख्यमंत्री अपना ज्ञान बढ़ाएं

कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा पर भी राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भाजपा के कथित दुष्चक्र का मजबूती से जवाब देने का आह्वान किया। खरगे ने कहा कि चुनाव में संगठन की मजबूती ही कांग्रेस का सबसे बड़ा हथियार होगी। इसके लिए प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने चुनावी प्रक्रिया पर नजर रखने और किसी भी तरह की गड़बड़ी को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पूरी मुस्तैदी और अनुशासन के साथ चुनावी मैदान में उतरने को कहा।

खरगे ने प्रदेश कांग्रेस की एकजुटता को सराहा

खरगे ने प्रदेश कांग्रेस में एकजुटता को भी सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा बताया। उन्होंने कहा कि पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं का केवल एकजुट रहना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि जनता के सामने भी एकजुटता दिखाई देनी चाहिए। उन्होंने संगठन में अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। उनका संदेश था कि कोई भी व्यक्ति संगठन से बड़ा नहीं हो सकता। पार्टी के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को सामूहिक निर्णय और संगठनात्मक अनुशासन का पालन करना चाहिए।

जागेश्वर में कांग्रेस को बड़ा झटका दिनेश कुंजवाल यूकेडी में शामिल

बोले- उत्तराखंड को बचाने के लिए सही मंच पर आया हूं

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

अल्मोड़ा के जागेश्वर विधानसभा क्षेत्र में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और पांच बार लगातार विधायक रहे गोविंद सिंह कुंजवाल के भतीजे दिनेश सिंह कुंजवाल ने कांग्रेस छोड़कर उत्तराखंड क्रांति दल का दामन थाम लिया। जैंती में आयोजित कार्यक्रम के दौरान हजारों लोगों की मौजूदगी में उन्होंने उक्रांद की सदस्यता ग्रहण की। दिनेश कुंजवाल वर्ष 2002 से 2007 तक कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता रहे हैं। इसके अलावा हरीश रावत सरकार के कार्यकाल में उन्हें दर्जा मंत्री की जिम्मेदारी भी मिली थी। वर्तमान में उनके पास पार्टी में कोई पद नहीं था। उक्रांद के संस्थापक सदस्य काशी सिंह ऐरी ने दिनेश कुंजवाल का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि उत्तराखंड में इस बार उक्रांद के पक्ष में माहौल बन रहा है। उन्होंने राष्ट्रीय दलों पर उत्तराखंड के जल, जंगल और जमीन जैसे प्राकृतिक संसाधनों के दोहन का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता बदलाव के लिए तैयार है और आगामी विधानसभा चुनाव में उक्रांद को मजबूत समर्थन मिलेगा। दिनेश कुंजवाल के पार्टी छोड़ने से जागेश्वर क्षेत्र की राजनीति में नए समीकरण बनने की चर्चा तेज हो गई है।अल्मोड़ा के जागेश्वर विधानसभा क्षेत्र में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और पांच बार लगातार विधायक रहे गोविंद सिंह कुंजवाल के भतीजे दिनेश सिंह कुंजवाल ने कांग्रेस छोड़कर उत्तराखंड क्रांति दल का दामन थाम लिया।

◆ दिनेश कुंजवाल ने यूकेडी में शामिल होकर राष्ट्रीय दलों पर साधा निशाना

केदारवासियों ने हक-हकूक, पलायन और रोजगार पर किया मंथन

अनिल थपलियाल। देहरादून स्थित उत्तरांचल प्रेस क्लब में रविवार को केदारवासी सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें केदार क्षेत्र से जुड़े प्रवासियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और जनसरोकारों से जुड़े लोगों ने भाग लिया। सम्मेलन में हक-हकूक, स्थानीय अधिकार, पलायन, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि रोजगार और बेहतर सुविधाओं की तलाश में लोग पहाड़ से बाहर जरूर गए हैं, लेकिन उनका अपने गांव और मूल क्षेत्र से भावनात्मक जुड़ाव आज भी कायम है। ऐसे में प्रवासी केदारवासियों को क्षेत्र के विकास से जोड़ना जरूरी है। सम्मेलन में पलायन रोकने के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने पर जोर दिया गया। पर्यटन, कृषि, बागवानी और स्थानीय उत्पादों को बाजार से जोड़कर युवाओं के लिए नए अवसर तैयार करने की बात कही गई।

◆ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास के मुद्दों पर हुआ मंथन

कांवड यात्रा ऋषिकेश और आसपास के क्षेत्रों में कांवड़ियों की भीड़ बढ़ने से स्कूलों में अवकाश घोषित

दो दिन बंद रहेंगे ऋषिकेश क्षेत्र के स्कूल

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार

सावन माह में हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर लौट रहे कांवड़ियों की भारी भीड़ के चलते ऋषिकेश और आसपास के क्षेत्रों में प्रशासन ने 10 और 11 अगस्त को स्कूलों में अवकाश रखने का निर्णय लिया है। कांवड़ यात्रा के अंतिम चरण में बड़ी संख्या में शिवभक्त ऋषिकेश और डोईवाला क्षेत्र से होकर गुजर रहे हैं। इससे प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव बढ़ गया है। ऋषिकेश के साथ गुमानीवाला, खैरी खुर्द, श्यामपुर और रायवाला क्षेत्र के विद्यालय भी इस व्यवस्था के दायरे में हैं। स्कूलों में अवकाश का उद्देश्य विद्यार्थियों की सुरक्षा के साथ-साथ कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना है।

सावन के पवित्र महीने में देश के विभिन्न हिस्सों से शिवभक्त हरिद्वार और ऋषिकेश पहुंचते हैं। श्रद्धालु गंगाजल लेकर कांवड़ के रूप में अपने-अपने क्षेत्रों की ओर रवाना होते हैं और वहां भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। जैसे-जैसे कांवड़ यात्रा अपने अंतिम चरण में पहुंचती है वैसे-वैसे लौटने वाले कांवड़ियों की संख्या भी बढ़ने लगती है। कई मार्गों पर पैदल कांवड़ियों के साथ डाक कांवड़ के वाहन भी बड़ी संख्या में दिखाई दे रहे हैं। इसके कारण यात्रा मार्गों पर सामान्य आवाजाही प्रभावित होने की संभावना रहती है।

ऋषिकेश और आसपास के विद्यालयों में दो दिन का अवकाश इसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए रखा गया है। विद्यार्थियों को स्कूल पहुंचने के लिए जिन सड़कों का इस्तेमाल करना पड़ता है उनमें कांवड़ियों की आवाजाही बढ़ने से यातायात का दबाव बढ़ सकता है। ऐसे में बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विद्यालयों को बंद रखने का निर्णय महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अवकाश के दौरान कांवड़ यात्रा मार्गों पर भीड़ कम करने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने में मदद मिलेगी।

उधर डोईवाला क्षेत्र में कांवड़ियों की सेवा के लिए जगह-जगह भंडारों और सेवा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। स्थानीय व्यापारी सामाजिक संगठनों और क्षेत्रवासियों की ओर से शिवभक्तों के लिए भोजन पानी जलपान और विश्राम की व्यवस्था की गई है।

शिवभक्तों की सेवा में जुटे क्षेत्रवासी

अग्रवाल धर्मशाला में भी स्थानीय लोगों की ओर से कांवड़ियों के ठहरने और भोजन की व्यवस्था की गई है। लंबी दूरी तय करके आने वाले शिवभक्तों के लिए ऐसे सेवा शिविर काफी उपयोगी साबित हो रहे हैं। कई कांवड़िये कुछ समय रुककर भोजन करते हैं और विश्राम के बाद आगे की यात्रा शुरू करते हैं।

कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा कर डॉ. अग्रवाल ने किया स्वागत

अनिल थपलियाल। पवित्र श्रावण मास के अवसर पर ऋषिकेश में शिवभक्त कांवड़ियों के स्वागत और सेवा का आयोजन किया गया। ऋषिकेश विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं के साथ गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान कर रहे कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। इस दौरान श्रद्धालुओं को फल और अल्पाहार भी वितरित किया गया। बड़ी संख्या में कांवड़ियों के पहुंचने से ऋषिकेश का वातावरण भक्तिमय नजर आया।

डॉ. अग्रवाल ने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु ऋषिकेश की पावन धरती पर पहुंचकर मां गंगा से जल भरते हैं और उसे भगवान भोलेनाथ को अर्पित करने के लिए अपने गंतव्य की ओर रवाना होते हैं। कांवड़ यात्रा आस्था श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम है।

डॉ. अग्रवाल ने कांवड़ियों को बांटा फलाहार

उन्होंने श्रद्धालुओं से यात्रा के दौरान अनुशासन बनाए रखने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की। कार्यक्रम में भाजपा के पदाधिकारी कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

उन्होंने सभी शिवभक्तों को श्रावण मास की शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखमय और सुरक्षित यात्रा की कामना की।

हल्द्वानी घटना के विरोध में रामनगर में भाजपा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

अनिल थपलियाल। रामनगर में हल्द्वानी में पुलिस के साथ कथित अभद्रता के विरोध में रविवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। लखनपुर चौक पर स्थानीय विधायक दीवान सिंह बिष्ट के नेतृत्व में कार्यकर्ता एकत्र हुए और कांग्रेस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का पुतला भी फूंका गया। विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने हल्द्वानी में हुई घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों के साथ किसी भी तरह का अभद्र व्यवहार उचित नहीं है और कानून व्यवस्था बनाए रखने वाली पुलिस का सम्मान किया जाना चाहिए। भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि घटना में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने पुलिस प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपना आक्रोश जताया और मामले में कार्रवाई की मांग दोहराई।

जीरकपुर-भबात में अघोषित बिजली कटों से लोग हुए परेशान, गर्मी में बढ़ी परेशानी

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर

जीरकपुर और भबात क्षेत्र में अघोषित बिजली कटों ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। शुक्रवार रात से शनिवार दोपहर तक कई रिहायशी इलाकों में बार-बार बिजली गुल होने से गर्मी के बीच लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कहीं 10 मिनट तो कहीं करीब एक घंटे तक बिजली बंद रहने की शिकायत सामने आई। बार-बार बिजली आने-जाने से पंखे, कूलर और अन्य विद्युत उपकरण भी प्रभावित हुए।

एकेएस कॉलोनी-1 और 2, न्यू डिफेंस एन्क्लेव, संत कृपाल नगर, पॉलम एन्क्लेव, गुरदेव नगर, जरनैल एन्क्लेव-1 और 2, विक्टोरिया सिटी तथा रंजन प्लाजा समेत आसपास के इलाकों के लोगों ने बिजली आपूर्ति बाधित होने की शिकायत की। लोगों का कहना है कि बिजली कटौती का कोई निश्चित समय नहीं होने के कारण रोजमर्रा के काम प्रभावित हो रहे हैं।

गर्मी के कारण बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को सबसे अधिक परेशानी हुई। वहीं दुकानदारों और घर से काम करने वाले लोगों को भी बिजली बंद रहने के कारण कामकाज में दिक्कत आई। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद बिजली बहाली के समय को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं दी जाती। इससे लोगों को यह पता नहीं चल पाता कि बिजली कब तक आएगी और वे अपने जरूरी काम किस समय कर सकते हैं।

लोगों ने बिजली विभाग से मांग की है कि यदि किसी तकनीकी कारण या निर्धारित कार्य के चलते बिजली आपूर्ति बंद करनी हो तो इसकी जानकारी पहले से लोगों तक पहुंचाई जाए। विभाग को संदेश, सूचना या अन्य माध्यमों से बिजली कटौती का समय बताना चाहिए, ताकि लोग अपने काम उसी के अनुसार व्यवस्थित कर सकें।

पीएम मोदी-बादल मुलाकात से पंजाब में गठबंधन की चर्चा तेज

भाजपा नेतृत्व को दिल्ली बुलाए जाने से 2027 चुनाव से पहले शिअद-भाजपा गठबंधन की अटकलों को मिला नया बल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर सिंह बादल की शुक्रवार को हुई मुलाकात के बाद पंजाब की राजनीति में शिअद और भाजपा के बीच संभावित गठबंधन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। इसी बीच भाजपा के प्रदेश प्रधान केवल सिंह ढिल्लों और प्रदेश संगठन महामंत्री मंतरी श्रीनिवासुलु को दिल्ली बुलाए जाने की खबर से इन अटकलों को और बल मिला है। माना जा रहा है कि दोनों नेता भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात कर पंजाब की आगामी राजनीतिक रणनीति पर चर्चा कर सकते हैं।

सुखबीर बादल और प्रधानमंत्री मोदी के बीच मुलाकात को 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। शिअद सूत्रों के अनुसार, यह मुलाकात पहले से निर्धारित थी और इसमें पंजाब के राजनीतिक हालात समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। हालांकि दोनों दलों की ओर से गठबंधन को लेकर अभी कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई है।

कृषि कानूनों के बाद पहली व्यक्तिगत मुलाकात : सुखबीर बादल और प्रधानमंत्री मोदी के बीच वर्ष 2020 में कृषि कानूनों को लेकर शिअद-भाजपा गठबंधन टूटने के बाद यह पहली व्यक्तिगत राजनीतिक मुलाकात बताई जा रही है। दोनों दलों के बीच करीब 23 वर्ष तक गठबंधन रहा। इसकी शुरुआत वर्ष 1997 में हुई थी। इस दौरान दोनों दलों ने पंजाब में वर्ष 1997, 2007 और 2012 में मिलकर सरकार बनाई।

सुखबीर बादल की पत्नी और लोकसभा सदस्य हरसिमरत कौर बादल भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री रह चुकी हैं। कृषि कानूनों को लेकर मतभेद के बाद उन्होंने केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था।

हालांकि पिछले कुछ वर्षों में दोनों दलों के शीर्ष नेताओं के बीच सार्वजनिक राजनीतिक बैठकें लगभग नहीं हुईं। वर्ष 2023 में पूर्व मुख्यमंत्री और शिअद संरक्षक प्रकाश सिंह बादल के निधन के बाद प्रधानमंत्री मोदी शोक व्यक्त करने के लिए शिअद मुख्यालय पहुंचे थे।

भाजपा की रणनीति पर होगी चर्चा : सूत्रों के अनुसार, दिल्ली में पंजाब भाजपा नेतृत्व के साथ होने वाली बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति पर चर्चा हो सकती है। भाजपा पिछले कुछ समय से पंजाब में अपने संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनाव में विस्तार की तैयारी कर रही है। पार्टी की ओर से पहले भी संकेत दिए जाते रहे हैं कि वह पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर अपने दम पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी पंजाब दौरे के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं से सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार रहने को कह चुके हैं। ऐसे में शिअद के साथ संभावित गठबंधन की चर्चा के बीच भाजपा की चुनावी रणनीति महत्वपूर्ण हो गई है।

अलग चुनाव लड़ने पर दोनों को नुकसान : वर्ष 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में शिअद और भाजपा ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था। शिअद को 117 में से केवल तीन सीटों पर जीत मिली थी, जबकि भाजपा दो सीटें जीत सकी थी। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले दोनों दलों के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत हुई थी, लेकिन सीटों के बंटवारे पर सहमति नहीं बन सकी। लोकसभा चुनाव में शिअद ने पंजाब की 13 में से चार सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, जबकि भाजपा ने सभी 13 सीटों पर चुनाव लड़ा था।

न्यूज ब्रीफ

मोहाली में जन्माष्टमी पर निकलेगी भव्य शोभायात्रा, मंदिरों में होगा उत्सव

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। केंद्रीय सनातन धर्म मंदिर कल्याण समिति की ओर से श्री वैष्णो माता मंदिर फेज-3बी1 में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि चार सितंबर को शहर के सभी मंदिरों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई जाएगी। समिति के महासचिव मनोज कुमार अग्रवाल ने बताया कि दो सितंबर को भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा दोपहर एक बजे फेज-11 स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर से शुरू होकर विभिन्न सेक्टरों से गुजरते हुए फेज-6 स्थित श्री दुर्गा माता मंदिर पहुंचेगी। शोभायात्रा में धार्मिक झांकियां, महिला संकीर्तन मंडलियों की प्रस्तुतियां और भजन-कीर्तन मुख्य आकर्षण होंगे। बैठक में शहर के विभिन्न मंदिरों के पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने जन्माष्टमी पर्व को भव्य और श्रद्धापूर्ण तरीके से मनाने की तैयारियों पर चर्चा की। समिति ने श्रद्धालुओं से आयोजन में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

सीवर खुदाई के बाद सड़कें बदहाल मोहाली में बढ़ी परेशानी

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। शहर में सीवर लाइन डालने के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत में हो रही देरी से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। फेज-7, शॉपिंग स्ट्रीट, फेज-11, फेज-3बी2 और फेज-5 समेत कई इलाकों में सड़कें लंबे समय से उखड़ी पड़ी हैं। कहीं गहरे गड्ढे हैं तो कहीं मिट्टी और मलबा फैला हुआ है। बारिश के बाद इन गड्ढों में पानी और कीचड़ भरने से स्थिति और खराब हो गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार पाइप लाइन डालने के बाद सड़क की अंतिम बहाली नहीं की गई। कई स्थानों पर पिछले कई महीनों से काम अधूरा पड़ा है। इससे वाहन चालकों, पैदल राहगीरों और दुकानदारों को रोजाना दिक्कत हो रही है। दोपहिया वाहन चालकों के लिए गड्ढे विशेष रूप से खतरनाक बने हुए हैं। दुकानदारों का कहना है कि खराब सड़कों के कारण ग्राहकों की आवाजाही भी प्रभावित हो रही है। लोगों ने नगर निगम से अधूरे काम जल्द पूरा कर सड़कों की मरम्मत कराने की मांग की है। लंबे समय से सड़कें ठीक नहीं होने पर विकास कार्यों की निगरानी को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

चोरी के केस में आठ महीने बाद पुलिस ने दर्ज की प्राथमिकी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़ । चंडीगढ़ के सेक्टर-24 डी स्थित मकान में दिसंबर 2025 में दो बार चोरी हुई। पीड़ित गिरिजेश कुमार पांडेय ने बताया कि वह 11 से 31 दिसंबर तक अपनी मां के अंतिम संस्कार के लिए उत्तर प्रदेश के कुशीनगर स्थित पैतृक गांव गए थे। उनकी गैरमौजूदगी में 16 और 26 दिसंबर को चोरों ने घर को निशाना बनाया। दोनों वारदातों में चोर 41,500 रुपये नकद, सोने के झुमके, मंगलसूत्र, नोज पिन, अंगूठी, चांदी की पायल और पांच सिक्के सहित अन्य सामान ले गए। पड़ोसियों से सूचना मिलने के बाद पुलिस को जानकारी दी गई और सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने की पेशकश भी की गई। इसके बावजूद शिकायतकर्ता को मामला दर्ज कराने के लिए लंबे समय तक थाने और पुलिस अधिकारियों के चक्कर लगाने पड़े।

कनाडा में पंजाबी कारोबारी की गोली मारकर हत्या

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़ । कनाडा के एडमंटन में 48 वर्षीय पंजाबी शराब कारोबारी सुखजीत रंधावा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार एक युवक शराब की दुकान में पहुंचा और बिना भुगतान किए शराब की बोतलें लेकर जाने लगा। सुखजीत रंधावा ने उसे रोकने का प्रयास किया तो आरोपी ने गोली चला दी। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल सुखजीत को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 22 वर्षीय संदिग्ध आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और वारदात के कारणों तथा आरोपी की भूमिका से जुड़े अन्य पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। घटना के बाद स्थानीय कारोबारियों में चिंता बढ़ गई है।

कनाडा की आव्रजन व्यवस्था पर सवाल भारतीय छात्रों से जुड़े आंकड़ों ने बढ़ाई चिंता

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़। कनाडा के अंतरराष्ट्रीय छात्र और अस्थायी कार्य अनुमति कार्यक्रम को लेकर सामने आई एक खुफिया रिपोर्ट ने वहां की आव्रजन व्यवस्था और सुरक्षा निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। ग्लोबल न्यूज के अनुसार कनाडा सीमा सेवा एजेंसी की एक वर्गीकृत रिपोर्ट में ऐसे भारतीय नागरिकों का उल्लेख किया गया है, जो अध्ययन या कार्य अनुमति के माध्यम से कनाडा पहुंचे और बाद में संगठित अपराध से जुड़ी गतिविधियों में शामिल पाए गए।

रिपोर्ट में गैंगस्टर गोल्डी बराड़ का मामला प्रमुख उदाहरण के रूप में सामने आया है। वह वर्ष 2017 में थॉम्पसन रिवर्स विश्वविद्यालय में पढ़ाई के लिए कनाडा पहुंचा था। हालांकि उपलब्ध रिकॉर्ड से यह स्पष्ट नहीं है कि उसने वास्तव में नियमित रूप से कक्षाओं में पढ़ाई की थी या नहीं। बाद में उस पर कनाडा में बिश्नोई गिरोह का नेटवर्क फैलाने और संगठित अपराध से जुड़ी गतिविधियों में शामिल होने के गंभीर आरोप लगे।

चार हजार भारतीयों पर लगे आरोप : रिपोर्ट में दिए गए आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2019 से 2023 के बीच अध्ययन अनुमति पर कनाडा पहुंचे करीब चार हजार भारतीय नागरिकों पर कुल 17,929 आपराधिक मामलों में आरोप लगाए गए। वहीं वर्ष 2024 में 2,418 भारतीय अध्ययन अनुमति धारकों पर 13,040 से अधिक आपराधिक आरोप लगाए जाने की बात कही गई है।

हालांकि इन आंकड़ों को पूरे भारतीय छात्र समुदाय के संदर्भ में देखना जरूरी है। वर्ष 2024 में कनाडा में करीब 1,88,125 भारतीय छात्र मौजूद थे। इस लिहाज से आरोपित छात्रों की संख्या कुल भारतीय छात्रों का एक प्रतिशत से कुछ अधिक ही थी। इसलिए कुछ लोगों की आपराधिक गतिविधियों के आधार पर सभी भारतीय या पंजाबी छात्रों को संदेह की नजर से देखना उचित नहीं होगा।

रिपोर्ट के बाद कनाडा की आव्रजन जांच और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

चंडीगढ़ पुलिस में खाली इंचार्ज की कुर्सियां बेदाग अफसरों की तलाश बनी चुनौती

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ पुलिस में इन दिनों कई थानों और पुलिस चौकियों में स्थायी इंचार्ज की कमी विभाग के लिए चुनौती बनी हुई है। थाने और चौकियां मौजूद हैं, पुलिस बल भी तैनात है, लेकिन कई जगह प्रभारी की स्थायी नियुक्ति नहीं होने के कारण अतिरिक्त प्रभार देकर काम चलाया जा रहा है। इससे विभाग के सामने जल्द नई तैनाती करने का दबाव बढ़ गया है।

पुलिस विभाग में थानों और चौकियों की कमान संभालने वाले अधिकारियों के नामों पर वरिष्ठ स्तर पर मंथन चल रहा है। विभाग की कोशिश है कि महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां ऐसे अधिकारियों को दी जाएं जिनका सेवा रिकॉर्ड बेहतर हो और जिनकी छवि पर गंभीर सवाल न उठे। इसके लिए पुलिस महकमे में लंबे समय तक सेवाएं दे चुके एक सेवानिवृत्त पुलिस उपाधीक्षक की सलाह भी ली गई है।

प्रभारी की कुर्सी खाली क्यों?

विभागीय स्तर पर सबसे बड़ी चर्चा यह है कि जिन अधिकारियों को थाना या चौकी प्रभारी बनाया जा सकता है, उनमें से कुछ के खिलाफ पहले विवाद या विभागीय कार्रवाई से जुड़े मामले सामने आ चुके हैं। ऐसे में उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने को लेकर अधिकारियों के बीच सहमति बनाना आसान नहीं है।

दूसरी ओर जिन अधिकारियों की छवि अपेक्षाकृत साफ मानी जाती है, उनकी संख्या सीमित है। कई ऐसे अधिकारी पहले से ही महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं। ऐसे में विभाग के सामने उपलब्ध अधिकारियों में से ही योग्य और भरोसेमंद चेहरों का चयन करने की चुनौती है।

साफ छवि वाले अधिकारियों पर जोर : पुलिस विभाग अब ऐसे अधिकारियों की तलाश में है जिनकी ईमानदारी, नेतृत्व क्षमता और कार्यशैली को लेकर कोई बड़ा सवाल न हो। थाना और चौकी प्रभारी पुलिसिंग व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था, शिकायतों के निस्तारण और पुलिसकर्मियों की निगरानी में उनकी अहम भूमिका रहती है।

पंजाब सरकार और बिजली संयंत्रों से राख की मात्रा व इस्तेमाल का मांगा पूरा विवरण

हाई कोर्ट ने सड़क निर्माण में फ्लाई राख के इस्तेमाल का मांगा पूरा हिसाब

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने सड़क निर्माण परियोजनाओं में थर्मल पावर प्लांट से निकलने वाली फ्लाई राख के उपयोग को लेकर पंजाब सरकार, पंजाब स्टेट पावर कारपोरेशन लिमिटेड और राज्य के संबंधित थर्मल पावर प्लांट से विस्तृत जानकारी मांगी है। अदालत ने प्रत्येक पावर प्लांट से निकलने वाली कुल फ्लाई राख और उसके इस्तेमाल का पूरा विवरण शपथपत्र के माध्यम से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 21 सितंबर 2026 को होगी।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश अश्विनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति रोहित कपूर की खंडपीठ ने यह आदेश नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। सुनवाई के दौरान अदालत के सामने मुख्य सवाल यह था कि थर्मल पावर प्लांट से निकलने वाली फ्लाई राख का सड़क निर्माण में उपयोग निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया और सरकारी नीति के अनुरूप हो रहा है या नहीं।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि उपलब्ध रिकार्ड से यह स्पष्ट है कि थर्मल और पावर प्लांट से निकलने वाली राख का इस्तेमाल सड़क निर्माण सहित विभिन्न अवसंरचना परियोजनाओं में किया जाना था। इसका उद्देश्य राख के सुरक्षित निस्तारण के साथ पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को कम करना था।

2016 से 2023 तक निशुल्क राख और परिवहन का प्रावधान : हाई कोर्ट ने पुराने सरकारी निर्देशों का भी उल्लेख किया। अदालत के अनुसार वर्ष 2016 से 2023 के बीच संबंधित निगमों और एजेंसियों को फ्लाई राख निशुल्क उपलब्ध कराने के साथ 100 किलोमीटर तक उसके परिवहन की सुविधा भी निशुल्क उपलब्ध कराना अनिवार्य था। हालांकि वर्ष 2023 के बाद इस व्यवस्था और नीति में बदलाव किया गया।

पीठ ने उपलब्ध सरकारी परिपत्रों का हवाला देते हुए कहा कि वर्ष 2016 से 2021 के दौरान सड़क अवसंरचना परियोजनाओं के लिए यदि फ्लाई राख का उपयोग नहीं हो पाता था तो बची हुई राख को एनएचएआई को सक्षम प्राधिकारी के निर्देशों के अनुसार उपलब्ध कराया जाना था।

राख के इस्तेमाल पर सामने आया विवाद : सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता और प्रतिवादी पक्षों के बीच फ्लाई राख के वास्तविक उपयोग को लेकर मतभेद सामने आया। सवाल यह भी उठा कि क्या पावर प्लांट से निकलने वाली राख का इस्तेमाल वास्तव में निर्धारित परियोजनाओं में सरकारी नीति और नियमों के अनुसार किया जा रहा है।

पंजाब विधानसभा सत्र बढ़ाने की मांग, छह विधेयकों पर चर्चा को लेकर खैरा मुखर

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा के चल रहे सत्र को कुछ और दिनों के लिए बढ़ाने की मांग कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैरा ने की है। खैरा ने कहा कि सत्र के अंतिम कार्य दिवस पर छह महत्वपूर्ण विधेयकों को पर्याप्त चर्चा के बिना पारित करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ न्याय नहीं होगा। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां से सत्र की अवधि बढ़ाने की अपील की है।

खैरा के अनुसार विधानसभा के आधिकारिक विधायी कामकाज में छह नए विधेयक विचार के लिए रखे गए हैं। इनमें तीन डिजिटल विश्वविद्यालयों, वस्तु एवं सेवा कर, आउटसोर्स कर्मचारियों और संविदा नियुक्तियों तथा साझा बुनियादी ढांचे से संबंधित विधेयक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी कानूनों के दूरगामी प्रभाव हो सकते हैं, इसलिए एक ही दिन में इन पर पर्याप्त चर्चा करना संभव नहीं है।

◆ एक दिन में छह विधेयकों पर चर्चा जल्दबाजी, खैरा ने सत्र बढ़ाने की मांग की

कांग्रेस विधायक ने कहा कि विधायकों को विधेयकों का अध्ययन करने, संबंधित पक्षों से विचार-विमर्श करने और आवश्यकता पड़ने पर संशोधन प्रस्ताव रखने के लिए पर्याप्त समय मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि विधानसभा केवल सरकार के फैसलों पर मुहर लगाने वाली संस्था नहीं है। उसका दायित्व कानूनों की धारा-दर-धारा समीक्षा करना और उनके संभावित प्रभावों पर चर्चा करना है।

खैरा ने विशेष रूप से तीन डिजिटल विश्वविद्यालयों से जुड़े विधेयकों को सत्र के अंतिम चरण में पेश किए जाने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि यदि सरकार इन विधेयकों को पंजाब के हित में महत्वपूर्ण मानती है तो सत्र बढ़ाने में उसे कोई संकोच नहीं करना चाहिए।

उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से सदन की गरिमा और सर्वोच्चता बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि जल्दबाजी में छह महत्वपूर्ण कानून पारित करना पंजाब के भविष्य के साथ न्याय नहीं होगा।

हरिके में डॉल्फिन संरक्षण को मिलेगा नया जीवन, केंद्र को भेजा 57 करोड़ का प्रस्ताव

हरिके अभयारण्य में डॉल्फिन संरक्षण के साथ जैव विविधता, पर्यटन और पर्यावरण सुरक्षा को मिलेगा नया विस्तार

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब सरकार ने तरनतारन जिले में स्थित हरिके वन्यजीव अभयारण्य में सिंधु नदी डॉल्फिन के संरक्षण और उनके प्राकृतिक आवास को सुरक्षित रखने के लिए 57 करोड़ रुपये की विशेष परियोजना तैयार की है। इस परियोजना को मंजूरी के लिए केंद्र सरकार को भेजा गया है। इसके साथ ही हरिके अभयारण्य के समग्र विकास के लिए 30.44 करोड़ रुपये की एकीकृत प्रबंधन परियोजना भी तैयार की गई है। दोनों प्रस्ताव जुलाई और अगस्त 2026 में केंद्र सरकार के पास भेजे गए हैं। यह जानकारी खडूर साहिब के विधायक मनजिंदर सिंह लालपुरा के विधानसभा में पूछे गए सवाल के लिखित जवाब में वन एवं वन्यजीव मंत्री लाल चंद कटारूचक ने दी।

सरकार के अनुसार हरिके वन्यजीव अभयारण्य के लिए वर्ष 2020 से 2030 तक की अवधि का दस वर्षीय प्रबंधन प्लान लागू है। इसके तहत करीब 42.53 करोड़ रुपये खर्च किए जाने का प्रावधान है। योजना में जैव विविधता के संरक्षण के साथ वेटलैंड की सुरक्षा, इको पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

चार वर्षों में करीब पांच करोड़ रुपये खर्च : सरकारी जवाब के अनुसार एक अप्रैल 2022 से 31 जुलाई 2026 तक हरिके वन्यजीव अभयारण्य के संरक्षण और विकास पर 4.97 करोड़ रुपये खर्च किए गए। इसी अवधि में फिरोजपुर वन्यजीव मंडल के लिए 6.45 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। इन राशि से पौधारोपण, जलकुंभी और अन्य खरपतवार हटाने, गश्त के लिए मोटर बोट खरीदने, नए चेक पोस्ट बनाने और सौर ऊर्जा आधारित स्ट्रीट लाइट लगाने जैसे कार्य किए गए।

इसके अलावा इंटरप्रिटेशन सेंटर को आधुनिक बनाने, बाउंड्री वाल बनाने, घास के मैदान विकसित करने और घायल वन्यजीवों के बचाव तथा उपचार से संबंधित सुविधाओं को मजबूत करने का काम भी किया गया।

97 प्रजातियों के प्रवासी पक्षी पहुंचे : हरिके वन्यजीव अभयारण्य प्रवासी पक्षियों के लिए महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। यहां हर साल स्थानीय और प्रवासी पक्षियों की गणना कराई जाती है। वर्ष 2022 में 56,142 पक्षी और 80 प्रजातियां दर्ज हुई थीं। वर्ष 2023 में संख्या बढ़कर 65,624 पक्षियों और 85 प्रजातियों तक पहुंची। वर्ष 2024 में 50,529 पक्षी और 81 प्रजातियां दर्ज की गईं। वर्ष 2025 में 57,292 पक्षियों की मौजूदगी दर्ज हुई और प्रजातियों की संख्या बढ़कर 97 हो गई। वर्ष 2026 में 52,707 पक्षी और 87 प्रजातियां दर्ज की गईं।

पानी की गुणवत्ता पर भी निगरानी : अप्रैल 2026 में हरिके के पानी की गुणवत्ता की दो बार जांच कराई गई। एक जांच डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया और दूसरी गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के सहयोग से हुई। जांच में अभयारण्य के भीतर पानी की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुसार पाई गई। हालांकि सतलुज नदी के माध्यम से बाहर से प्रदूषित पानी आने की बात सामने आई। इसके बाद पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को आवश्यक कार्रवाई के लिए पत्र भेजा गया।

डॉल्फिन और घड़ियाल की साल में दो बार निगरानी : सरकार ने बताया कि सिंधु नदी डॉल्फिन और घड़ियाल की वर्ष में दो बार निगरानी की जाती है। इसके लिए नदी किनारे बसे गांवों के युवाओं को ब्यास मित्र के रूप में जोड़ा गया है। ये युवा डॉल्फिन और घड़ियाल की गतिविधियों पर नजर रखने के साथ स्थानीय लोगों को वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूक भी करते हैं।

पीजीआई में महंगे इंजेक्शन गायब मिलीभगतों की आशंका से मचा हड़कंप

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली

चंडीगढ़ में पीजीआई के गायनी विभाग से महंगे इंजेक्शन और दवाओं के गायब होने का मामला गंभीर होता जा रहा है। प्राथमिक जांच में करीब 15 से 20 लाख रुपये के इंजेक्शन और महंगी दवाओं के स्टाक में गड़बड़ी सामने आने के बाद अस्पताल प्रशासन ने मामले की शिकायत पुलिस को देने की बात कही है। सूत्रों के अनुसार आशंका है कि नर्सिंग स्टाफ, फार्मासिस्ट और अन्य कर्मचारियों की मिलीभगत से जरूरत से कई गुना अधिक इंजेक्शन मंगवाकर उन्हें अस्पताल से बाहर कम कीमत पर बेचा जाता था।

अस्पताल की फार्मेसी ने दवाओं की खपत में अचानक और असामान्य बढ़ोतरी देखी थी। इसके बाद संबंधित वार्ड से जानकारी मांगी गई और स्टाक की जांच शुरू की गई। पूछताछ के दौरान कुछ कर्मचारियों ने महंगे इंजेक्शन और दवाओं के लिए इंडेंट जारी करने की बात स्वीकार की। सूत्रों के मुताबिक निगरानी कैमरों की फुटेज में भी कुछ कर्मचारियों की संदिग्ध गतिविधियां सामने आई हैं।

जांच में अब यह पता लगाया जा रहा है कि चार से पांच गुना अधिक मंगाए गए इंजेक्शन आखिर कहां गए और उन्हें अस्पताल से बाहर किसने पहुंचाया। मेडिकल स्टोरों पर इन्हें आधी कीमत में बेचने की आशंका की भी जांच हो रही है। साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि दवाएं जारी करने और स्टाक से बाहर करने की प्रक्रिया में किसी अधिकारी की मिलीभगत थी या नहीं।

शिकायत को लेकर विरोधाभासी दावे : पीजीआई प्रशासन का कहना है कि मामले की जानकारी संबंधित अधिकारियों और पुलिस को दी गई है। वहीं पीजीआई चौकी प्रभारी सुंदरी ने कहा कि हाल में प्रशासन की ओर से ऐसी कोई शिकायत या सूचना नहीं मिली है। दोनों पक्षों के अलग-अलग दावों से मामले को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

2023 में गलत इंजेक्शन से हुई थी मौत : नवंबर 2023 में गायनी वार्ड में एक अज्ञात महिला द्वारा एक मरीज को इंजेक्शन लगाने के बाद उसकी हालत बिगड़ गई थी। मरीज को आईसीयू में भर्ती करना पड़ा था। पहले से किडनी संबंधी परेशानी से जूझ रही युवती की हालत लगातार गंभीर होती गई और बाद में उसकी मौत हो गई थी।

कांवड़ियों को रौंदने वाली एसयूवी पकड़ी, मालिक किया गिरफ्तार

12 घंटे में पुलिस ने खोज निकाला आरोपी, तीन कांवड़ियों की मौत से मचा था हड़कंप

भारतेंदु संवाददाता, फतेहगढ़ साहिब

सरहिंद राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार देर रात कांवड़ियों को रौंदने के मामले में फतेहगढ़ साहिब पुलिस ने 12 घंटे के भीतर बड़ी कार्रवाई करते हुए हादसे में शामिल महिंद्रा एसयूवी को लुधियाना से बरामद कर लिया है। पुलिस ने वाहन के मालिक त्रिलोचन सिंह को भी गिरफ्तार किया है। हादसे में कोटकपूरा निवासी तीन कांवड़ियों की मौत हो गई थी, जबकि एक कांवड़िया गंभीर रूप से घायल है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हादसे के समय वाहन कौन चला रहा था और दुर्घटना के बाद वाहन को किसने वहां से हटाया।

देर रात हुआ दर्दनाक हादसा : जानकारी के अनुसार शनिवार देर रात करीब दो बजे कांवड़ियों का जत्था सरहिंद राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजर रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार महिंद्रा एसयूवी ने कांवड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीन कांवड़ियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। हादसे के बाद घटनास्थल पर मौजूद कांवड़ियों में भारी रोष था। उन्होंने आरोपित की गिरफ्तारी की मांग करते हुए मौके पर डेरा डाल दिया।

नंबर प्लेट से मिला अहम सुराग: पुलिस को घटनास्थल से वाहन की नंबर प्लेट मिली थी। इसी नंबर के आधार पर पुलिस ने वाहन की पहचान और तलाश शुरू की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने बताया कि हादसे की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कई पुलिस टीमें गठित की गईं।

पुलिस उपाधीक्षक फतेहगढ़ साहिब कुलबीर सिंह संधु और सरहिंद थाना प्रभारी राजवंत सिंह की अगुवाई में टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर जांच की। लगातार प्रयास के बाद पुलिस ने हादसे में शामिल एसयूवी को लुधियाना के पक्खोवाल रोड क्षेत्र से बरामद कर लिया। इसके बाद वाहन मालिक त्रिलोचन सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया।

चालक की भूमिका की जांच जारी : वाहन बरामद होने और मालिक की गिरफ्तारी के बावजूद पुलिस की जांच अभी जारी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि दुर्घटना के समय वाहन कौन चला रहा था। इसके अलावा हादसे के बाद वाहन को घटनास्थल से लुधियाना तक कैसे ले जाया गया और इसमें कौन-कौन लोग शामिल थे, इसकी भी जांच की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार वाहन की तकनीकी जांच और घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर हादसे की परिस्थितियों को स्पष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है।

विधायक और विधानसभा अध्यक्ष पहुंचे : हादसे की सूचना मिलने के बाद विधायक लखबीर सिंह राय घटनास्थल पर पहुंचे और वहां मौजूद कांवड़ियों से मुलाकात की। उन्होंने उन्हें आरोपित की जल्द गिरफ्तारी का भरोसा दिया।

इसके बाद कोटकपूरा के विधायक और पंजाब विधानसभा के अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र से आए कांवड़ियों से मुलाकात कर हादसे पर दुख जताया और उनकी समस्याएं सुनीं। संधवां ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मामले में हुई कार्रवाई की जानकारी ली। वाहन बरामद होने और उसके मालिक की गिरफ्तारी की जानकारी मिलने पर उन्होंने पुलिस कार्रवाई पर संतोष जताया।

मृतकों के परिवारों को दो-दो लाख रुपए की सहायता : कुलतार सिंह संधवां ने हादसे में जान गंवाने वाले तीन कांवड़ियों के परिवारों को आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मृतक के परिवार को दो-दो लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। वहीं, हादसे में गंभीर रूप से घायल कांवड़िये के इलाज का पूरा खर्च पंजाब सरकार की ओर से उठाया जाएगा। पुलिस की कार्रवाई के बाद घटनास्थल पर मौजूद कांवड़ियों को आरोपित तक पहुंचने का भरोसा मिला है।

जालंधर में बढ़ते अपराधों पर सख्ती, पुलिस कमिश्नर ने लंबित मामलों में तेजी के दिए निर्देश

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर

पुलिस कमिश्नरेट जालंधर में पुलिस कमिश्नर सतिंदर सिंह ने गजटेड अधिकारियों के साथ रणनीतिक बैठक कर शहर की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को लंबित मामलों की जांच में तेजी लाने, खुफिया तंत्र को मजबूत करने और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पुलिस कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि किसी भी मामले की जांच अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहनी चाहिए। जांच अधिकारियों को मामलों की नियमित समीक्षा करने और हर मामले में समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि जांच की गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए और पीड़ितों को समय पर न्याय दिलाना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

खुफिया तंत्र मजबूत करने पर जोर : सतिंदर सिंह ने अपराधों की रोकथाम के लिए निवारक और खुफिया आधारित पुलिसिंग को प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को जमीनी स्तर पर सूचना तंत्र मजबूत करने और संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए। अपराध से जुड़े नेटवर्क की समय रहते जानकारी जुटाकर संभावित घटनाओं को रोकने के लिए भी अधिकारियों को सक्रिय रहने को कहा गया।

संवेदनशील इलाकों और अपराध की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थानों पर निगरानी बढ़ाने के साथ आदतन अपराधियों और असामाजिक तत्वों के पुराने रिकॉर्ड की समीक्षा करने के निर्देश भी दिए गए। पुलिस अधिकारियों से कहा गया कि संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

लापरवाही पर तय होगी जवाबदेही : पुलिस कमिश्नर ने साफ कहा कि ड्यूटी में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्यों की नियमित समीक्षा की जाएगी। उन्होंने थाना स्तर पर फील्ड पुलिसिंग को मजबूत करने और पुलिस अधिकारियों को आम लोगों के साथ बेहतर संपर्क स्थापित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जनता से सीधा संवाद बढ़ने से संभावित अपराधों और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी समय रहते मिल सकती है। इसलिए पुलिस कर्मचारियों को क्षेत्र में सक्रिय रहने और लोगों की शिकायतों को गंभीरता से सुनने के निर्देश दिए गए।

संगठित अपराध पर सख्त रुख : बैठक में संगठित अपराध, अपराधियों की गतिविधियों, लंबित जांच और शहर की सुरक्षा व्यवस्था सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई।

किचलू नगर में धंसी सड़क का रहस्य और गहराया, सीवर लाइन में रिसाव की आशंका

सीवर में केबल डालने से सुराख की आशंका, जांच के बाद सामने आएगा असली कारण

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। लुधियाना के किचलू नगर में वीरवार को अचानक सड़क धंसने की घटना के बाद असुरक्षित हुए मकान को अब सुरक्षित कर लिया गया है। सड़क धंसने से बने गहरे गड्ढे के कारण मकान की सुरक्षा को लेकर चिंता पैदा हो गई थी। एहतियात के तौर पर मकान को खाली करवाया गया था। नगर निगम की टीम ने मकान को सुरक्षित करने का काम पूरा कर लिया है। अब सड़क के दूसरी तरफ कंक्रीट की दीवार बनाने की तैयारी चल रही है।

वीरवार को किचलू नगर की मुख्य सड़क अचानक धंस गई थी। बताया जा रहा है कि सड़क का करीब 15 से 20 फुट हिस्सा नीचे चला गया, जबकि बने गड्ढे की लंबाई लगभग 30 फुट थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक ट्रैक्टर-ट्राली के वहां से गुजरने के कुछ समय बाद तेज आवाज के साथ सड़क तेजी से धंसने लगी। घटना के बाद आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

सूचना मिलने पर नगर निगम और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। राहत की बात रही कि हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। हालांकि सड़क के पास स्थित मकान की सुरक्षा को देखते हुए उसे तत्काल खाली करवा दिया गया।

नगर निगम की टीम ने मकान की सुरक्षा के लिए आरसीसी का सहारा लिया। अधिकारियों के अनुसार अब मकान को सुरक्षित कर लिया गया है। जमीन को और खिसकने से रोकने के लिए सड़क के दूसरी तरफ कंक्रीट की दीवार बनाने की तैयारी की जा रही है। फिलहाल प्राथमिकता आसपास के मकानों और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

सड़क धंसने के वास्तविक कारण की जांच रिपोर्ट अभी सामने नहीं आई है। अधिकारियों की प्राथमिक जांच में आशंका जताई गई है कि करीब 10 फुट चौड़ी सीवर लाइन में भूमिगत केबल डालते समय किसी स्थान पर सुराख हो गया होगा। इसके बाद सीवर से पानी का रिसाव हुआ और धीरे-धीरे आसपास की मिट्टी खिसकने से सड़क के नीचे खाली जगह बन गई।

बाल पुरस्कार आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी, 15 अगस्त तक मिलेगा मौका

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 अगस्त 2026 कर दी गई है। अब पात्र बच्चे निर्धारित समय सीमा तक पुरस्कार के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं।

जिला बाल सुरक्षा अधिकारी अजय भारती ने बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार हर वर्ष 5 से 18 वर्ष की आयु के उन बच्चों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने असाधारण बहादुरी दिखाकर दूसरों के लिए मिसाल कायम की हो या अपनी प्रतिभा और उल्लेखनीय उपलब्धियों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो।

उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार खेल, समाज सेवा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, कला एवं संस्कृति और नवाचार जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को दिया जाता है। पुरस्कार का उद्देश्य बच्चों की प्रतिभा, साहस और उपलब्धियों को पहचान दिलाना तथा उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना है। अजय भारती ने बताया कि निर्धारित योग्यता पूरी करने वाला भारत का कोई भी नागरिक बच्चा इस पुरस्कार के लिए आवेदन कर सकता है।

पंजोखरा साहिब विवाद में सिख संगत का धरना, युवकों की रिहाई की मांग

गिरफ्तारी के विरोध में थाने के बाहर प्रदर्शन, पुलिस कार्रवाई पर उठे सवाल

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। हरियाणा के अंबाला स्थित पंजोखरा साहिब गुरुद्वारा में एंटी खालिस्तानी नेता गुरसिमरन मंड के साथ हुई कथित मारपीट के मामले ने तूल पकड़ लिया है। पुलिस कार्रवाई के विरोध में रविवार को बड़ी संख्या में सिख समुदाय के लोग पंजोखरा साहिब थाने के बाहर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने मामले में गिरफ्तार किए गए युवकों की रिहाई की मांग की। प्रदर्शन को भारतीय किसान यूनियन के नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी, शहीद भगत सिंह किसान यूनियन और कुछ सिख जत्थेबंदियों का समर्थन मिला।

गिरफ्तार युवकों की रिहाई को लेकर सिख संगत ने मोर्चा खोला

दो युवकों पर गंभीर धाराओं में मामला : हरियाणा सिख प्रबंधक कमेटी के उपाध्यक्ष गुरवीर सिंह ने बताया कि घटना के संबंध में पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लिया है। प्रदर्शनकारियों के अनुसार, दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 307 के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस और प्रशासन को युवकों की रिहाई के लिए समय दिया है। उनका कहना है कि मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

मामले को लेकर पुलिस अधिकारियों और प्रदर्शनकारियों के बीच बैठक भी हुई। इसमें किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी, गुरवीर सिंह और अन्य प्रतिनिधि शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच करने और सभी पक्षों के खिलाफ तथ्यों के आधार पर कार्रवाई करने की मांग की।

चढ़ूनी ने पुलिस कार्रवाई पर उठाए सवाल : किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि गुरसिमरन मंड की शिकायत के आधार पर सिख युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया, जबकि कथित तौर पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई।

चढ़ूनी ने कहा कि धार्मिक स्थल के परिसर में विवाद की स्थिति में पुलिस को पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच करनी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से जल्द मामले का समाधान करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि गिरफ्तार युवकों को रिहा नहीं किया गया तो आंदोलन को व्यापक रूप दिया जा सकता है।

पुलिस से बातचीत जारी : फिलहाल प्रदर्शनकारी थाने के बाहर धरना देकर युवकों की रिहाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस अधिकारी प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर रहे हैं।

सनौर में शराब पीने से रोकने पर परिवार पर हमला, तीन घायल

भारतेंदु संवाददाता, पटियाला। पटियाला के सनौर में घर के बाहर शराब पीने से रोकना एक परिवार को भारी पड़ गया। आरोप है कि शराब पीने से मना करने पर कुछ लोगों ने परिवार के सदस्यों पर हमला कर दिया। हमलावरों ने गली में लोगों को लाठी-डंडों से दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। इस दौरान महिलाओं के साथ भी मारपीट किए जाने का आरोप है।

बताया गया कि विवाद बढ़ने के बाद दोनों पक्षों की ओर से ईंट-पत्थर भी चलाए गए। करीब आधे घंटे तक चले हंगामे के कारण पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। गली में मौजूद लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए। मारपीट और पथराव के कारण आसपास के लोगों में भी दहशत का माहौल बन गया।

पीड़ित परिवार के अनुसार, हमलावरों ने लाठी-डंडों से हमला किया और विवाद के दौरान एक-दूसरे पर ईंट-पत्थर भी फेंके गए। परिवार का आरोप है कि शराब पीने से रोकने की बात को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया।

पुलिस पर देरी से पहुंचने का आरोप: पीड़ित परिवार ने पुलिस पर मौके पर देरी से पहुंचने का आरोप लगाया है। परिवार के मुताबिक, मारपीट शुरू होते ही पुलिस को फोन कर सूचना दी गई थी, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी मौके से फरार हो गए। परिवार ने आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

महिला समेत तीन लोग घायल : घटना में एक महिला समेत परिवार के तीन लोग घायल हुए हैं। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घायलों का इलाज जारी है। परिवार का आरोप है कि मामूली विवाद को लेकर आरोपियों ने अचानक हमला कर दिया।

नोटिस और बैंक ड्राफ्ट राशि को लेकर ठेकेदारों ने उठाए सवाल

अटारी सीमा पर बीएसएफ की कार्रवाई से मारा गया संदिग्ध घुसपैठिया

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। भारत-पाकिस्तान सीमा के पास अटारी क्षेत्र में सीमा सुरक्षा बल ने संदिग्ध गतिविधि देखने के बाद एक व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की। गोली लगने से संदिग्ध की मौत हो गई। मृतक की पहचान और नागरिकता को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि वह पाकिस्तान का नागरिक था या बांग्लादेश से संबंधित था।

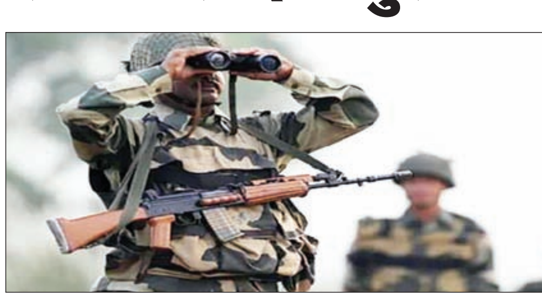

जानकारी के अनुसार सीमा क्षेत्र में गश्त के दौरान बीएसएफ जवानों को एक संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधियां दिखाई दीं। इसके बाद जवानों ने सतर्कता बरतते हुए कार्रवाई की। गोली लगने के बाद संदिग्ध व्यक्ति की मौत हो गई। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने आसपास के क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया।

तलाशी के दौरान मृतक के पास से कोई आपत्तिजनक या संदिग्ध सामग्री बरामद नहीं हुई। हालांकि उसके पास से तंबाकू का एक पैकेट मिला है। सुरक्षा एजेंसियां अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि वह व्यक्ति सीमा क्षेत्र तक कैसे पहुंचा और उसके वहां आने का उद्देश्य क्या था।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां भी जांच में जुट गई हैं। मृतक की पहचान के लिए जरूरी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही इसके भारत-पाकिस्तान सीमा क्षेत्र में पहुंचने के संभावित रास्ते और परिस्थितियों की जांच की जा रही है।

जालंधर में मतदाता सर्वे पूरा, 1.84 लाख फॉर्म नहीं मिले

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। जालंधर में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत घर-घर किए गए सर्वे का पहला चरण पूरा हो गया है। जिला चुनाव अधिकारी एवं उपायुक्त वरजीत वालिया ने पहले चरण के आंकड़े जारी किए हैं। इसके अनुसार 3 अगस्त 2026 तक कुल 1,84,997 मतदाताओं के फॉर्म उपलब्ध नहीं मिले।

सर्वे के दौरान 50,520 मतदाता मृत पाए गए, जबकि 94,356 मतदाता पुराने पते से दूसरी जगह स्थानांतरित हो चुके हैं। इसके अलावा 8,961 डुप्लीकेट मतदाता प्रविष्टियां, 30,157 ऐसे मतदाता जिनका पता नहीं चल पाया और 1,003 मतदाता अन्य श्रेणियों में पाए गए।

उपायुक्त ने बताया कि 13 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची जारी की जाएगी। जिन लोगों का नाम प्रारूप सूची में शामिल नहीं होगा, वे 12 सितंबर तक दावा पेश कर सकेंगे।

दुबई एयरपोर्ट से गुरदासपुर का युवक हुआ लापता, परिवार की बढ़ी चिंता

भारतेंदु संवाददाता, गुरदासपुर। रोजी-रोटी की तलाश में करीब 12 साल पहले विदेश गए पुराना शाला के भूपिंदर सिंह की घर वापसी का इंतजार कर रहे परिवार की खुशियां चिंता में बदल गई हैं। 35 वर्षीय भूपिंदर सिंह लेबनान से दुबई के रास्ते भारत लौट रहा था, लेकिन दुबई एयरपोर्ट से रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गया। परिवार के अनुसार भूपिंदर एक हादसे के बाद चलने-फिरने में असमर्थ है और मानसिक रूप से भी परेशान रहता है।

भूपिंदर की बहन मनदीप कौर ने बताया कि उसका भाई करीब 12 साल पहले रोजगार के लिए लेबनान गया था। वहां एक कंपनी में काम करने के दौरान हादसे में उसकी टांग टूट गई। इसके बाद वह चलने-फिरने में असमर्थ हो गया और मानसिक परेशानी से भी जूझने लगा। परिवार का आरोप है कि कंपनी ने उसकी उचित देखभाल करने के बजाय उसे व्हीलचेयर के सहारे लेबनान एयरपोर्ट से भारत रवाना कर दिया।

परिवार के अनुसार भूपिंदर छह अगस्त की रात करीब 11 बजे लेबनान से रवाना हुआ था। दुबई एयरपोर्ट पर उसकी करीब सात घंटे की प्रतीक्षा थी। इस दौरान उसने एक-दो बार परिवार से फोन पर बातचीत भी की। आखिरी बातचीत में उसने बताया कि उसका पासपोर्ट गुम हो गया है। इसके बाद उसका फोन बंद हो गया और संपर्क टूट गया। परिवार के मुताबिक बाद में दिल्ली एयरपोर्ट से अधिकारियों का फोन आया कि भूपिंदर का बैग और सामान दिल्ली पहुंच गया है।

बटाला ग्रेनेड कांड में तीसरा आतंकी गिरफ्तार आतंकी मॉड्यूल पर पुलिस का शिकंजा मजबूत

भारतेंदु संवाददाता, बटाला। पंजाब पुलिस ने बटाला में हुए ग्रेनेड हमले के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल करने का दावा किया है। पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस इकाई जालंधर और बटाला पुलिस ने संयुक्त रूप से खुफिया जानकारी के आधार पर अभियान चलाकर हमले में कथित रूप से शामिल तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक ने शनिवार को इसकी जानकारी दी।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान करनजीत सिंह उर्फ बच्चा के रूप में हुई है, जो बटाला के मुर्गी मोहल्ले का रहने वाला बताया गया है। पुलिस के अनुसार करनजीत सिंह कथित तौर पर उस आतंकी मॉड्यूल का संचालक था, जो बटाला में ग्रेनेड हमले को अंजाम देने की साजिश में शामिल था।

पुलिस के मुताबिक यह गिरफ्तारी उस कार्रवाई के कुछ ही समय बाद हुई है, जिसमें बटाला के अर्बन एस्टेट पुलिस चौकी पर 1 अगस्त 2026 को हुए ग्रेनेड हमले के मामले में दो आरोपियों को पकड़ा गया था। इनमें राजन उर्फ गुल्लू और एक नाबालिग शामिल हैं। पुलिस अब गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों से पूछताछ कर मामले की पूरी कड़ी जोड़ने का प्रयास कर रही है।

विदेश से संचालित मॉड्यूल का दावा : पंजाब पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में करनजीत सिंह को कथित रूप से पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई समर्थित आतंकी मॉड्यूल से जुड़ा पाया गया है। पुलिस का दावा है कि यह मॉड्यूल विदेश में बैठे बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े एक कथित मास्टरमाइंड के निर्देश पर संचालित किया जा रहा था।

जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि हमले की साजिश कैसे तैयार की गई, आरोपियों को किस स्तर पर निर्देश दिए गए और हमले के लिए संसाधन किस माध्यम से उपलब्ध कराए गए। पुलिस आरोपियों के आपसी संपर्क और संभावित अन्य सहयोगियों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

नेटवर्क के अन्य सदस्यों की तलाश : तीसरे आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस का फोकस अब कथित आतंकी नेटवर्क के अन्य सदस्यों तक पहुंचने पर है।

शिक्षा | गुरु रविदास की शिक्षाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने पर सीएम मान ने दिया जोर

जालंधर में सीएम मान ने गुरु रविदास वाणी अध्ययन केंद्र की रखी नींव

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को जालंधर के नौगज्जा-बल्लां में श्री गुरु रविदास महाराज वाणी अध्ययन केंद्र का नींव पत्थर रखा। इस दौरान उन्होंने गुरु रविदास महाराज की शिक्षाओं और उनकी वाणी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरुओं की वाणी मानवता को सही दिशा दिखाने का काम करती है। गुरु रविदास महाराज ने समानता, भाईचारे और सामाजिक न्याय का संदेश दिया, जिसे आज के समाज में अपनाने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लाल-पीले और नीले कार्ड के माध्यम से किसी परिवार को कुछ समय के लिए रोटी उपलब्ध कराई जा सकती है, लेकिन इससे गरीबी का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। गरीबी तभी समाप्त होगी, जब पंजाब के बच्चे अच्छी शिक्षा हासिल कर आत्मनिर्भर बनेंगे और अपने पैरों पर खड़े होंगे।

भगवंत मान ने कहा कि सरकार जरूरतमंद परिवारों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सहायता उपलब्ध करा रही है। इन योजनाओं से लोगों की तत्काल जरूरतें पूरी हो सकती हैं, लेकिन परिवार को स्थायी रूप से गरीबी से बाहर निकालने के लिए बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि पढ़ाई पूरी करने के बाद जब बच्चे रोजगार हासिल करेंगे और आर्थिक रूप से मजबूत होंगे, तभी उनके परिवारों की स्थिति बदलेगी। इसलिए सरकार शिक्षा के क्षेत्र को प्राथमिकता दे रही है। उनका कहना था कि किसी भी समाज का भविष्य उसके बच्चों की शिक्षा और अवसरों पर निर्भर करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु रविदास महाराज वाणी अध्ययन केंद्र के माध्यम से बच्चों और युवाओं को उनकी वाणी तथा शिक्षाओं को समझने का अवसर मिलेगा। केंद्र के जरिए गुरु रविदास महाराज के विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि गुरु रविदास महाराज ने जात-पात, भेदभाव और सामाजिक असमानता के खिलाफ आवाज उठाई थी। उनकी शिक्षाएं आज भी समाज को समानता, भाईचारे और सामाजिक न्याय का मार्ग दिखाती हैं। इन विचारों को अपनाकर समाज में आपसी सद्भाव और समरसता को मजबूत किया जा सकता है।

भगवंत मान ने कहा कि पंजाब सभी वर्गों और समुदायों की साझा धरती है। यहां के लोगों ने हमेशा मेहनत, एकता और भाईचारे को महत्व दिया है। उन्होंने कहा कि पंजाब की मिट्टी पर नफरत का बीज कभी नहीं पनप सकता। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के कठिन दौर को याद करते हुए कहा कि पंजाब ने आतंकवाद का दौर भी देखा है। इस दौरान हिंसा और आतंक के बावजूद लोगों के बीच आपसी प्रेम और भाईचारा खत्म नहीं हुआ।

नई सुबह, नई उम्मीद और नए लक्ष्य के साथ सोमवार देता है जीवन को सकारात्मक दिशा

मनोरंजन साहु
सामाजिक विचारक

सोमवार सप्ताह का पहला कार्यदिवस होने के साथ-साथ नई शुरुआत और नई ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। रविवार की छुट्टी के बाद जब सोमवार आता है तो अधिकांश लोग अपने नियमित कार्यों, जिम्मेदारियों और लक्ष्यों की ओर दोबारा लौटते हैं। कई लोगों के लिए सोमवार व्यस्तता और काम के दबाव की शुरुआत लेकर आता है, लेकिन यदि इसे सकारात्मक दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह अपने जीवन को नई दिशा देने और अधूरे कार्यों को पूरा करने का अच्छा अवसर भी बन सकता है। सप्ताह का पहला दिन व्यक्ति को यह सोचने का अवसर देता है कि आने वाले दिनों में उसे क्या हासिल करना है और अपने समय का बेहतर उपयोग किस प्रकार किया जा सकता है।

भारतीय परंपरा में सोमवार का विशेष धार्मिक महत्व भी है। भगवान शिव को सोमवार का दिन समर्पित माना जाता है। देश के अनेक हिस्सों में श्रद्धालु सोमवार को भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हैं और मंदिरों में जाकर जलाभिषेक करते हैं। सावन के महीने में सोमवार का महत्व और भी बढ़ जाता है। इस दिन शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ दिखाई देती है। लोग अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति, परिवार की सुख-शांति और जीवन में सकारात्मकता के लिए भगवान शिव की आराधना करते हैं। हालांकि धार्मिक आस्था व्यक्तिगत विश्वास का विषय है, लेकिन पूजा और ध्यान जैसी गतिविधियां व्यक्ति को मानसिक शांति तथा आत्मअनुशासन प्रदान कर सकती हैं।

सोमवार हमें समय के महत्व का भी एहसास कराता है। सप्ताह का प्रत्येक दिन सीमित समय लेकर आता है और बीता हुआ समय वापस नहीं लौटता। इसलिए सोमवार को सप्ताह की योजना बनाने के लिए उपयोगी दिन माना जा सकता है। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई का कार्यक्रम निर्धारित कर सकते हैं, कर्मचारी अपने जरूरी कार्यों की सूची बना सकते हैं और व्यापारी अपने पूरे सप्ताह की प्राथमिकताएं तय कर सकते हैं। यदि सप्ताह की शुरुआत व्यवस्थित तरीके से की जाए तो काम का दबाव कम महसूस होता है और लक्ष्य प्राप्त करने की संभावना बढ़ जाती है।

आज के समय में बहुत से लोग सोमवार को लेकर तनाव महसूस करते हैं। रविवार की छुट्टी के बाद अचानक काम की दिनचर्या में लौटना कई लोगों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इसे सामान्य बनाने के लिए सोमवार की शुरुआत जल्दबाजी के बजाय संतुलित तरीके से करनी चाहिए। सुबह पर्याप्त समय पर उठना, कुछ समय व्यायाम करना, पौष्टिक नाश्ता करना और दिन के जरूरी कार्यों को प्राथमिकता देना मन को व्यवस्थित रखने में मदद कर सकता है। हर काम को एक साथ पूरा करने की कोशिश करने के बजाय महत्वपूर्ण कार्य पहले करना अधिक प्रभावी तरीका है।

विद्यार्थियों के लिए सोमवार विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो सकता है। सप्ताह की शुरुआत में पढ़ाई की योजना बनाकर वे परीक्षा के समय होने वाले अनावश्यक दबाव को कम कर सकते हैं। पढ़ाई के साथ आराम, खेल और मनोरंजन के लिए भी समय निर्धारित करना आवश्यक है। केवल लंबे समय तक पढ़ना ही सफलता की गारंटी नहीं है, बल्कि नियमितता, एकाग्रता और सही योजना अधिक महत्वपूर्ण होती है। सोमवार को सप्ताह के अध्ययन लक्ष्य निर्धारित करने से विद्यार्थियों में अनुशासन की भावना विकसित हो सकती है।

कामकाजी लोगों के लिए सोमवार नई प्राथमिकताएं निर्धारित करने का अवसर है। कार्यालय में सप्ताह की शुरुआत बैठकों और कार्यों की लंबी सूची से हो सकती है, लेकिन तनाव लेने के बजाय कार्यों को छोटे हिस्सों में बांटकर पूरा किया जा सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

दोस्ती के नाम पर नशे का दबाव युवाओं के भविष्य के लिए बन सकता है सबसे बड़ा खतरा

डॉ. राज कुमारी
साइकोलॉजिस्ट

नशा करने वाले दोस्त केवल आपकी खुशियां ही नहीं छीनते, बल्कि आपके सपनों, भविष्य और व्यक्तित्व को भी धीरे-धीरे अंधकार की ओर ले जाते हैं। नशा व्यक्ति, परिवार और पूरे समाज को भीतर से खोखला कर देता है। यह केवल एक बुरी आदत नहीं, बल्कि ऐसा सामाजिक संकट है जिस पर गंभीर चिंतन, मनन, शोध और व्यापक जनजागरूकता की आवश्यकता है। विशेष रूप से युवाओं को यह समझना होगा कि जीवन में सही संगति का चुनाव ही उनके उज्ज्वल भविष्य की सबसे बड़ी नींव है।

सबसे पहला और सबसे प्रभावी कदम है कि स्वयं को नशे के माहौल से दूर रखा जाए। यदि आपके आसपास ऐसे लोग हैं जो बार-बार नशा करने के लिए दबाव बनाते हैं, तो समझदारी इसी में है कि उस स्थान और ऐसी संगति को तुरंत छोड़ दें। किसी भी क्षणिक दोस्ती या दिखावे के लिए अपने स्वास्थ्य, चरित्र और भविष्य को जोखिम में डालना कभी भी उचित निर्णय नहीं हो सकता। सच्ची समझदारी वही है जो समय रहते गलत रास्ते से स्वयं को दूर कर ले। यदि कोई मित्र आपको नशा करने के लिए बार-बार कहता है और आपको असहज महसूस होता है, तो बिना झिझक स्पष्ट रूप से मना करें। यदि आवश्यक हो तो कोई ठोस कारण भी बता सकते हैं, जैसे-'मेरे माता-पिता मेरा इंतजार कर रहे हैं', 'मुझे घर जाना है' या 'मैं अपनी सेहत कभी खराब नहीं करना चाहता।' यह याद रखना चाहिए कि अपने स्वास्थ्य और जीवन की रक्षा करना किसी भी दोस्ती से अधिक महत्वपूर्ण है। अपने निर्णय पर दृढ़ रहना ही आत्मविश्वास की पहचान है।

युवाओं को असली और नकली दोस्त के बीच का अंतर भी समझना चाहिए। जो मित्र स्वयं नशा करते हैं और आपको भी उसी रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं, वे आपके शुभचिंतक नहीं हो सकते। ऐसे लोग केवल अपनी गलत आदतों को सामान्य साबित करने के लिए दूसरों को भी अपने साथ जोड़ना चाहते हैं। इसके विपरीत, सच्चे मित्र वही होते हैं जो आपकी सेहत, शिक्षा, सफलता और तरक्की की चिंता करते हैं। वे आपके निर्णयों का सम्मान करते हैं और कभी भी आपको किसी गलत काम के लिए मजबूर नहीं करते। यदि नशा करने वाले मित्र बार-बार इस विषय पर बात शुरू करें, तो बातचीत का रुख बदल देना भी एक अच्छा उपाय है। हर चर्चा में शामिल होना आवश्यक नहीं होता। कई बार विषय बदलकर या वहां से हटकर आप स्वयं को अनावश्यक दबाव से बचा सकते हैं। जो व्यक्ति आपकी इच्छा और सम्मान की परवाह नहीं करता, वह सच्चा मित्र कहलाने योग्य नहीं है। किसी भी रिश्ते की सबसे बड़ी पहचान आपसी सम्मान और विश्वास होता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि नशा करने वालों को स्पष्ट और आत्मविश्वास के साथ 'ना' कहना सीखें। बिना किसी डर या संकोच के कहे-'मैं नशा नहीं करता', 'मुझे नशे में कोई रुचि नहीं है' या 'मैं अपने भविष्य से समझौता नहीं कर सकता।' आपका यह स्पष्ट निर्णय सामने वाले को भी यह संदेश देता है कि आपके सिद्धांत अटल हैं और आप किसी भी दबाव में आने वाले नहीं हैं। युवाओं के जीवन का यह सबसे महत्वपूर्ण सबक है कि वे साथियों के दबाव में आकर कोई गलत निर्णय न लें। अनेक युवा अपनी इच्छा से नहीं, बल्कि दोस्तों के बार-बार उकसाने, मजाक उड़ाने या दबाव बनाने के कारण नशा शुरू कर देते हैं।

नशा कभी भी सफलता, आत्मविश्वास या आधुनिकता की पहचान नहीं हो सकता। वास्तविक सफलता स्वस्थ शरीर, स्वच्छ विचार, अच्छे संस्कार और सही मित्रों के साथ आगे बढ़ने में है। हर युवा को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह स्वयं नशे से दूर रहेगा और ऐसी संगति का चयन करेगा जो उसके जीवन को उज्ज्वल, सुरक्षित और सफल बनाए।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

संपादकीय

हिमालय संरक्षण की जरूरत

हिमालय केवल भारत की भौगोलिक सीमा का हिस्सा नहीं है बल्कि यह देश की जलवायु पर्यावरण अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक जीवन का महत्वपूर्ण आधार है। हिमालय की ऊंची पर्वत श्रृंखलाएं करोड़ों लोगों के लिए जल का स्रोत हैं। गंगा यमुना सतलुज अलकनंदा भागीरथी और अनेक नदियों का उद्गम हिमालयी क्षेत्र से होता है। यही कारण है कि हिमालय को भारत का प्राकृतिक जल भंडार भी कहा जाता है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में जलवायु परिवर्तन अनियोजित निर्माण बढ़ता पर्यटन जंगलों की कटाई सड़क निर्माण खनन और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन के कारण हिमालयी क्षेत्र पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। इसके परिणामस्वरूप भूस्खलन बाढ़ बादल फटना ग्लेशियरों का पिघलना और जलस्रोतों का सूखना जैसी घटनाएं गंभीर चिंता का विषय बन गई हैं।

हिमालय का पर्यावरण अत्यंत संवेदनशील है। यहां की भौगोलिक परिस्थितियां मैदानी क्षेत्रों से बिल्कुल अलग हैं। ऊंचाई अधिक होने के कारण यहां की मिट्टी और चट्टानों की संरचना कई स्थानों पर कमजोर है। ऐसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य प्राकृतिक संतुलन को प्रभावित कर सकते हैं। पहाड़ों को काटकर चौड़ी सड़कें बनाना सुरंगों का निर्माण करना और बिना पर्याप्त वैज्ञानिक अध्ययन के भवन खड़े करना कई बार आपदाओं का खतरा बढ़ा देता है। बरसात के दौरान कमजोर ढलानों पर भूस्खलन होने से सड़कें बंद हो जाती हैं और कई गांवों का संपर्क टूट जाता है। कई बार जनहानि के साथ-साथ करोड़ों रुपये की संपत्ति भी नष्ट हो जाती है।

जलवायु परिवर्तन ने हिमालयी संकट को और गंभीर बना दिया है। तापमान में वृद्धि के कारण हिमालय के अनेक ग्लेशियर तेजी से प्रभावित हो रहे हैं। ग्लेशियरों के पिघलने से भविष्य में जल उपलब्धता पर असर पड़ सकता है। शुरुआत में अधिक मात्रा में पिघला पानी नदियों के बहाव को बढ़ा सकता है लेकिन लंबे समय में ग्लेशियरों के कमजोर होने से जलस्रोतों पर दबाव बढ़ने की आशंका है। हिमालयी झीलों का विस्तार भी चिंता का विषय है। यदि किसी ग्लेशियर झील की प्राकृतिक दीवार टूटती है तो अचानक बड़ी मात्रा में पानी नीचे की ओर आ सकता है जिससे विनाशकारी बाढ़ की स्थिति पैदा हो सकती है।

हिमालय को बचाने के लिए जंगलों का संरक्षण सबसे जरूरी कदमों में से एक है। पहाड़ी जंगल मिट्टी को बांधकर रखते हैं और वर्षा के पानी को धीरे-धीरे जमीन में पहुंचाने में मदद करते हैं। इससे जलस्रोतों का पुनर्भरण होता है और अचानक आने वाली बाढ़ का खतरा कम होता है। जंगलों के समाप्त होने से मिट्टी का कटाव बढ़ता है और पहाड़ी ढलान कमजोर होने लगते हैं। इसलिए बड़े पैमाने पर पेड़ लगाने के साथ-साथ पुराने प्राकृतिक जंगलों की रक्षा करना आवश्यक है। केवल पौधारोपण अभियान चलाना पर्याप्त नहीं होगा बल्कि लगाए गए पौधों के संरक्षण और स्थानीय वनस्पतियों को बढ़ावा देने पर भी ध्यान देना होगा।

हिमालयी क्षेत्रों में पर्यटन स्थानीय लोगों की आय का महत्वपूर्ण साधन है। धार्मिक और प्राकृतिक पर्यटन के कारण हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग उत्तराखंड हिमाचल प्रदेश जम्मू-कश्मीर और अन्य हिमालयी क्षेत्रों में पहुंचते हैं। पर्यटन से रोजगार और व्यापार को बढ़ावा मिलता है लेकिन अत्यधिक और अनियोजित पर्यटन पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। प्लास्टिक कचरा जलस्रोतों में गंदगी वाहनों की बढ़ती संख्या और अत्यधिक निर्माण से पहाड़ों पर दबाव बढ़ता है। इसलिए पर्यटन को रोकना समाधान नहीं है बल्कि पर्यावरण के अनुकूल पर्यटन व्यवस्था विकसित करना जरूरी है। संवेदनशील क्षेत्रों में पर्यटकों की संख्या नियंत्रित की जा सकती है और कचरा प्रबंधन की मजबूत व्यवस्था बनाई जानी चाहिए।

हिमालयी नदियों पर जलविद्युत परियोजनाओं का भी विशेष महत्व है। देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में जलविद्युत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है लेकिन परियोजनाओं का निर्माण करते समय स्थानीय पर्यावरण और भूगर्भीय परिस्थितियों का वैज्ञानिक मूल्यांकन होना चाहिए। हर नदी और हर घाटी की अपनी प्राकृतिक क्षमता और सीमाएं होती हैं। इसलिए किसी भी परियोजना को केवल आर्थिक लाभ के आधार पर मंजूरी नहीं दी जानी चाहिए। पर्यावरणीय प्रभाव का निष्पक्ष अध्ययन और स्थानीय समुदायों की भागीदारी आवश्यक है।

हिमालय की सुरक्षा में स्थानीय लोगों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। पहाड़ों में रहने वाले समुदाय सदियों से प्राकृतिक संसाधनों के साथ संतुलित जीवन जीते आए हैं। उनके पारंपरिक ज्ञान में जल संरक्षण जंगलों की देखभाल खेती और प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के अनेक उपाय मौजूद हैं। विकास योजनाओं में स्थानीय लोगों की राय को महत्व दिया जाना चाहिए। उन्हें केवल प्रभावित व्यक्ति के रूप में नहीं बल्कि हिमालय के संरक्षण के साझेदार के रूप में देखा जाना चाहिए। स्थानीय युवाओं को पर्यावरण संरक्षण आपदा प्रबंधन और सतत पर्यटन से जोड़कर रोजगार के नए अवसर भी पैदा किए जा सकते हैं। जल संरक्षण भी हिमालय बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कई पहाड़ी क्षेत्रों में पारंपरिक जलस्रोत धीरे-धीरे सूख रहे हैं।

-शिवांश धाकड़

उड़ूं तो बाज हो जाऊं

ग़ज़ल

आशा देवी, जोगिंद्रनगर, जिला मंडी

छुपा लो तुम कहीं दिल में कि गहरा राज हो जाऊं,
सुनाऊं जो पसंद अब आपकी आवाज हो जाऊं।
कहा कब है सुना कब है सदाएं आ के गुजरी हैं,
करूं मैं फख्र तुम पर या तुम्हारा नाज हो जाऊं।
लुटा के जिंदगी तन्हा मिला न प्यार बदले में,
गया है बीत कल तेरा मगर मैं आज हो जाऊं।
मुहब्बत भी मिली उनको सदा जो दिल से खाली थे
बनो नगमा जो गाऊं मैं सुरीला साज हो जाऊं।
सहा है खूब तूने दर्द रोई आंख है जानम,
लगूं जख्मों में मरहम सी दवा हमराज हो जाऊं।
रहा दुश्मन जमाना तो मुहब्बत का सदा हमदम,
गुमां बनना सनम मेरे मैं तेरी लाज हो जाऊं।
बनो तुम आसमां मेरा भरूं परवाज पंखों की,
कहे 'आशा' जो थामों तुम उड़ूं तो बाज हो जाऊं।

मंदिरों में बढ़ती चोरी की घटनाएं और श्रद्धा की रक्षा की चुनौती

डॉ. प्रियंका सौरभ
सामाजिक विचारक

भारत की सांस्कृतिक पहचान केवल उसके इतिहास, भाषाओं और परंपराओं से नहीं, बल्कि उन मंदिरों से भी निर्मित होती है जो सदियों से समाज को नैतिकता, सहअस्तित्व और सामुदायिक एकता का संदेश देते आए हैं। मंदिर केवल पूजा-अर्चना के स्थान नहीं, बल्कि विश्वास, संस्कृति और सामाजिक जीवन के केंद्र हैं। इसलिए जब किसी मंदिर में चोरी होती है, तो उसका प्रभाव केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं रहता, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और सामाजिक विश्वास पर भी गहरा आघात पहुंचता है।

हाल के वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों से मंदिरों में दानपेटियां तोड़ने, नकदी और आभूषण चोरी करने तथा प्राचीन मूर्तियों की तस्करी जैसी घटनाएं लगातार सामने आई हैं। कई मामलों में आधुनिक तकनीक और अंदरूनी मिलीभगत की आशंका भी सामने आई। यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि धार्मिक संस्थाओं की सुरक्षा और समाज के नैतिक मूल्यों पर गंभीर प्रश्नचिन्ह है। जिस स्थान को सबसे सुरक्षित माना जाता है, यदि वही अपराधियों का आसान लक्ष्य बन जाए, तो यह पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है।

मंदिरों में चोरी सामान्य संपत्ति अपराध नहीं है। श्रद्धालु अपनी श्रद्धा और सेवा-भाव से दान करते हैं। उनका विश्वास होता है कि यह धन धर्मार्थ कार्यों और मंदिर व्यवस्था में उपयोग होगा। जब वही धन चोरी हो जाता है, तो दानपेटी ही नहीं, श्रद्धालुओं का विश्वास भी टूटता है। यही कारण है कि ऐसी घटनाएं सामान्य चोरी की तुलना में कहीं अधिक भावनात्मक प्रतिक्रिया उत्पन्न करती हैं। इन घटनाओं के पीछे कई कारण हैं। अधिकांश मंदिरों में आज भी बड़ी मात्रा में नकद दान आता है, लेकिन उसकी सुरक्षित गणना, भंडारण और बैंक में जमा करने की वैज्ञानिक व्यवस्था नहीं होती। कई स्थानों पर दानपेटियां लंबे समय तक नहीं खोली जातीं, जिससे अपराधियों के लिए अवसर बढ़ जाता है। इसके साथ ही अधिकांश छोटे और मध्यम मंदिरों में सीसीटीवी कैमरे, अलार्म सिस्टम, प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मी और नियमित निगरानी जैसी व्यवस्थाएं भी पर्याप्त नहीं हैं। कई जगह प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी के कारण अंदरूनी गड़बड़ियों की संभावना भी बनी रहती है। बेरोजगारी, नशे की लत, त्वरित धन कमाने की मानसिकता और नैतिक मूल्यों का ह्रास भी अपराध को बढ़ावा देते हैं। वहीं प्राचीन मूर्तियों और धार्मिक कलाकृतियों की अंतरराष्ट्रीय तस्करी ने संगठित गिरोहों को सक्रिय बनाया है। मंदिर में चोरी का सबसे बड़ा प्रभाव श्रद्धालुओं की भावनाओं पर पड़ता है। इससे दान देने में हिचक, मंदिर प्रबंधन पर अविश्वास और सामाजिक तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

समाधान केवल पुलिस कार्रवाई तक सीमित नहीं होना चाहिए। मंदिरों के लिए न्यूनतम सुरक्षा मानक निर्धारित किए जाएं। बड़े मंदिरों में आधुनिक निगरानी प्रणाली, नियंत्रित प्रवेश, प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मी और डिजिटल प्रबंधन अनिवार्य हों, जबकि छोटे मंदिरों में स्थानीय पुलिस, ग्राम समितियों और नागरिकों के सहयोग से प्रभावी सुरक्षा तंत्र विकसित किया जाए। सीसीटीवी, क्लाउड रिकॉर्डिंग, स्मार्ट लॉक, अलार्म सिस्टम और बायोमेट्रिक व्यवस्था जैसी तकनीक सुरक्षा को मजबूत बना सकती है। दानपेटियों की पारदर्शी गणना, वीडियो रिकॉर्डिंग और बैंक में तत्काल जमा की व्यवस्था भी आवश्यक है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

तिरंगे के सम्मान से ही मजबूत होगी देश की एकता अखंडता और राष्ट्रभक्ति की भावना

सुखदेव सिंह
नूरपुर, जिला कांगड़ा

सदियों की गुलामी उपरांत भारत को आजादी ऐसे ही नहीं मिली है। इस स्वतंत्रता को पाने के लिए हमारे देश के महान क्रांतिकारियों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया है। भारत का इतिहास क्या रहा, इस बाबत अधिकांश युवा पीढ़ी अनजान है। कहते हैं जिस देश की युवा पीढ़ी अपना इतिहास भूल जाती है, वहां भूगोल भी स्मरण रखना मुश्किल बन जाता है। इतिहास के पन्नों में भारतीय इतिहास की झलक भी धुंधली है। शिक्षण संस्थानों में एकतरफा इतिहास छात्रों को पढ़ाए जाने से देश की एकता और अखंडता बरकरार रखना बड़ी चुनौती है। आज की पीढ़ी इतिहास, सभ्यता, संस्कृति और नैतिक मूल्यों से दूर होती जा रही है। स्मार्ट मोबाइल फोन की बढ़ती लत से युवाओं में नैतिक मूल्यों का पतन हो रहा है। समाज, परिवार, देश और धर्म के प्रति लगाव युवाओं को अवश्य रखना चाहिए।

देश को आजाद हुए 80 वर्ष बीत चुके हैं, इसलिए केंद्र सरकार ने इस अमृत महोत्सव को मनाने का अभियान छेड़ा, जो सराहनीय है। भारत सहित विदेशों में आजादी महोत्सव मनाए जाने की तैयारियां चल रही हैं। दुबई स्थित विश्व की गगनचुंबी इमारत बुर्ज खलीफा में तिरंगा झंडा फहराने से करोड़ों भारतीयों का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। यूएई में करीब 35 लाख से अधिक भारतीय रहते हैं।

यूएई सरकार सामाजिक समरसता में विश्वास रखते हुए भारतीय तिरंगे झंडे का सम्मान किए जाना नहीं भूलती है। आजादी महोत्सव की बेला पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा तिरंगा यात्राएं निकलना, तिरंगा समारोह, सामूहिक वंदे मातरम् गायन और हर घर तिरंगा फहराने का शुरू किया अभियान सराहनीय है। हिमाचल प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ता अपने नेताओं की अगुवाई में जिला स्तर पर तिरंगा यात्राएं निकालकर लोगों को अपने घरों में तिरंगा झंडा फहराने के लिए प्रेरित कर रही है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य देशवासियों में एकता, सद्भाव और भाईचारे की भावना कायम रखना है। झंडा किसी भी देश का हो, उसका सम्मान किया जाना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

देशों में आपसी संबंध खराब जरूर हो सकते हैं, मगर झंडे का अपमान किए जाने से सदैव गुरेज किया जाना चाहिए। भारतीय झंडे का अपमान यूरोप देशों में रहने वाले कुछेक लोग करके सोशल मीडिया में वायरल करने से करोड़ों लोगों की भावनाएं आहत होती हैं। भारतीय लोकतंत्र का मूल आधार एकता और अखंडता को बनाए रखना है। धर्मनिरपेक्षता लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषताओं में एक है। भारत में सभी धर्मों के लोग रहते हैं, इसलिए उनमें आपसी एकता बरकरार रखने सहित देश प्रेम की भावना भी कायम रखना जरूरी बन जाता है।

आजादी महोत्सव पर हर घर में तिरंगा झंडा फहराना प्रत्येक भारतीय का दायित्व बनता है। मगर इसके साथ तिरंगे झंडे के सम्मान में कोई कोताही न बरती जाए, इसलिए भी सजगता बरतनी चाहिए। अक्सर देखने में आता है कि कुछेक लोग स्वतंत्रता और गणतंत्र दिवस के मौके पर ही तिरंगे झंडे का सम्मान करते हैं, ऐसा नहीं होना चाहिए। स्कूल, कॉलेजों में इन दिनों देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम आयोजित किए जाते थे, जो अब कम होते जा रहे हैं। देशभक्ति और राष्ट्रवाद की भावना युवाओं में जागृत करना आज बहुत जरूरी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

सिंहों की सुरक्षा से मजबूत होगा जंगल का पारिस्थितिक संतुलन और वन्यजीव संरक्षण

डा. अतुल कुमार
स्वतंत्र लेखक

विश्व सिंह दिवस हर वर्ष 10 अगस्त को मनाया जाता है। यह दिवस दुनिया के सबसे प्रभावशाली वन्यजीवों में शामिल सिंहों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर है। सिंह केवल जंगल के राजा के रूप में प्रसिद्ध जीव नहीं हैं, बल्कि वे प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी उपस्थिति स्वस्थ वन्यजीव तंत्र और समृद्ध जैव विविधता का संकेत मानी जाती है। इसलिए सिंहों का संरक्षण केवल एक प्रजाति को बचाने का प्रयास नहीं, बल्कि प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण की व्यापक जिम्मेदारी है।

सिंहों का इतिहास मानव सभ्यता के साथ बहुत पुराना रहा है। प्राचीन काल से ही सिंहों को शक्ति, साहस, नेतृत्व और गौरव का प्रतीक माना जाता रहा है। भारत में सिंह का विशेष सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व है। भारतीय परंपरा में सिंह को वीरता और सामर्थ्य से जोड़ा गया है। देश के राष्ट्रीय प्रतीक में भी सिंहों की आकृति दिखाई देती है। इससे स्पष्ट होता है कि सिंह हमारे लिए केवल वन्यजीव नहीं, बल्कि राष्ट्रीय पहचान और सांस्कृतिक विरासत का भी महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

हालांकि बदलते समय के साथ सिंहों के सामने कई चुनौतियां खड़ी हुई हैं। प्राकृतिक जंगलों का लगातार कम होना, मानव बस्तियों का विस्तार, जंगलों में बढ़ती गतिविधियां और प्राकृतिक आवासों का विखंडन वन्यजीवों के जीवन को प्रभावित कर रहे हैं। जब जंगल छोटे होते हैं तो सिंहों के लिए पर्याप्त क्षेत्र, भोजन और पानी की उपलब्धता प्रभावित होती है। इसके कारण कई बार मानव और वन्यजीवों के बीच संघर्ष की स्थिति पैदा हो जाती है। ऐसी परिस्थितियां सिंहों और स्थानीय समुदायों दोनों के लिए चुनौतीपूर्ण होती हैं।

सिंहों के संरक्षण के लिए सबसे जरूरी है कि उनके प्राकृतिक आवास सुरक्षित रहें। जंगलों को केवल पेड़-पौधों का समूह समझना उचित नहीं है। जंगल हजारों जीव-जंतुओं का घर होते हैं और प्रत्येक प्रजाति का अपना महत्व होता है। सिंह खाद्य श्रृंखला में ऊपरी स्तर पर रहने वाले प्रमुख शिकारी हैं। वे शाकाहारी वन्यजीवों की संख्या को संतुलित रखने में भूमिका निभाते हैं। यदि किसी पारिस्थितिकी तंत्र से प्रमुख शिकारी समाप्त हो जाएं तो प्राकृतिक संतुलन प्रभावित हो सकता है। इसलिए सिंहों का संरक्षण पूरे पर्यावरणीय तंत्र की सुरक्षा से जुड़ा विषय है।

भारत में एशियाई सिंहों का संरक्षण विशेष महत्व रखता है। एशियाई सिंह मुख्य रूप से गुजरात के गिर और उसके आसपास के क्षेत्रों में पाए जाते हैं। इनके संरक्षण के लिए लंबे समय से विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। संरक्षण कार्यक्रमों, वन्यजीव अभयारण्यों, निगरानी व्यवस्था और स्थानीय स्तर पर जागरूकता के माध्यम से सिंहों की संख्या तथा उनके आवास को सुरक्षित रखने का प्रयास किया जाता है। यह संरक्षण प्रयास केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं है। स्थानीय लोगों, पर्यावरण संगठनों, शोधकर्ताओं और आम नागरिकों की भागीदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

सिंह संरक्षण में स्थानीय समुदायों की भूमिका बेहद अहम है। जिन क्षेत्रों के आसपास वन्यजीव रहते हैं, वहां रहने वाले लोगों का वन्यजीवों के साथ सीधा संबंध होता है। यदि स्थानीय लोगों को संरक्षण से होने वाले लाभ और वन्यजीवों के महत्व की जानकारी मिले तो मानव और सिंह के बीच संघर्ष को कम किया जा सकता है। पशुधन की सुरक्षा, उचित मुआवजा व्यवस्था, जागरूकता कार्यक्रम और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने जैसे कदम स्थानीय लोगों के विश्वास को मजबूत कर सकते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

मनोरंजन जगत में शब्बीर का जलवा

शब्बीर अहलूवालिया भारतीय मनोरंजन जगत के चर्चित अभिनेता और प्रस्तोता हैं, जिन्होंने टेलीविजन की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है।

शब्बीर अहलूवालिया
जन्म : 10 अगस्त 1979

अपने सहज अभिनय, आकर्षक व्यक्तित्व और विभिन्न प्रकार की भूमिकाओं को निभाने की क्षमता के कारण उन्होंने दर्शकों के बीच खास जगह बनाई। उनका जन्म **10 अगस्त 1979** को मुंबई, महाराष्ट्र में हुआ था। अभिनय के साथ-साथ उन्हें कार्यक्रमों की मेजबानी और मनोरंजन से जुड़े अन्य कार्यों में भी देखा गया है।

शब्बीर ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत टेलीविजन से की और शुरुआती दौर में कई लोकप्रिय धारावाहिकों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। उन्होंने ऐसे किरदारों को पर्दे पर जीवंत किया जिनमें भावनाओं, पारिवारिक रिश्तों और संघर्षों के अलग-अलग रंग दिखाई दिए। उनकी अभिनय शैली में सहजता और संवाद अदायगी की स्पष्टता दर्शकों को प्रभावित करती रही है। धीरे-धीरे उन्होंने टेलीविजन उद्योग में अपनी मजबूत पहचान स्थापित कर ली।

शब्बीर अहलूवालिया को विशेष लोकप्रियता धारावाहिक कुमकुम भाग्य में अभि की भूमिका से मिली। इस किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। अभि के रूप में उनका रोमांटिक, भावुक और पारिवारिक व्यक्तित्व दर्शकों को काफी पसंद आया। लंबे समय तक इस धारावाहिक का हिस्सा रहने के कारण उनका नाम टेलीविजन के लोकप्रिय अभिनेताओं में शामिल हो गया। उन्होंने अपने किरदार में कई भावनात्मक उतार-चढ़ाव को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

अभिनय के अलावा शब्बीर ने कई मनोरंजन कार्यक्रमों में प्रस्तोता के रूप में भी काम किया है। उनकी संवाद शैली और मंच पर आत्मविश्वास ने उन्हें इस क्षेत्र में भी पहचान दिलाई। उन्होंने रियलिटी कार्यक्रमों और विभिन्न टेलीविजन आयोजनों में अपनी प्रस्तुति से दर्शकों का मनोरंजन किया। शब्बीर अहलूवालिया का करियर केवल एक ही प्रकार की भूमिका तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने समय-समय पर अलग-अलग चरित्र निभाकर अपनी अभिनय क्षमता का प्रदर्शन किया।

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज़ ब्रीफ

काकोरी कांड के शताब्दी वर्ष कार्यक्रम में याद किये गये महानायक मुकुंदी लाल गुप्ता

एजेंसी, औरैया। काकोरी कांड की शताब्दी वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर समाजसेवी संगठन एक विचित्र पहल सेवा समिति की ओर से रविवार को शहीद पार्क में कार्यक्रम आयोजित किया गया। समिति पदाधिकारियों और सदस्यों ने क्रांतिकारी भारतवीर मुकुंदी लाल गुप्ता के स्मारक की साफ-सफाई कर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम के जयघोष से वातावरण गूंज उठा। इसके बाद 'यादगार काकोरी कांड' विषय पर गोष्ठी हुई। अध्यक्ष राजीव पोरवाल ने कहा कि नौ अगस्त 1925 को क्रांतिकारियों ने काकोरी के पास ब्रिटिश सरकार का खजाना लूटकर स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी थी। संस्थापक आनंद नाथ गुप्ता ने काकोरी कांड के इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मुकुंदी लाल गुप्ता ने ट्रेन में रखे खजाने के बक्सों के ताले तोड़ने में अहम भूमिका निभाई थी। वक्ताओं ने स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को सदैव याद रखने का आह्वान किया।

गंगापुल पर दो अलग-अलग घटनाओं में युवक और महिला ने गंगा में लगाई छलांग

एजेंसी, कानपुर। जाजमऊ गंगापुल पर रविवार सुबह करीब आधे घंटे के अंतराल में युवक और महिला ने गंगा में छलांग लगा दी। दोनों घटनाओं में पुल के नीचे मौजूद नाविकों ने तत्परता दिखाते हुए गंगा में उतरकर दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। पहली घटना में टेनरीकर्मी अशोक कुमार ने नशे की हालत में गंगा में छलांग लगाई। पूछताछ में उसने काम को लेकर परेशान होने की बात कही। इसके कुछ देर बाद पश्चिमी सेनपारा निवासी ममता ने भी गंगा में छलांग लगा दी। उन्होंने पति पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया और लंबे समय से मानसिक परेशानी की बात कही। पुलिस ने दोनों का चिकित्सकीय परीक्षण कराया और परिजनों के सुपुर्द कर दिया। नाविकों ने प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग की।

दालमंडी मार्ग चौड़ीकरण का भूमिपूजन, तीन महीने में नई सड़क बनाने का लक्ष्य

एजेंसी, वाराणसी। धार्मिक नगरी वाराणसी में बहुप्रतीक्षित दालमंडी मार्ग चौड़ीकरण परियोजना के तहत रविवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमिपूजन कर निर्माण कार्य शुरू किया गया। शहर दक्षिणी के विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी ने चौक छोर पर विधिवत पूजन-अर्चन के बाद सड़क निर्माण का शुभारंभ किया। परियोजना को अगले तीन महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार चौड़ीकरण के लिए चिह्नित सभी 187 भवनों का ध्वस्तीकरण पूरा हो चुका है। फिलहाल मलबा हटाकर निर्माण के लिए भूमि तैयार की जा रही है। करीब 650 मीटर लंबे मार्ग को 60 फीट चौड़ा किया जाएगा। दोनों ओर पाथवे, बैठने की व्यवस्था, हरियाली और भगवान शिव की थीम आधारित सजावट प्रस्तावित है। परियोजना की अनुमानित लागत करीब 221 करोड़ रुपए है।

रोडवेज बस की टक्कर से टेंपो सवार दो लोगों की मौत, पांच घायल

एजेंसी, एटा। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में जैथरा थाना क्षेत्र के एटा-अलीगंज मार्ग पर रविवार को रोडवेज बस और टेंपो की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में टेंपो सवार दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार बेवर डिपो की रोडवेज बस अलीगंज से एटा की ओर आ रही थी। पारोली सुहागपुर गांव के पास बस की सवारियों से भरे टेंपो से सीधी टक्कर हो गई। टेंपो में सात लोग सवार थे। हादसे के बाद स्थानीय पुलिस ने घायलों को जैथरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से गंभीर हालत में सभी को एटा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। उपचार के दौरान चिकित्सकों ने गौतम सिंह और सुक्का को मृत घोषित कर दिया। घायलों में सुदामा, कृष्णा, रेखा, नंदकिशोर और चंद्रपाल शामिल हैं। पुलिस ने यातायात सुचारु कराकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी।

रालोद के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह 13 अगस्त को आएंगे लखनऊ

टीसीएस में 11 वर्षों का अनुभव, अमेरिका के मिनियापोलिस में भी कार्य कर चुके हैं नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष

एजेंसी, लखनऊ

राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी द्वारा बस्ती राजघराने से ताल्लुक रखने वाले ऐश्वर्य राज सिंह को उत्तर प्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद उनके प्रथम लखनऊ आगमन को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह और हर्ष का माहौल है। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह 13 अगस्त को प्रातः 10 बजे वंदे भारत ट्रेन से लखनऊ पहुंचेंगे। इसके बाद लगभग 11 बजे वह राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश कार्यालय पहुंचेंगे, जहां पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की ओर से उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया जाएगा।

चारबाग रेलवे स्टेशन से प्रदेश कार्यालय तक पहुंचने के मार्ग में भी कई स्थानों पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत की तैयारियां की गई हैं। चारबाग से लेकर प्रदेश कार्यालय तक विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ता और पदाधिकारी उनका स्वागत एवं अभिनंदन करेंगे। उनके प्रथम लखनऊ आगमन को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह है और जगह-जगह स्वागत कार्यक्रम आयोजित किए जाने की तैयारियां की गई हैं।

स्वागत कार्यक्रम के बाद लगभग 12 बजे पार्टी कार्यालय में प्रदेश के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से ऐश्वर्य राज सिंह का औपचारिक परिचय कराया जाएगा। इसके साथ ही दोपहर 12 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। इसमें नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मीडिया के प्रतिनिधियों से रूबरू होंगे और संगठन, अपनी प्राथमिकताओं तथा प्रदेश में पार्टी की आगामी रणनीति को लेकर संवाद करेंगे।

इस संबंध में राष्ट्रीय लोक दल व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने बताया कि ऐश्वर्य राज सिंह के प्रथम लखनऊ आगमन को लेकर पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह है। उनके स्वागत के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल होंगे।

तकनीकी और सामाजिक क्षेत्र का व्यापक अनुभव

ऐश्वर्य राज सिंह ने टीसीएस के साथ 11 वर्षों तक कार्य किया है। अपने कार्यकाल के दौरान वह दो वर्ष अमेरिका के मिनियापोलिस में भी कार्यरत रहे। उनकी माता आशिमा सिंह आईआरटीएस 1978 बैच की अधिकारी रही हैं और लखनऊ की डीआरएम के पद पर भी कार्य कर चुकी हैं। इस पृष्ठभूमि के चलते ऐश्वर्य राज सिंह को प्रशासनिक और प्रबंधन संबंधी अनुभव भी प्राप्त हुआ है।

ऐश्वर्य राज सिंह सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय रहे हैं। उन्होंने बस्ती में आरएलएस सेवा एनजीओ के माध्यम से किसान सशक्तीकरण, राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं तथा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले चिकित्सा शिविरों के माध्यम से सामाजिक कार्यों में योगदान दिया है।

मवैया के आशीष ने रचा इतिहास, अंडर 20 विश्व चैंपियनशिप में जीता रजत

एजेंसी, मीरजापुर

74.09 मीटर भाला फेंककर आशीष ने विश्व चैंपियनशिप में रचा इतिहास।

उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जनपद के कोन विकासखंड स्थित मवैया गांव निवासी 19 वर्षीय जैवलिन थ्रोअर आशीष यादव ने अंडर-20 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर देश और जिले का नाम रोशन किया है। आशीष ने पुरुषों की जैवलिन थ्रो स्पर्धा में 74.09 मीटर भाला फेंककर दूसरा स्थान हासिल किया। चैंपियनशिप के तीसरे दिन शनिवार को आयोजित फाइनल मुकाबले में आशीष ने अपने तीसरे प्रयास में 74.09 मीटर का शानदार थ्रो किया।

यह प्रदर्शन उन्हें रजत पदक दिलाने के लिए पर्याप्त रहा। इसी स्पर्धा में भारत के दूसरे खिलाड़ी टी. धरणीधरन 72.35 मीटर के प्रदर्शन के साथ छठे स्थान पर रहे। आशीष की उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि वह नीरज चोपड़ा के बाद अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप की जैवलिन थ्रो स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय बने हैं। आशीष ने खेल की शुरुआत गांव के पास स्थित चिकवा मैदान से की। 11 अप्रैल 2007 को जन्मे आशीष ने घरेलू प्रतियोगिताओं में उत्तर प्रदेश और आर्मी का प्रतिनिधित्व करते हुए लगातार बेहतर प्रदर्शन किया। मार्च 2026 में पटियाला में इंडियन ओपन थ्रो प्रतियोगिता में उन्होंने अंडर-20 वर्ग का खिताब जीता और 74.49 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इसके अलावा लुधियाना और तुमकुर की प्रतियोगिताओं में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया।

आशीष की सफलता से मवैया गांव में खुशी का माहौल है। पिता अजय यादव, माता गुड्डी देवी और चाची मुन्नी देवी समेत ग्रामीण 12 अगस्त को उनके गांव लौटने का इंतजार कर रहे हैं। ग्रामीणों ने भव्य स्वागत की तैयारी शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने कहा कि आशीष की उपलब्धि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उसके स्वागत को लेकर गांव में उत्साह है और युवा खेलों में आगे बढ़ने को प्रेरित हुए हैं।

महाकाल रेस्टोरेंट पर छापा, 10 किलो गांजा बरामद

एजेंसी, बस्ती

कांवड़ियों को गांजा बेचने का आरोप, नामित सभासद पुलिस के हत्थे चढ़ा।

उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में हरैया पुलिस ने रविवार को नगर पंचायत हरैया के नामित सभासद और महाकाल रेस्टोरेंट के मालिक शनि कुमार उर्फ रवि को 10 किलोग्राम अवैध गांजे और 1,200 रुपये नकद के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने यह कार्रवाई हरैया मनोरमा नदी पुल के पास रोडवेज बस स्टॉप क्षेत्र में की।

पुलिस के अनुसार, टीम संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि रेस्टोरेंट मालिक कांवड़ियों और राहगीरों को गांजा बेच रहा है। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तड़के करीब 3:30 बजे रेस्टोरेंट पर छापा मारा। तलाशी के दौरान पांच-पांच किलोग्राम के दो पैकेटों में कुल 10 किलो गांजा और नकदी बरामद हुई।

पुलिस कप्तान यशवीर सिंह ने बताया कि आरोपी अधिक मुनाफे के लिए नेपाल से गांजा लाकर उसकी छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर बेचता था। पूछताछ में उससे गिरोह में शामिल अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी दी है।

रेलवे ट्रैक के किनारे पेड़ से लटका मिला युवक का शव

एजेंसी, कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर जनपद के चकेरी थाना क्षेत्र स्थित अहिरवां गांव में रविवार को रेलवे ट्रैक किनारे पेड़ से करीब 30 वर्षीय युवक का शव लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सुबह ग्रामीणों ने पेड़ पर शव देखा तो तत्काल पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच शुरू की। पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाकर आसपास के क्षेत्र की छानबीन की। ग्रामीणों और स्थानीय लोगों से पूछताछ की गई, लेकिन युवक की पहचान नहीं हो सकी। शव के पास ऐसा कोई दस्तावेज भी नहीं मिला, जिससे उसकी तत्काल पहचान की जा सके। पुलिस ने मृतक की पहचान कराने के लिए आसपास के थानों से संपर्क किया है और विभिन्न माध्यमों से जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवक अहिरवां गांव में कब और कैसे पहुंचा। साथ ही उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी भी जांच की जा रही है।

वाराणसी: नमो घाट से 'हर घर तिरंगा हर घाट तिरंगा' अभियान की हुई शुरुआत

एजेंसी, वाराणसी

देश की आजादी की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर वाराणसी में राष्ट्रभक्ति के साथ स्वच्छता और जल संरक्षण का संदेश भी जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। जल शक्ति मंत्रालय और राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की ओर से 09 से 15 अगस्त तक आयोजित 'हर घर तिरंगा, हर घाट तिरंगा' अभियान का शुभारंभ रविवार को नमामि गंगे ने नमो घाट से किया।

अभियान के दौरान लोगों को राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना के साथ स्वच्छता के लिए जागरूक किया गया। नमो घाट का आध्यात्मिक परिसर 'हर दिल तिरंगा, हर मन तिरंगा, हर मकसद तिरंगा, हर सपना तिरंगा' के जयकारों से गूंज उठा। राष्ट्रध्वज लेकर मौजूद लोगों ने स्वच्छता बनाए रखने और गंगा को निर्मल रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के संयोजक गंगासेवक राजेश शुक्ला ने बताया कि 'हर घर तिरंगा, हर घाट तिरंगा' अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को अपने घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित करना है। अभियान के माध्यम से देशभक्ति के साथ राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान को बढ़ावा दिया जाएगा। आयोजकों ने कहा कि अभियान स्वच्छता और जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

आठ महीने बाद शीतला धाम घाट पहुंची गंगा, हजारों भक्तों ने लगाई डुबकी

एजेंसी, मीरजापुर

सावन के दूसरे रविवार शीतला माता मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब, हजारों श्रद्धालुओं ने किए दर्शन।

सावन के दूसरे रविवार को चुनार क्षेत्र के अदलपुरा स्थित बड़ी शीतला माता मंदिर में हजारों श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे। श्रद्धालुओं ने गंगा में स्नान कर मां शीतला के दरबार में मत्था टेका और सुख-समृद्धि की कामना की। करीब आठ महीने बाद गंगा का प्रवाह शीतला धाम घाट की ओर पहुंचने से भक्तों में विशेष उत्साह नजर आया।

सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। गंगा स्नान के बाद भक्त कतारबद्ध होकर मंदिर पहुंचे। मां के जयकारों से पूरा परिसर गूंजता रहा। श्रद्धालुओं ने गर्भगृह में पहुंचकर मां के चरणों में शीश नवाया और आशीर्वाद लिया। महिला श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में कढ़ाई चढ़ाई और पुड़ी, हलुआ, गुलगुला सहित विभिन्न पकवान बनाकर मां को भोग अर्पित किया। भक्त नारियल, चुनरी, लाचीदाना, लड्डू, पेड़ा और अन्य प्रसाद लेकर पहुंचे। मंदिर के पुजारियों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कराई। पूरे दिन मंदिर और शीतला धाम घाट पर धार्मिक उत्साह बना रहा। मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं।

मंदिर परिसर में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती के साथ सफाई व्यवस्था का भी विशेष ध्यान रखा गया। दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने परिवार के साथ मां शीतला की पूजा-अर्चना की और प्रसाद चढ़ाया। गंगा घाट पर स्नान के दौरान भी श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। महिलाओं और बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

महामाया मंगला काली मंदिर परिसर में हुआ वृहद पौधारोपण

एजेंसी, औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में पर्यावरण संरक्षण और धार्मिक स्थलों को हराभरा बनाने के उद्देश्य से समाजसेवी संगठन एक विचित्र पहल सेवा समिति की ओर से रविवार को जीवनधारा पौधारोपण अभियान चलाया गया। अभियान के तहत शहर से करीब पांच किलोमीटर दूर दक्षिण दिशा में बीहड़ क्षेत्र स्थित महामाया मंगला काली मंदिर परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। पौधों की देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी मंदिर के सेवादारों को सौंपी गई। समिति अध्यक्ष राजीव पोरवाल रानू के नेतृत्व में सुबह सात बजे आयोजित अभियान में चांदनी, हरसिंगार, कदम, गुड़हल, पीपल, पकड़िया, बरगद, अशोक, बेलपत्र, चितवन, बोतल पाम, अमरूद और नींबू सहित कई प्रजातियों के पौधे लगाए गए। पदाधिकारियों ने पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण पर विशेष जोर दिया।

पौधारोपण के बाद पर्यावरण संरक्षण विषय पर गोष्ठी हुई। समिति संस्थापक आनंद नाथ गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि पौधों का लालन-पालन नन्हे बच्चों की तरह किया जाना चाहिए। पेड़-पौधे मानव जीवन के साथ पशु-पक्षियों के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इनसे प्राणवायु, औषधियां, भोजन और जीव-जंतुओं को आश्रय मिलता है। उन्होंने बताया कि समिति के निर्धारित लक्ष्य के तहत अब तक 2945 पौधों का पौधारोपण और वितरण किया जा चुका है। लक्ष्य पूरा होने तक अभियान जारी रहेगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। अभियान में समिति पदाधिकारियों, पर्यावरण प्रेमियों और स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी ने पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।

नाबालिग से दुष्कर्म व हत्या का आरोपित 50 हजार का इनामी मोनू एनकाउंटर में ढेर

एजेंसी, बुलंदशहर

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में रविवार तड़के पुलिस मुठभेड़ में 50 हजार रुपये का इनामी बदमाश मोनू मारा गया। वह ककोड़ थाना क्षेत्र में एक नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में वांछित था। मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से स्वाट टीम के उपनिरीक्षक संदीप कुमार और कांस्टेबल नरेंद्र कुमार घायल हो गए। गुलावठी और सिकंदराबाद थाना प्रभारियों की बुलेटप्रूफ जैकेट में भी गोलियां लगीं।

पुलिस के अनुसार मुठभेड़ गुलावठी थाना क्षेत्र में गांव छपरावत के पास हुई। पुलिस टीम ने संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में मोनू को गोली लगी। अंधेरे का फायदा उठाकर उसका एक साथी मौके से फरार हो गया। उसकी तलाश में पुलिस की कई टीमें क्षेत्र में कांबिंग कर रही हैं। एसएसपी दिनेश कुमार ने बताया कि घायल मोनू को पुलिसकर्मियों की मदद से तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर किया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान मोनू पुत्र राकेश, निवासी फतेहपुर जादौन, थाना चोला, बुलंदशहर के रूप में हुई।

पुलिस के मुताबिक मोनू के खिलाफ एक अगस्त 2026 को ककोड़ थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था और उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। मुठभेड़ स्थल से 32 बोर की पिस्टल, दो मैगजीन, जिंदा व खोखा कारतूस और बिना नंबर प्लेट की स्प्लेंडर बाइक बरामद हुई है। पुलिस फरार साथी की तलाश में जुटी है। फरार साथी की तलाश में पुलिस टीमें लगातार क्षेत्र में कांबिंग कर रही हैं।

शटर पर बैनर लगाकर बैट्री प्रतिष्ठान से 3.30 लाख रुपए ले उड़े चोर

एजेंसी, देवरिया

उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद में कोतवाली रोड स्थित एजीएस बैट्री प्रतिष्ठान में चोरों ने धावा बोलकर करीब 3 लाख 30 हजार रुपये चोरी कर लिए। घटना की जानकारी मिलने के बाद सदर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर चोरों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

जानकारी के अनुसार प्रतिष्ठान के संचालक अंकित गुप्ता पुत्र विनोद, निवासी संकट मोचन गली, भीखमपुर रोड, किसी कार्य से मध्य प्रदेश गए हुए हैं। उनके बाहर रहने के दौरान प्रतिष्ठान की जिम्मेदारी कर्मचारियों के पास थी। रविवार सुबह करीब 9:30 बजे मैनेजर चंदन विश्वकर्मा सोनूघाट स्थित गोदाम की ओर पहुंचे। प्रतिष्ठान के शटर पर बैनर लगा हुआ था। संदेह होने पर उन्होंने जांच की तो अंदर रखी नकदी गायब मिली। इसके बाद चोरी की घटना की जानकारी सामने आई और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही सदर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने प्रतिष्ठान का निरीक्षण कर घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाए। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की गई। पुलिस ने प्रतिष्ठान और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि संदिग्धों की गतिविधियों का पता लगाया जा सके। पुलिस का कहना है कि चोरी की घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों की पहचान करने का प्रयास जारी है।

ठगी

लखीमपुर पुलिस ने मुख्य आरोपित को दबोचा, अन्य साथियों की तलाश जारी

'नागमणि' दिलाने के नाम पर नेपाली नागरिकों से ठगे तीन लाख रुपए

एजेंसी, लखीमपुर खीरी

लखीमपुर खीरी में दुर्लभ 'नागमणि' दिलाने का झांसा देकर नेपाली नागरिकों से लाखों रुपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पढ़ुआ थाना पुलिस ने रविवार सुबह मुख्य आरोपित कमलेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से ठगी के तीन लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। मामले में शामिल अन्य आरोपितों की तलाश में पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं।

पुलिस के अनुसार नेपाल के ललितपुर जिले के निवासी कृष्ण पहरी, गोरखा जिले के अर्जुन और तनु जिले के भक्त बहादुर विक ने शनिवार आठ अगस्त को पढ़ुआ थाने में लिखित शिकायत दी थी। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि निघासन थाना क्षेत्र के हरसिंहपुर निवासी कमलेश कुमार और उसके कुछ साथियों ने उन्हें दुर्लभ नागमणि उपलब्ध कराने का लालच दिया था। आरोपितों ने उन्हें विश्वास में लेकर नागमणि देने के नाम पर लाखों रुपये ले लिए, लेकिन बाद में नागमणि उपलब्ध नहीं कराई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच शुरू की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) और 317(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया। इसके बाद आरोपितों की तलाश शुरू कर दी गई। पुलिस टीम ने तकनीकी जानकारी और अन्य सुरागों के आधार पर आरोपितों तक पहुंचने का प्रयास किया।

पुलिस अधीक्षक खीरी डॉ. ख्याति गर्ग के अनुसार रविवार सुबह करीब 7:47 बजे पुलिस को मुखबिर से कमलेश कुमार के संबंध में सटीक सूचना मिली। सूचना के आधार पर पढ़ुआ थाना पुलिस ने मल्लबेहड़ दुलही पुल के पास घेराबंदी की। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी और आरोपित को वहां से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपित की तलाशी ली।

तलाशी के दौरान उसके पास से तीन लाख रुपये नकद बरामद हुए। पुलिस का दावा है कि यह रकम ठगी की वारदात से संबंधित है। नकदी बरामद होने के बाद पुलिस ने आरोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पूछताछ के दौरान पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि ठगी की रकम कितनी थी और इस पूरे मामले में कितने लोग शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले में कमलेश कुमार के अलावा उसके कुछ अन्य साथी भी शामिल हो सकते हैं।

शिकायत में भी अज्ञात लोगों के संलिप्त होने की बात कही गई है। पुलिस अब फरार साथियों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपितों ने इससे पहले भी किसी अन्य व्यक्ति को नागमणि या किसी दुर्लभ वस्तु का लालच देकर ठगी की है या नहीं।

मामले की जांच के दौरान पुलिस ठगी के तरीके और आरोपितों के संपर्कों की भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गिरफ्तार आरोपित को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी दुर्लभ वस्तु, चमत्कारी पदार्थ या कीमती रत्न दिलाने के नाम पर किए जाने वाले दावों पर आंख मूंदकर विश्वास न करें।

101 लोगों के चेहरे पर लौटी मुस्कान, साइबर पुलिस ने खोज निकाले 25 लाख के मोबाइल

एजेंसी, औरैया

गुम मोबाइल वापस पाकर लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

सीईआईआर पोर्टल से पुलिस ने 101 मोबाइल फोन खोज निकाले

उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में मोबाइल फोन गुम होने के बाद उन्हें वापस पाने की उम्मीद छोड़ चुके 101 लोगों के चेहरे पर रविवार को उस समय खुशी लौट आई, जब साइबर थाना पुलिस ने उनके खोए हुए मोबाइल फोन बरामद कर वास्तविक धारकों को सौंप दिए। पुलिस के अनुसार बरामद किए गए 101 मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत करीब 25 लाख रुपये है।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक और अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी बिधूना/साइबर के पर्यवेक्षण में साइबर थाना पुलिस की टीम लगातार गुम और खोए मोबाइल फोन की तलाश कर रही थी। पुलिस ने तकनीकी संसाधनों और केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल की सहायता से जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से गुम हुए मोबाइल फोन को ट्रेस किया। इसके बाद अलग-अलग स्थानों से इन मोबाइल फोन को बरामद करने में सफलता मिली। रविवार को पुलिस ने बरामद किए गए सभी मोबाइल फोन उनके वास्तविक धारकों को सौंपे।

लंबे समय बाद अपना मोबाइल वापस पाकर लोगों ने पुलिस टीम का आभार जताया। लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई को सराहनीय पहल बताया। पुलिस अधीक्षक ने आमजन से अपील की कि मोबाइल फोन गुम होने पर घबराएं नहीं और तत्काल नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज कराएं। मोबाइल का बिल, आइएमईआइ नंबर, आधार कार्ड अथवा अन्य पहचान पत्र के साथ सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज करने से गुम मोबाइल को ब्लॉक करने और उसके दोबारा इस्तेमाल होने पर उसे ट्रेस करने में मदद मिलती है।

पुलिस ने लोगों से मोबाइल फोन में 'संचार साथी' एप डाउनलोड करने की भी अपील की, ताकि मोबाइल गुम होने की स्थिति में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाया जा सके। पुलिस ने बताया कि मोबाइल गुम होने की शिकायत समय पर दर्ज करने से उसकी बरामदगी की संभावना बढ़ जाती है। सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से मोबाइल को ब्लॉक कर ट्रेस किया जा सकता है। पुलिस की इस पहल से लोगों को आर्थिक नुकसान से राहत मिली और डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूकता भी बढ़ी।

हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक 13 अगस्त को कई अहम प्रस्तावों पर हो सकता है फैसला

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में सभी मंत्री और राज्य मंत्री शामिल होंगे

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा सरकार की मंत्रिपरिषद की महत्वपूर्ण बैठक 13 अगस्त, गुरुवार को आयोजित होगी। बैठक दोपहर तीन बजे हरियाणा सिविल सचिवालय स्थित मुख्य सभा कक्ष में होगी। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में प्रदेश के सभी मंत्री और राज्य मंत्री शामिल होंगे। सामान्य प्रशासन विभाग के मंत्रिमंडल अनुभाग की ओर से 9 अगस्त को बैठक का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है।

बैठक को लेकर सभी संबंधित विभागों और अधिकारियों को सूचना भेज दी गई है। प्रशासनिक सचिवों के अलावा विधि परामर्शी, सूचना, लोक संपर्क एवं भाषा विभाग के निदेशक तथा पुलिस के सीआईडी महानिरीक्षक को भी बैठक के संबंध में अवगत कराया गया है। इससे संकेत मिलता है कि बैठक में

विभिन्न विभागों से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा हो सकती है।

हालांकि, मंत्रिमंडल बैठक में रखे जाने वाले प्रस्तावों और एजेंडे की विस्तृत जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। ऐसे में किन मुद्दों पर अंतिम निर्णय होगा, इसे लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। माना जा रहा है कि सरकार की ओर से कई प्रशासनिक और नीतिगत मामलों को बैठक में चर्चा के लिए रखा जा सकता है।

मंत्रिमंडल की बैठक में सामान्य तौर पर विभागों से संबंधित प्रस्तावों, नीतिगत बदलावों, प्रशासनिक निर्णयों और जनहित से जुड़े मामलों पर विचार किया जाता है। ऐसे में इस बार भी विभिन्न विभागों के लंबित प्रस्तावों पर चर्चा होने की संभावना है। सरकार की प्राथमिकताओं से जुड़े कुछ मामलों पर निर्णय लिए जाने की उम्मीद भी जताई जा रही है। बैठक के लिए अधिकारियों को आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिए गए हैं। संबंधित विभाग अपने प्रस्तावों और उनसे जुड़े दस्तावेजों को अंतिम रूप देने में जुट सकते हैं।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल के सदस्य प्रस्तावों पर चर्चा करेंगे और आवश्यकता के अनुसार उन्हें मंजूरी दी जा सकती है। सरकार की ओर से बैठक का कार्यक्रम जारी होने के बाद अब निगाहें इसके एजेंडे पर टिकी हैं। एजेंडा सार्वजनिक होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि किन विभागों और किन नीतिगत विषयों से जुड़े प्रस्तावों पर मंत्रिमंडल विचार करेगा। 13 अगस्त को होने वाली बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि मंत्रिमंडल के निर्णयों का सीधा असर प्रशासनिक व्यवस्था और विभिन्न सरकारी योजनाओं पर पड़ सकता है।

कांवड़ यात्रा के दौरान बिगड़ी तबीयत झज्जर के कांवड़िये राजेंद्र की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत

कांवड़ यात्रा के दौरान एक श्रद्धालु की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। मृतक की पहचान झज्जर जिले के गांव खातीवास निवासी राजेंद्र के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह पिछले करीब 25 वर्षों से लगातार कांवड़ यात्रा करते आ रहे थे। हर वर्ष वह भगवान शिव को जल चढ़ाने के लिए कांवड़ लेकर जाते थे।

जानकारी के अनुसार, कांवड़ यात्रा के दौरान राजेंद्र की तबीयत आनंदपुर झरोठ गांव के पास अचानक बिगड़ गई। आसपास मौजूद लोगों और साथी श्रद्धालुओं ने उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही कांवड़ यात्रा में शामिल अन्य श्रद्धालुओं में शोक की लहर दौड़ गई। राजेंद्र के भाई के अनुसार, वह लंबे समय से बिना किसी रुकावट के कांवड़ यात्रा में शामिल होते रहे थे। धार्मिक आस्था के चलते हर साल वह कांवड़ लेकर यात्रा करते थे। इस बार भी वह यात्रा पर निकले थे, लेकिन रास्ते में अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई और उनकी जान चली गई।

घटना की सूचना खरखौदा थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सोनीपत नागरिक अस्पताल भेज दिया है। पुलिस मामले में आवश्यक जांच कर रही है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी। वहीं, राजेंद्र की मौत की खबर से उनके गांव खातीवास में भी शोक का माहौल है। परिजन और ग्रामीण घटना से स्तब्ध हैं। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। घटना के बाद श्रद्धालुओं से यात्रा के दौरान स्वास्थ्य का ध्यान रखने और तबीयत बिगड़ने पर तत्काल चिकित्सकीय सहायता लेने की अपील की गई है।

न्यूज़ ब्रीफ

यमुनानगर में रोडवेज बस की टक्कर से व्यक्ति की मौत, चालक मौके से फरार

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर। हथनीकुंड मोड़ के पास तेज रफ्तार हरियाणा रोडवेज बस की टक्कर से पैदल जा रहे एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे के बाद बस चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के रायपुर गांव निवासी करीब 36 वर्षीय मोहम्मद अफजल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि अफजल कच्चे रास्ते से पैदल जा रहा था। इसी दौरान तेज गति से आ रही रोडवेज बस ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि अफजल गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद फरार बस चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है।

फरीदाबाद के युवक ने बाइक में लगाए 500 हॉर्न, हरिद्वार में कटा पांच हजार का चालान

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। हरिद्वार में कांवड़ यात्रा के दौरान फरीदाबाद के एक युवक की अनोखी बाइक चर्चा में आ गई। युवक ने अपनी बाइक को भारी-भरकम तरीके से सजाकर उसमें करीब 500 हॉर्न लगा रखे थे। बाइक लेकर वह कांवड़ मेले में पहुंचा, जहां तेज आवाज और अजीबोगरीब रूप के कारण लोगों की भीड़ जमा हो गई। कनखल थाना प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र सिंह नेगी के अनुसार, मामला सात अगस्त का है। पुलिसकर्मी शंकराचार्य चौक पर ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान अमन की बाइक चौक के पास पहुंची। बाइक से निकल रही तेज आवाज और उसके अलग रूप को देखकर लोग रुकने लगे। इससे यातायात प्रभावित होने लगा। भीड़ बढ़ती देखकर पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और युवक को रोककर बाइक की जांच की। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर पुलिस ने उसका पांच हजार रुपये का चालान काटा। कार्रवाई के बाद बाइक को छोड़ दिया गया। इस अनोखी बाइक का वीडियो अब सामाजिक माध्यमों पर तेजी से प्रसारित हो रहा है।

कैथल के बर्खास्त हेड कॉन्स्टेबल की अनोखी कांवड़ यात्रा, नौकरी बहाली की लगा रहे गुहार

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल। हरियाणा पुलिस से बर्खास्त कैथल के पूर्व हेड कॉन्स्टेबल सुनील संधू नौकरी बहाली की मांग को लेकर कांवड़ यात्रा पर निकले हैं। हाथ में तिरंगा लेकर यात्रा कर रहे सुनील के साथ उनके गांव के चार-पांच युवक भी शामिल हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान कुछ कांवड़ियों ने उनकी तस्वीर भी लगाई है। सुनील संधू का कहना है कि उन्होंने अपनी नौकरी बहाल कराने के लिए अधिकारियों के सामने अपनी बात रखी, लेकिन नीचे के स्तर पर उनकी सुनवाई नहीं हुई। अब उन्हें ऊपर वाले से न्याय मिलने की उम्मीद है। इसी विश्वास के साथ वह कांवड़ लेकर यात्रा कर रहे हैं। उनकी इस यात्रा को लेकर क्षेत्र में चर्चा है। सुनील का कहना है कि वह अपनी मांग को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से प्रयास कर रहे हैं। यात्रा के दौरान उनके साथ चल रहे युवक भी उनका समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनकी प्रार्थना स्वीकार होगी और उन्हें नौकरी वापस मिल सकेगी।

ट्रोलिंग से नाराज प्रिया रेवाड़ी ने दी चेतावनी बोलीं- बंद नहीं किया तो पीटूंगी

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत। हरियाणवी स्टेज डांसर और सोशल मीडिया प्रभावशाली व्यक्तित्व प्रिया रेवाड़ी एक बार फिर चर्चा में हैं। उन्होंने अपनी पुराना वीडियो को लेकर लगातार हो रही ट्रोलिंग पर नाराजगी जताई है। प्रिया ने कहा कि झज्जर के मोडंदी गांव से जुड़ी पुरानी वीडियो को बार-बार प्रसारित किया जा रहा है। उन्होंने ट्रोलर्स को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि गलत बातें कहकर उन्हें बदनाम करने की कोशिश जारी रही तो वह चुप नहीं बैठेंगी। प्रिया ने यह भी कहा कि जो लोग उन्हें गलत बताते हैं, वे निजी तौर पर उन्हें बुलाकर पैसे खर्च करते हैं। उन्होंने भविष्य में अपने नृत्य में दो नए कदम जोड़ने की बात भी कही।

हिसार में पुलिस मुठभेड़, अर्बन एस्टेट फायरिंग के दो आरोपी पैर में गोली लगने से घायल

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

अर्बन एस्टेट क्षेत्र में हाल ही में हुई फायरिंग के मामले में हिसार पुलिस की सीआईए टीम ने रविवार को बड़ी कार्रवाई की। आरोपितों की तलाश के दौरान सातरोड़ साउथ बाईपास पुल के पास पुलिस टीम और आरोपितों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो आरोपित पैर में गोली लगने से घायल हो गए, जबकि एक अन्य आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया।

मामले को लेकर डीएसपी कमलजीत ने प्रेस वार्ता कर कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सीआईए टीम अर्बन एस्टेट फायरिंग मामले में शामिल आरोपितों की तलाश कर रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने सातरोड़ साउथ बाईपास पुल के पास संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया। आरोप है कि पुलिस को देखते ही आरोपितों

सातरोड़ बाईपास पर मुठभेड़ के बाद दो घायल आरोपी अस्पताल में भर्ती।

ने टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिसकर्मियों ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की। इस दौरान दो आरोपितों के पैर में गोली लगी और वे घायल होकर गिर पड़े।

पुलिस ने दोनों को काबू कर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। घायल आरोपितों की पहचान बिहार के बराह निवासी राहुल उर्फ मुखिया और हिसार के न्यू मॉडल टाउन निवासी अंकित के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके से एक अन्य आरोपित को भी गिरफ्तार किया है।

रेवाड़ी को मिले नए जिला नगर आयुक्त प्रदीप अहलावत, ब्रह्म प्रकाश का तबादला

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी। रेवाड़ी में जिला नगर आयुक्त के पद पर प्रशासनिक बदलाव किया गया है। शनिवार को जारी आदेश के अनुसार निवर्तमान जिला नगर आयुक्त ब्रह्म प्रकाश अहलावत का तबादला यमुनानगर कर दिया गया है। उनके स्थान पर प्रदीप अहलावत को रेवाड़ी का नया जिला नगर आयुक्त नियुक्त किया गया है। ब्रह्म प्रकाश अहलावत के कार्यकाल के दौरान शहर में सफाई व्यवस्था सुधारने, अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई और नगर क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर कई कदम उठाए गए। उनके स्थानांतरण के बाद अब रेवाड़ी की जिम्मेदारी प्रदीप अहलावत को सौंपी गई है। नए जिला नगर आयुक्त के सामने शहर की सफाई व्यवस्था, अतिक्रमण हटाने, विकास कार्यों में तेजी और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने जैसी प्रमुख चुनौतियां रहेंगी।

आरटीई नियम तोड़ने वाले 1107 स्कूलों पर नहीं होगी कार्रवाई, गरीब बच्चों का दाखिला संकट में

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

हरियाणा में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत निजी स्कूलों में दाखिले की उम्मीद लगाए बैठे गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों को एक बार फिर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षा निदेशालय ने आरटीई नियमों का पालन नहीं करने वाले 1107 निजी स्कूलों पर फिलहाल कार्रवाई करने से इनकार कर दिया है। इससे उन बच्चों के दाखिले पर संकट गहरा गया है, जिन्हें निजी स्कूलों में आरटीई के तहत सीटें आवंटित की गई हैं।

मामले में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शिक्षा निदेशालय ने करीब 30 दिन पहले इन स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए थे। अब निदेशालय अपने ही पूर्व आदेशों से पीछे हटता नजर आ रहा है। नए आदेश में कहा गया है कि आरटीई के तहत सीटें प्रदर्शित नहीं

करने वाले निजी स्कूलों के एमआईएस पोर्टल अस्थायी रूप से बंद किए गए हैं। इन पोर्टलों को बाद में दोबारा खोला जा सकता है।

निदेशालय के इस फैसले से आरटीई के तहत दाखिला प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो गए हैं। निजी स्कूलों की ओर से नियमों का पालन नहीं किए जाने के बावजूद उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं होने से गरीब वर्ग के अभिभावकों में नाराजगी है। अभिभावकों का कहना है कि यदि बच्चों को सीट आवंटित होने के बाद भी स्कूलों में प्रवेश नहीं मिलता है तो आरटीई का उद्देश्य ही अधूरा रह जाएगा।

आरटीई के तहत आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के बच्चों को निजी स्कूलों में शिक्षा का अवसर उपलब्ध कराने का प्रावधान है। ऐसे में स्कूलों द्वारा निर्धारित सीटें नहीं दिखाने या दाखिले में बाधा उत्पन्न करने पर कार्रवाई की उम्मीद की जाती है। लेकिन 1107 स्कूलों के मामले में निदेशालय के बदले रुख ने पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सड़क निर्माण में लापरवाही पर सख्त होंगे सीएम सैनी, ठेकेदारों पर होगी कार्रवाई

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा में सड़क निर्माण और मरम्मत कार्यों में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि निर्धारित समय पर सड़क का काम पूरा नहीं करने वाले ठेकेदारों पर जुर्माना लगाया जाए। वहीं, सड़क निर्माण में गुणवत्ता मानकों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के साथ उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जाए।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को 10 प्रमुख विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रदेश में चल रहे सड़क निर्माण और मरम्मत कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को सड़क परियोजनाओं की गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लोगों को बेहतर और सुरक्षित सड़क सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। सीएम सैनी ने 'हमारी सड़क' मोबाइल एप पर दर्ज

खराब सड़क पर पेनल्टी, लापरवाह ठेकेदारों पर एफआईआर और ब्लैकलिस्ट की कार्रवाई होगी।

होने वाली शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि सड़कों पर दिखाई देने वाले गड्ढों को तत्काल भरा जाए। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद उसकी रिपोर्ट अनिवार्य रूप से मोबाइल एप पर अपलोड की जाए, ताकि कार्यों की निगरानी की जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क निर्माण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ठेकेदारों को निर्धारित गुणवत्ता के अनुसार काम करना होगा। यदि किसी सड़क की गुणवत्ता खराब पाई जाती है तो जिम्मेदार ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। समीक्षा बैठक में रेलवे परियोजनाओं और औद्योगिक क्षेत्रों में बनने वाली सड़कों की गुणवत्ता पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इन क्षेत्रों में सड़क निर्माण के दौरान निर्धारित मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सरकार का उद्देश्य सड़क निर्माण कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता और जवाबदेही बढ़ाना है।

अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने और शिकायतों के समाधान में किसी तरह की देरी नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को सड़क निर्माण और मरम्मत कार्यों की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिकायतों का समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित किया जाए और लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए।

गुरुग्राम में गोली नहीं, चाकू से हुई सागर की हत्या, पोस्टमार्टम में खुलासा

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

जिले के फरुखनगर थाना क्षेत्र के कारौला गांव में सागर हत्याकांड की जांच में नया खुलासा हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया है कि 26 वर्षीय सागर की हत्या गोली मारकर नहीं, बल्कि चाकू घोंपकर की गई थी। घटना के बाद परिजनों ने आरोप लगाया था कि हमलावरों ने सागर को दो गोलियां मारी थीं। शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस ने भी प्राथमिकी में गोली चलने का उल्लेख किया था।

गुरुवार शाम सागर बेंगलुरु से नौकरी से छुट्टी लेकर अपने घर लौटा था। इसी दौरान 10 से अधिक आरोपी उसके घर में घुस आए। आरोप है कि हमलावरों ने पहले परिवार के सदस्यों के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की। इसके बाद सागर पर हमला कर उसकी हत्या कर दी गई। सागर के भाई ने पुलिस को बताया था कि आरोपितों ने उसके सामने सागर को दो गोलियां मारी थीं। मामले की जांच आगे बढ़ने पर पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हत्या के तरीके को लेकर स्थिति स्पष्ट हुई। रिपोर्ट में गोली लगने के बजाय चाकू से किए गए वार के कारण मौत

होने की पुष्टि हुई है। वहीं, मामले में पुलिस की प्रारंभिक कार्रवाई और जांच में लापरवाही के आरोप भी सामने आए हैं। गुरुग्राम पुलिस अधिकारियों ने फरुखनगर थाने में तैनात दो पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है।

दूसरी ओर, क्राइम ब्रांच ने हत्याकांड में नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब मामले में हत्या के वास्तविक कारण और घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर घटना में इस्तेमाल हथियार और अन्य साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि हत्या के पीछे पुरानी रंजिश थी या कोई अन्य विवाद। मामले में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

कछुआ दिलाने का झांसा देकर पांच लाख ठगे, पुलिस ने पांच आरोपित दबोचे

भारतेन्दु संवाददाता, महेंद्रगढ़

कछुआ दिलाने के नाम पर पांच लाख रुपये की ठगी के मामले में महेंद्रगढ़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से चार लाख रुपये की नकदी और वारदात में इस्तेमाल की गई दो मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस अब आरोपितों से पूछताछ कर ठगी की पूरी साजिश और इसमें शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक फैजल खान ने बताया कि जेरपुर निवासी राहुल ने 30 जुलाई को पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत के अनुसार दो युवकों ने राहुल के पिता से संपर्क कर उन्हें कछुआ उपलब्ध कराने की बात कही थी। आरोपितों ने कछुए की खरीद-फरोख्त के नाम पर सौदा तय किया और इसके बाद उन्हें सेहलंग रोड पर बुलाया। शिकायतकर्ता के अनुसार बताए स्थान पर पहुंचने के बाद पांच

कछुए के नाम पर ठगी का खेल उजागर, दो बाइक समेत चार लाख बरामद।

लाख रुपये आरोपितों को दिए गए। रकम लेने के बाद आरोपित कछुआ देने की बात कहकर वहां से निकल गए।

इसके बाद जब काफी समय तक वे वापस नहीं लौटे तो पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ। मामले की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि वारदात में केवल दो लोग ही नहीं, बल्कि पांच आरोपित शामिल थे। पुलिस टीम ने तकनीकी जांच और अन्य सुरागों के आधार पर आरोपितों तक पहुंच बनाई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से ठगी की रकम में से चार लाख रुपये बरामद किए हैं। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल की गई दो मोटरसाइकिलें भी जब्त की गई हैं।

पुलिस अब आरोपितों से पूछताछ कर रही है कि उन्होंने इस तरह की वारदात पहले भी की है या नहीं। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध या असामान्य खरीद-फरोख्त के झांसे में आकर बड़ी रकम न दें और लेन-देन से पहले संबंधित व्यक्ति की पूरी जानकारी जरूर जांच लें।

पानीपत जंक्शन पर ट्रेन के इंजन में शॉर्ट सर्किट, धुआं निकलने से मचा हड़कंप

चंडीगढ़ से दिल्ली जा रही ट्रेन के इंजन में आई खराबी, रेलवे टीम ने तुरंत शुरू की तकनीकी जांच

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत

चंडीगढ़ से दिल्ली की ओर नई कोच लेकर जा रही ट्रेन के इंजन में रविवार सुबह अचानक शॉर्ट सर्किट होने से धुआं निकलने लगा। घटना पानीपत जंक्शन के पास हुई। इंजन से धुआं निकलता देखकर लोको पायलट ने तुरंत सतर्कता बरतते हुए रेलवे कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारियों और तकनीकी टीम में हड़कंप मच गया। टीम तत्काल मौके पर पहुंची और इंजन की जांच शुरू की गई। स्थिति को देखते हुए ट्रेन को वहीं रोक दिया गया।

बताया गया कि घटना सुबह करीब आठ बजे हुई। ट्रेन चंडीगढ़ से दिल्ली की तरफ जा रही थी। इसी दौरान पानीपत जंक्शन के पास इंजन में अचानक तकनीकी खराबी आई और उससे धुआं निकलने लगा। लोको पायलट ने समय रहते इसकी जानकारी रेलवे अधिकारियों को दी, जिसके बाद एहतियात के तौर पर ट्रेन को रोक दिया गया। इससे रेलवे स्टेशन और आसपास के क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। रेलवे की तकनीकी टीम ने मौके पर पहुंचकर इंजन की जांच की। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि इंजन के सर्किट में खराबी

के कारण धुआं निकला था। हालांकि, जांच के दौरान किसी बड़ी आग या अन्य गंभीर स्थिति की पुष्टि नहीं हुई। इससे रेलवे अधिकारियों और ट्रेन में मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली।

तकनीकी टीम ने इंजन को ठीक करने का प्रयास किया, लेकिन खराबी गंभीर होने के कारण इंजन फेल हो गया। इसके चलते ट्रेन को करीब डेढ़ घंटे तक पानीपत जंक्शन पर खड़ा रखना पड़ा। इस दौरान रेलवे कर्मचारियों ने लगातार इंजन की स्थिति की निगरानी की और तकनीकी खराबी को दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाए। रेलवे अधिकारियों ने भी स्थिति पर नियंत्रण में रखा और यात्रियों को आवश्यक जानकारी दी।

रेलवे सूत्रों के अनुसार, इंजन में तकनीकी खराबी सामने आने के बाद उसकी विस्तृत जांच की जा रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट किस हिस्से में हुआ और इंजन में खराबी की वास्तविक वजह क्या थी। तकनीकी टीम द्वारा इंजन के विद्युत उपकरणों और अन्य संबंधित हिस्सों की जांच की जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर ट्रेनों में तकनीकी जांच और नियमित रखरखाव की अहमियत को सामने ला दिया है। इंजन में धुआं निकलने के बाद लोको पायलट की सतर्कता और रेलवे कर्मचारियों की त्वरित कार्रवाई से स्थिति गंभीर होने से बच गई। यदि समय पर इंजन की खराबी का पता नहीं चलता तो स्थिति और बिगड़ सकती थी।

घटना के कारण रेलवे परिचालन पर भी असर पड़ा। ट्रेन के निर्धारित समय से रुकने के कारण यात्रियों और रेल कर्मचारियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि, समय रहते समस्या का पता चल जाने के कारण किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए ट्रेन को तब तक आगे नहीं बढ़ाया गया, जब तक इंजन की स्थिति को लेकर तकनीकी टीम संतुष्ट नहीं हुई। करीब डेढ़ घंटे की जांच और आवश्यक प्रक्रिया के बाद परिचालन को सामान्य करने की दिशा में कदम उठाए गए।

मामले की तकनीकी जांच जारी है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए इंजन के संबंधित तकनीकी हिस्सों की जांच और रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। तकनीकी टीम द्वारा तैयार की जा रही रिपोर्ट के बाद खराबी के कारणों का विस्तृत आकलन किया जाएगा। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए रेलवे ने नियमित जांच प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया है।

67,856 प्रतिभागियों ने कराया पंजीकरण नारनौल हाफ मैराथन बना खास आयोजन

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल

ऐतिहासिक नगरी नारनौल में रविवार को सुबह देशभक्ति, खेल भावना और नशामुक्ति के संदेश से सराबोर रही। राज्यस्तरीय हाफ मैराथन में हजारों धावकों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। शहर की सड़कों पर कहीं तिरंगा लहराता दिखाई दिया तो कहीं नशे से दूर रहने का संदेश देती टी-शर्ट पहने युवा दौड़ते नजर आए। आयोजन के दौरान स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और युवाओं को नशे से दूर रखने का संकल्प भी प्रमुखता से सामने आया।

हाफ मैराथन के लिए कुल 67,856 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया था। बड़ी संख्या में प्रतिभागियों के पहुंचने से नारनौल की सड़कों पर उत्सव जैसा माहौल बन गया। बच्चों से लेकर युवाओं और अन्य आयु वर्ग के लोगों ने भी दौड़ में भाग लेकर अपनी भागीदारी दर्ज कराई। धावकों में देशभक्ति और नशामुक्ति को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने धावकों को दौड़ के लिए रवाना किया और स्वयं भी उनके साथ कदम से कदम मिलाकर नांग तिहाड़ी मोड़ तक दौड़े। मुख्यमंत्री ने युवाओं को नशे से दूर रहने तथा खेल और स्वस्थ गतिविधियों को जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। आयोजन के दौरान प्रतिभागियों ने तिरंगा हाथ में लेकर दौड़ लगाई। इससे पूरे मार्ग पर देशभक्ति का माहौल दिखाई दिया। युवाओं की बड़ी भागीदारी ने आयोजन को खास बना दिया। हाफ मैराथन के माध्यम

से लोगों को नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने का प्रयास भी किया गया। आयोजकों के अनुसार, इस तरह के कार्यक्रम युवाओं को खेलों से जोड़ने और समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचाने का प्रभावी माध्यम हैं।

नारनौल में आयोजित हाफ मैराथन ने न केवल खेल भावना को बढ़ावा दिया, बल्कि नशे के खिलाफ सामूहिक संकल्प और देशभक्ति की भावना को भी मजबूत किया। आयोजन में युवाओं के साथ बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। दौड़ के दौरान प्रतिभागियों ने तिरंगा हाथ में लेकर देशभक्ति का संदेश दिया। आयोजकों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ने के साथ नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को स्वस्थ समाज और नशामुक्त हरियाणा के निर्माण में योगदान देने का संकल्प दिलाया गया।

न्यूज ब्रीफ

मेरठ में नशे की लत ने ली पति-पत्नी की जान, दो मासूम बेटियां हुई अनाथ

एजेंसी, नई दिल्ली। मेरठ के उमरनगर गली नंबर-1 में नशे की जानलेवा लत ने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियों को हमेशा के लिए गम में बदल दिया। यहां रहने वाले 28 वर्षीय युवक को लंबे समय से स्मैक पीने की गंभीर लत थी। नशे के कारण घर में अक्सर विवाद और मानसिक तनाव की स्थिति बनी रहती थी। घटना वाले दिन जब परिजनों और पत्नी ने उसे नशा करने से रोकने की कोशिश की, तो आक्रोशित होकर उसने खौफनाक कदम उठा लिया। गुस्से में आकर युवक ने खुद पर ज्वलनशील पदार्थ छिड़ककर आत्मदाह कर लिया। उसे बचाने के प्रयास में उसकी पत्नी भी आग में बुरी तरह झुलस गई। इलाज के दौरान दोनों की दर्दनाक मौत हो गई। इस भीषण हादसे के बाद दो मासूम बेटियों के सिर से माता-पिता का साया हमेशा के लिए उठ गया और वे अनाथ हो गई। इस हृदयविदारक घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। हर प्रकार का नशा स्वास्थ्य, परिवार और समाज के लिए अत्यंत घातक साबित होता है। युवाओं की रगों में दौड़ता यह जानलेवा नशा परिवारों की खुशियों को तबाह कर रहा है, जिससे बचे सिर्फ आंसू।

आगरा में नकली पनीर का बड़ा खेल! 10 करोड़ का कारोबार, 70% सैंपल फेल

एजेंसी, नई दिल्ली। आगरा में एनालॉग पनीर का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। इसका सालाना कारोबार करीब 10 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जबकि शहर में रोजाना करीब 150 क्विंटल पनीर की खपत होती है। खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच में लिए गए करीब 70 प्रतिशत नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे। जांच में कुछ नमूनों में दूध के प्रोटीन की जगह पाम ऑयल, वनस्पति और अन्य वसा आधारित सामग्री का इस्तेमाल पाया गया। एनालॉग पनीर देखने में सामान्य पनीर जैसा ही लगता है, इसलिए आम ग्राहक के लिए इसकी पहचान करना आसान नहीं है। यदि पनीर का स्वाद दूध जैसा नहीं है, बनावट असामान्य है या उसमें जरूरत से ज्यादा रिचयाव महसूस होता है तो सावधान रहने की जरूरत है। हालांकि केवल स्वाद या बनावट के आधार पर पनीर को नकली साबित नहीं किया जा सकता। ऐसे पनीर में दूध से मिलने वाले प्रोटीन की जगह फैट की मात्रा अधिक हो सकती है। इसे सोयाबीन, पामोलीन ऑयल या वनस्पति जैसी सामग्री से तैयार किया जा सकता है। पनीर खरीदते समय पैकेट पर लिखी सामग्री, निर्माण और समाप्ति तिथि जरूर जांचें। संदिग्ध उत्पाद से बचें। किसी पनीर की वास्तविक शुद्धता की पुष्टि के लिए प्रयोगशाला जांच सबसे विश्वसनीय तरीका है।

प्रयागराज: पुरवा खास में महिला ने कुएं में कूदकर दी जान, दो मासूम बच्चे अनाथ

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रयागराज के औद्योगिक थाना क्षेत्र स्थित पुरवा खास गांव में रविवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां एक महिला ने अपने दो मासूम बच्चों को अकेला छोड़कर गांव के कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली। सुबह घटना की जानकारी मिलते ही पूरे गांव में हड़कंप मच गया और स्थानीय लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने राहत-बचाव कार्य शुरू किया। लगभग ढाई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड कर्मियों ने महिला के शव को कुएं से बाहर निकाला। मृतका का पति मुंबई में रहकर नौकरी करता है। घर पर महिला अपने दोनों छोटे बच्चों के साथ रहती थी। इस अचानक उठाए गए खौफनाक कदम से गांव के लोग हैरान हैं कि आखिर ऐसी क्या वजह थी, जिसके चलते महिला ने अपने मासूम बच्चों के भविष्य की परवाह किए बिना जान दे दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के पीछे के कारणों और पारिवारिक विवाद की संभावनाओं की गहनता से पड़ताल की जा रही है।

दिल्ली सरकार पर 22 हजार करोड़ के चावल घोटाले की योजना का आरोप, सौरभ भारद्वाज का बड़ा दावा

31 हजार मीट्रिक टन चावल की खरीद पर सवाल, आप ने उठाया 22 हजार करोड़ का मुद्दा

एजेंसी, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली की भाजपा सरकार पर करीब 22 हजार करोड़ रुपये के चावल घोटाले की योजना बनाने का गंभीर आरोप लगाया है। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने चावल खरीद से जुड़े प्रस्ताव को लेकर सरकार पर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की जांच की मांग की है। आप के अनुसार, दिल्ली सरकार की ओर से तीन साल तक हर सप्ताह करीब 31 हजार मीट्रिक टन चावल खरीदने की योजना बनाई गई थी।

यह चावल केंद्र सरकार के भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के गोदामों से करीब 23 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से खरीदा जाना था। पार्टी का दावा है कि इतनी बड़ी मात्रा में चावल की खरीद और उससे जुड़े खर्च को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि प्रस्तावित खरीद व्यवस्था के जरिए सरकारी खजाने पर हजारों करोड़ रुपये का बोझ पड़ सकता था। आप ने इस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाते हुए सरकार से जवाब मांगा है। पार्टी का कहना है कि चावल खरीद की मात्रा, कीमत और तीन साल की अवधि को देखते हुए यह मामला बेहद गंभीर है। आप नेताओं ने सवाल उठाया कि जब केंद्र सरकार के एफसीआई गोदामों में चावल उपलब्ध है, तो उसकी खरीद के लिए इतनी बड़ी योजना क्यों बनाई गई।

पार्टी ने यह भी पूछा कि चावल की इतनी बड़ी मात्रा की आवश्यकता किस योजना के तहत

तय की गई और इसके पीछे वास्तविक उद्देश्य क्या था। आम आदमी पार्टी का आरोप है कि इस प्रस्ताव से जुड़े वित्तीय पहलुओं की सार्वजनिक रूप से स्पष्ट जानकारी सामने आनी चाहिए।

पार्टी ने सरकार से खरीद की पूरी प्रक्रिया, संबंधित फाइलों और अधिकारियों की भूमिका स्पष्ट करने की मांग की है। वहीं, इन आरोपों पर सरकार का पक्ष सामने आना अभी बाकी है। ऐसे में 22 हजार करोड़ रुपये के कथित चावल घोटाले का आरोप फिलहाल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का विषय है। पूरे मामले में वास्तविक स्थिति संबंधित दस्तावेजों और सरकारी स्पष्टीकरण के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की अभेद किलेबंदी, 20 हजार जवान संभालेंगे सुरक्षा

एजेंसी, नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर दिल्ली के लाल किले और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को बेहद मजबूत कर दिया गया है। समारोह को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए करीब 20 हजार सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। सुरक्षा एजेंसियां किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क हैं। लाल किले के आसपास चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है।

आने-जाने वाले लोगों और वाहनों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। संदिग्ध गतिविधियों की पहचान के लिए आधुनिक तकनीक का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। सुरक्षा व्यवस्था में दिल्ली पुलिस के साथ केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के जवान भी शामिल हैं। लाल किले के आसपास ऊंची इमारतों पर सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। इलाके में निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरों और अन्य सुरक्षा उपकरणों की मदद ली जा रही है। संदिग्ध वस्तुओं और गतिविधियों की जांच के लिए विशेष टीमों को भी सक्रिय किया गया है। समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करेंगे। इसे देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां हर स्तर पर तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटी हैं। लाल किले की ओर जाने वाले प्रमुख मार्गों पर भी सुरक्षा जांच बढ़ाई गई है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे सुरक्षा जांच में सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की सूचना तुरंत सुरक्षाकर्मियों को दें।

विरासत की ओर लौटेगी नई पीढ़ी, फतेहपुर में सजेगा गोयनका संगम का भव्य मंच

एजेंसी, नई दिल्ली

देश-विदेश के महानगरों में बसे गोयनका समुदाय की नई पीढ़ी को अपनी मातृभूमि, प्राचीन सांस्कृतिक परंपराओं, इतिहास और पारिवारिक विरासत से जोड़ने के उद्देश्य से राजस्थान के फतेहपुर शेखावाटी में इस वर्ष भी गोयनका संगम का आयोजन किया जाएगा। श्री शक्ति गोयनका ट्रस्ट, कोलकाता के तत्वावधान में पांच दिवसीय यह आयोजन 7 से 11 सितंबर 2026 तक होगा। संगम में भारत और दुनिया के विभिन्न हिस्सों से गोयनका समुदाय के करीब छह सौ लोग परिवार सहित शामिल होंगे।

गोयनका समुदाय के लोग भाद्रपद अमावस्या के अवसर पर फतेहपुर शेखावाटी स्थित अपने प्राचीन मंदिर श्री बीरा बरजी मंदिर में कुलदेवी बीरा बरजी दादी जी के दर्शन करते हैं। इस दौरान पूर्वजों की स्मृति में धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं तथा परिवार की सुख-समृद्धि और नई पीढ़ी की खुशहाली की कामना की जाती है।

संगम के दौरान मारवाड़ी समाज से जुड़ी धार्मिक परंपराओं, रीति-रिवाजों, खान-पान, पहनावे और सांस्कृतिक विरासत से युवा पीढ़ी को परिचित कराया जाएगा। आयोजकों का उद्देश्य नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और पारिवारिक पहचान से भावनात्मक रूप से जोड़ना है।

श्री शक्ति गोयनका ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी सुशील कुमार गोयनका ने बताया कि 10 सितंबर को व्यापार, समाजसेवा, कला, विज्ञान, खेल, शिक्षा, साहित्य और स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले गोयनका समुदाय के लोगों को सम्मानित किया जाएगा। पुरस्कार समारोह में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा मुख्य अतिथि होंगे, जबकि शहरी विकास, आवासन एवं स्थानीय निकाय राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार झाबर सिंह खर्रा अध्यक्षता करेंगे। सांसद, विधायक और अन्य जनप्रतिनिधि भी कार्यक्रम में शामिल होंगे।

नोएडा एयरपोर्ट के पास घर का सपना होगा पूरा, यीडा लाएगा 40 से 300 वर्गमीटर के प्लॉट

एजेंसी, नई दिल्ली

एयरपोर्ट के पास प्लॉट, यीडा की नई स्कीम

नोएडा एयरपोर्ट के पास घर बनाने का सपना देख रहे लोगों के लिए जल्द ही बड़ा मौका आने वाला है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) नवरात्र के दौरान एक साथ दो नई आवासीय प्लॉट योजनाएं लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। इन योजनाओं के जरिए आम जनता के साथ-साथ श्रमिकों को भी घर बनाने के लिए प्लॉट उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रस्तावित योजनाओं में 40 वर्गमीटर से लेकर 300 वर्गमीटर तक के आवासीय प्लॉट शामिल होंगे। यीडा की इस पहल से एयरपोर्ट के आसपास तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र में लोगों को आवासीय भूखंड हासिल करने का अवसर मिलेगा।

नोएडा एयरपोर्ट के शुरू होने के बाद इस क्षेत्र में आवासीय और व्यावसायिक गतिविधियों के बढ़ने की उम्मीद है। योजना के तहत अलग-अलग श्रेणियों के आवेदकों के लिए प्लॉट निर्धारित किए जाएंगे। आम जनता के लिए एक योजना होगी, जबकि दूसरी योजना श्रमिकों को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है। इससे मध्यम वर्ग और श्रमिक वर्ग के लोगों को भी विकसित हो रहे एयरपोर्ट क्षेत्र में अपना घर बनाने का अवसर मिल सकेगा। यीडा की ओर से दोनों योजनाओं को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। योजना के तहत प्लॉट के आकार, स्थान, आवेदन प्रक्रिया और अन्य नियमों की जानकारी आधिकारिक घोषणा के बाद सामने आएगी। इच्छुक आवेदकों को योजना जारी होने के बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन करना होगा। नोएडा एयरपोर्ट के नजदीक आवासीय प्लॉट की यह योजनाएं क्षेत्र में बढ़ती मांग को देखते हुए महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। एयरपोर्ट, एक्सप्रेसवे और प्रस्तावित विकास परियोजनाओं के चलते यमुना क्षेत्र में लगातार नए निवेश और आवासीय गतिविधियां बढ़ रही हैं।

रेल यात्रियों को बड़ी सौगात, चित्रकूट से प्रतापगढ़ और लखनऊ तक सीधी ट्रेन सेवा

एजेंसी, नई दिल्ली

बुंदेलखंड और अवध क्षेत्र के लाखों रेल यात्रियों, तीर्थयात्रियों और नौकरीपेशा लोगों के लिए भारतीय रेलवे ने बड़ी सौगात दी है। अब भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट से मां बेल्हा देवी की पवित्र नगरी प्रतापगढ़ और उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ तक सीधी रेल सेवा उपलब्ध होगी। यात्रियों को कानपुर पहुंचकर ट्रेन बदलने की परेशानी से भी राहत मिलेगी। रेल मंत्रालय ने कानपुर-चित्रकूट और कानपुर-प्रतापगढ़ के बीच चलने वाली दो अलग-अलग एक्सप्रेस ट्रेनों के विलय को मंजूरी दे दी है।

दोनों ट्रेनों को मिलाकर अब 'मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़-चित्रकूटधाम कर्वी एक्सप्रेस' के नाम से नई संयुक्त ट्रेन सेवा शुरू की गई है। इस फैसले से चित्रकूट, प्रतापगढ़ और लखनऊ के बीच सीधा रेल संपर्क मजबूत होगा। नई व्यवस्था के तहत चित्रकूटधाम कर्वी से यात्रा करने वाले यात्री बिना ट्रेन बदले प्रतापगढ़ और आगे लखनऊ तक पहुंच सकेंगे। इसी तरह प्रतापगढ़ और आसपास के क्षेत्रों से चित्रकूट जाने वाले यात्रियों को भी बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। इससे विशेष रूप से चित्रकूट आने वाले श्रद्धालुओं और प्रतापगढ़ स्थित धार्मिक स्थलों की यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों को काफी सुविधा होगी।

रेलवे के इस फैसले से रास्ते में आने वाले दर्जनों कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों के यात्रियों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है। लंबे समय से यात्री चित्रकूट और प्रतापगढ़ के बीच सीधी ट्रेन सेवा की मांग कर रहे थे। अब दो ट्रेनों के विलय से उनकी यह मांग पूरी हो गई है। नई ट्रेन सेवा में कोचों की संख्या भी बढ़ाई गई है। बताया गया है कि पहले की तुलना में अब ट्रेन में करीब दोगुने कोच होंगे। इससे यात्रियों की क्षमता बढ़ेगी और त्योहारों, धार्मिक आयोजनों तथा छुट्टियों के दौरान होने वाली भीड़ को संभालने में मदद मिलेगी।

43 किलोमीटर नंगे पैर चलेंगे शिवभक्त आगरा में मिलेगी अमरनाथ जैसी सेवा

एजेंसी, नई दिल्ली

आगरा में श्रावण मास के दूसरे रविवार से ऐतिहासिक नगर परिक्रमा शुरू होगी। करीब 43 किलोमीटर लंबी इस परिक्रमा में लाखों शिवभक्त नंगे पैर चलकर शहर के चारों प्राचीन शिवालयों के दर्शन करेंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा और सेवा के लिए इस बार परिक्रमा मार्ग पर अमरनाथ यात्रा जैसी व्यवस्थाएं करने की तैयारी की गई है। परिक्रमार्थियों की सेवा के लिए जगह-जगह भंडारे लगाए जाएंगे। इनमें श्रद्धालुओं को भोजन और नाश्ते के साथ विभिन्न प्रकार के पकवान और मिष्ठान भी परोसे जाएंगे। कहीं पूड़ी-सब्जी, कचौड़ी और पकौड़े मिलेंगे तो कहीं बड़ापाव, पोहा, जलेबी, छोले-चावल, राजमा-चावल और ढोकला उपलब्ध कराया जाएगा। गर्मी और थकान से राहत देने के लिए कुल्फी, आइसक्रीम, ठंडाई, दूध, शर्बत और नींबू पानी की व्यवस्था भी रहेगी। इसके अलावा कई सेवा शिविरों में चाय और कॉफी भी श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जाएगी। परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं के विश्राम के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। कई स्थानों पर चिकित्सा शिविर और प्राथमिक उपचार केंद्र बनाए जाएंगे, जहां जरूरत पड़ने पर परिक्रमार्थियों को तत्काल चिकित्सा सहायता दी जाएगी। आयोजकों और सेवा समितियों का उद्देश्य है कि लंबी दूरी नंगे पैर तय करने वाले शिवभक्तों को रास्ते में किसी तरह की परेशानी न हो। सेवा भाव से लगाए जा रहे इन शिविरों में बड़ी संख्या में स्वयंसेवक श्रद्धालुओं की मदद करेंगे। नगर परिक्रमा को लेकर शिवभक्तों में खासा उत्साह है और प्रशासन भी व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियों में जुटा है।

गाजियाबाद में बारिश का असर, ट्रांस हिंडन के 30 हजार घरों में रातभर बिजली गुल

एजेंसी, नई दिल्ली

बारिश के बाद ट्रांस हिंडन में रातभर बिजली गुल

गाजियाबाद के ट्रांस हिंडन क्षेत्र में शुक्रवार शाम हुई तेज बारिश के बाद कई इलाकों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई। बिजली कटौती के कारण करीब 30 हजार की आबादी को रातभर गर्मी और अंधेरे में परेशानी झेलनी पड़ी। कई कॉलोनियों में देर रात तक बिजली आपूर्ति सामान्य नहीं हो सकी। बारिश के दौरान कहीं बिजली लाइन में फाल्ट आया तो कहीं जंपर फुंकने से आपूर्ति बाधित हो गई। अलग-अलग इलाकों में खराबी के कारण बिजली विभाग को कई शिकायतें मिलीं। बिजली गुल होने से घरों में पंखे और कूलर बंद हो गए, जिससे उमस भरी गर्मी में लोगों की परेशानी बढ़ गई।

कई आवासीय कॉलोनियों में पूरी रात अंधेरा छाया रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के बाद बिजली आपूर्ति बाधित होना आम समस्या बन गई है। लोगों को लंबे समय तक बिजली का इंतजार करना पड़ा। बिजली विभाग की टीमें फाल्ट तलाशने और आपूर्ति बहाल करने में जुटी रहीं। कुछ क्षेत्रों में खराबी दूर कर बिजली चालू कर दी गई, जबकि कई इलाकों में रातभर समस्या बनी रही।

बारिश के दौरान बिजली व्यवस्था प्रभावित होने से लोगों में नाराजगी भी देखने को मिली। स्थानीय निवासियों ने बिजली विभाग से बारिश के दौरान होने वाले फाल्ट को जल्द ठीक करने और आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में लंबे समय तक बिजली कटौती से लोगों को परेशानी न हो। बारिश के बाद बिजली कटौती से परेशान लोगों ने विभाग से जल्द स्थायी समाधान की मांग की। स्थानीय लोगों का कहना है कि बार-बार फाल्ट से दैनिक जीवन प्रभावित होता है।

ऐतिहासिक चांदनी चौक में फिर दौड़ेगी ट्राम? सरकार ने आधुनिक सेवा पर शुरू किया अध्ययन

63 साल बाद पुरानी दिल्ली में फिर दौड़ सकती है ट्राम, चांदनी चौक में ट्रैकलेस सेवा की तैयारी

एजेंसी, नई दिल्ली

63 साल बाद चांदनी चौक में ट्राम की वापसी संभव

पुरानी दिल्ली के ऐतिहासिक चांदनी चौक इलाके में करीब 63 साल बाद एक बार फिर ट्राम सेवा शुरू करने की योजना पर सरकार ने विचार शुरू कर दिया है। हालांकि इस बार पुराने समय की तरह सड़क पर अलग से ट्राम ट्रैक बिछाने के बजाय आधुनिक **ट्रैकलेस ट्राम** चलाने का प्रस्ताव सामने आया है। सरकार का मानना है कि यह व्यवस्था पुरानी दिल्ली की संकरी और घुमावदार सड़कों के लिए अधिक सुविधाजनक साबित हो सकती है। चांदनी चौक और आसपास का इलाका अपनी ऐतिहासिक इमारतों, बाजारों, धार्मिक स्थलों और पारंपरिक गलियों के लिए देश-विदेश में प्रसिद्ध है। यहां रोजाना बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और पर्यटक पहुंचते हैं। संकरी सड़कों और लगातार बढ़ते यातायात के कारण इस क्षेत्र में आवाजाही एक बड़ी चुनौती बनी रहती है।

ऐसे में ट्रैकलेस ट्राम को सार्वजनिक परिवहन का एक वैकल्पिक साधन माना जा रहा है। प्रस्तावित ट्राम के लिए सड़क पर स्थायी रेल पटरी बिछाने की जरूरत नहीं होगी। इससे सड़क की मौजूदा संरचना को बड़े स्तर पर बदलने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। सरकार को उम्मीद है कि आधुनिक तकनीक से चलने वाली ऐसी ट्राम संकरी गलियों में अपेक्षाकृत आसानी से संचालित की जा सकेगी और लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी। योजना को लेकर सरकार ने संबंधित अधिकारियों को विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करने के निर्देश दिए हैं। इसमें संभावित रूट, ट्राम का आकार, यात्रियों की क्षमता, संचालन की व्यवहारिकता, सड़क की चौड़ाई और यातायात व्यवस्था जैसे विषय शामिल हैं।

अध्ययन पूरा होने के बाद ही ट्राम सेवा के विस्तृत प्रारूप को अंतिम रूप दिया जाएगा। सरकार का मानना है कि यदि यह योजना सफल होती है तो इससे पुरानी दिल्ली में परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ-साथ पर्यटन को भी बढ़ावा मिल सकता है। चांदनी चौक आने वाले पर्यटकों को ऐतिहासिक बाजारों और प्रमुख स्थलों तक पहुंचने के लिए एक सुविधाजनक और अलग तरह का परिवहन विकल्प मिल सकेगा। गौरतलब है कि पुरानी दिल्ली में ट्राम सेवा का अपना ऐतिहासिक महत्व रहा है। कभी यहां की सड़कों पर ट्राम शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का अहम हिस्सा हुआ करती थी, लेकिन समय के साथ बढ़ते यातायात और बदलती परिवहन जरूरतों के चलते यह सेवा बंद हो गई। अब 63 साल बाद आधुनिक तकनीक के सहारे इसे दोबारा शुरू करने की संभावना तलाशना पुरानी दिल्ली के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव हो सकता है।

हालांकि अभी यह योजना प्रारंभिक स्तर पर है और ट्राम सेवा शुरू करने को लेकर अंतिम निर्णय विस्तृत अध्ययन के बाद ही लिया जाएगा। रूट, क्षमता, संचालन और तकनीकी मानकों को तय करने के बाद ही आगे की प्रक्रिया शुरू होगी। यदि प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है तो ऐतिहासिक चांदनी चौक में आधुनिक ट्रैकलेस ट्राम परिवहन और पर्यटन, दोनों के लिए नई पहचान बन सकती है। सरकार ने प्रस्ताव के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन शुरू किया है। रूट, ट्राम की क्षमता और तकनीकी जरूरतों का आकलन होने के बाद योजना पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। ट्रैकलेस ट्राम से पुरानी दिल्ली की यातायात व्यवस्था सुधरेगी और चांदनी चौक में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

नोएडा में बैंक मैनेजर के घर नौकरानी का शव फंदे से लटका मिला, हत्या का आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा के सेक्टर-51 स्थित ई-ब्लॉक में शनिवार शाम एक घरेलू सहायिका का शव फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान रूबी के रूप में हुई है। वह अपनी मां उमा के साथ बैंक प्रबंधक तरुण गाबा के घर घरेलू सहायिका के तौर पर काम करती थी। घटना के बाद मृतका के परिजनों ने हत्या कर शव को फंदे से लटकाने का आरोप लगाया है। जानकारी के मुताबिक, सेक्टर-51 के ई-ब्लॉक में चार मंजिला भवन है। बैंक प्रबंधक तरुण गाबा अपने परिवार के साथ रहते हैं, जबकि भवन के निचले दो तल पर उनके भाई का परिवार रहता है। बिहार के कटियार स्थित सिरकोल गांव की रहने वाली उमा और उसकी बेटी रूबी यहां घरेलू काम करती थीं।

शनिवार शाम काम खत्म करने के बाद रूबी चौथी मंजिल पर गई। कुछ देर बाद उसका शव फंदे से लटका मिला। सूचना मिलते ही परिजन और पुलिस मौके पर पहुंची। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

परिजनों ने आरोप लगाया कि रूबी की हत्या करने के बाद शव को फंदे से लटकाया गया। उन्होंने पुलिस पर मामले को दबाने और उचित कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाते हुए थाने तथा घर के बाहर प्रदर्शन कर आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। सेक्टर-49 थाना पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में शव पर चोट के निशान नहीं मिले हैं। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है और रूबी के मोबाइल नंबर की सीडीआर भी खंगाली जा रही है।

फतेहाबाद में रिश्वतखोरी का खुलासा, नशे का मामला दबाने के लिए मांगे 50 हजार

एजेंसी, नई दिल्ली

फतेहाबाद जिले के टोहाना में नशे से जुड़े एक मामले को रफा-दफा करने के एवज में रिश्वत लेने का मामला सामने आया है। करनाल एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने कार्रवाई करते हुए बिचौलिए किरपाल को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार, आरोपी पर आरोप है कि वह नशे के एक मामले को दबाने के लिए पुलिस की ओर से कथित तौर पर रिश्वत की रकम लेने में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा था। शिकायत मिलने के बाद करनाल एसीबी ने मामले की जांच शुरू की और रिश्वत की रकम के साथ आरोपी को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। निर्धारित योजना के तहत शिकायतकर्ता ने बिचौलिए किरपाल को 50 हजार रुपये दिए। जैसे ही आरोपी ने रकम स्वीकार की, एसीबी की टीम ने उसे मौके पर पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान रिश्वत की रकम भी बरामद की गई।

मौसम सुधरने के बाद सुचारू हुई वैष्णो देवी यात्रा, 13 हजार श्रद्धालु हुए रवाना

मौसम अनुकूल होते ही यात्रा में बढ़ी रफ्तार, बादलों के कारण हेलीकॉप्टर सेवा रही बंद

भारतेंदु संवाददाता, कटड़ा

मौसम में कुछ सुधार के बीच रविवार को मां वैष्णो देवी की यात्रा सुचारू रूप से जारी रही। त्रिकूट पर्वत पर दिनभर बादलों की आवाजाही बनी रही और बीच-बीच में धूप भी खिली। ठंडी हवाओं और सुहाने मौसम के बीच देशभर से पहुंचे श्रद्धालु पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ परिवार व मित्रों के साथ मां के दरबार की ओर बढ़ते रहे। बारिश के मौसम के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखाई दी।

रविवार सुबह कुछ समय के लिए हेलीकॉप्टर सेवा का संचालन किया गया, लेकिन त्रिकूट पर्वत पर बादलों के जमावड़े के कारण बाद में इसे स्थगित कर दिया गया। मौसम साफ होने और उड़ान के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनने पर ही हेलीकॉप्टर सेवा दोबारा शुरू किए जाने की संभावना है। फिलहाल श्रद्धालु पैदल और उपलब्ध अन्य सुविधाओं के माध्यम से भवन की ओर रवाना हो रहे हैं।

सुरक्षा की दृष्टि से श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने महत्वपूर्ण बैटरी कार मार्ग को फिलहाल बंद रखा है। इस मार्ग पर साफ-सफाई और आवश्यक रखरखाव का कार्य जारी है। मार्ग का निरीक्षण करने के बाद उसे सुरक्षित घोषित किए जाने पर ही श्रद्धालुओं के लिए खोला जाएगा। बैटरी कार मार्ग बंद होने के कारण श्रद्धालु फिलहाल पारंपरिक मार्ग से ही मां वैष्णो देवी भवन की ओर जा रहे हैं।

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को घोड़ा, पिट्ठू और पालकी जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके अलावा भवन और भैरव घाटी के बीच रोपवे सेवा भी यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण सुविधा बनी हुई है। इससे श्रद्धालुओं को भैरव बाबा के दर्शन करने में सुविधा मिल रही है।

दोपहर तक 13 हजार श्रद्धालु हो चुके थे भवन की ओर रवाना।

यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सहायता के लिए आपदा प्रबंधन दल, श्राइन बोर्ड प्रशासन, पुलिस विभाग तथा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के अधिकारी और जवान विभिन्न स्थानों पर तैनात हैं। सभी संबंधित टीमें मौसम की स्थिति और यात्रा व्यवस्था पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। बारिश या किसी अन्य आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की गई है।

रविवार को श्रद्धालु पंजीकरण कराने के बाद बरसाती और अन्य आवश्यक सामान साथ लेकर भवन की ओर रवाना होते रहे। कई श्रद्धालु मौसम की चुनौती के बावजूद मां के जयकारे लगाते हुए यात्रा करते दिखाई दिए। कटड़ा आधार शिविर में भी दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही।

दोपहर बाद तीन बजे तक करीब 13 हजार श्रद्धालु पंजीकरण करवाकर भवन की ओर प्रस्थान कर चुके थे। वहीं, कटड़ा पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का सिलसिला लगातार जारी रहा। मौसम में उतार-चढ़ाव के बावजूद फिलहाल यात्रा को लेकर कोई बड़ी परेशानी सामने नहीं आई है।

श्राइन बोर्ड और सुरक्षा एजेंसियां मौसम पर लगातार निगरानी रख रही हैं। अधिकारियों का प्रयास है कि मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संचालित किया जाए। श्रद्धालुओं से भी अपील की जा रही है कि वे मौसम संबंधी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सावधानी बरतें और प्रशासन तथा श्राइन बोर्ड की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

परेड सब्जी मंडी में अतिक्रमण पर बुलडोजर चलने से दुकानदारों में मचा हड़कंप

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू के परेड इलाके स्थित सब्जी मंडी में रविवार सुबह अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान उस समय हड़कंप मच गया, जब जम्मू नगर निगम की टीम ने कई दुकानों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई शुरू कर दी। कार्रवाई की सूचना मिलते ही दुकानदार मौके पर पहुंचे। अपनी दुकानों की स्थिति देखकर कई दुकानदारों ने नाराजगी जताई और कार्रवाई के तरीके पर सवाल उठाए।

दुकानदारों का आरोप है कि नगर निगम की ओर से कार्रवाई से पहले उन्हें कोई पूर्व सूचना या नोटिस नहीं दिया गया। उनका कहना है कि अचानक बुलडोजर चलाए जाने से दुकानों को नुकसान पहुंचा और अंदर रखा सामान भी खराब हो गया। इससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।

प्रभावित दुकानदारों ने बताया कि इन्हीं दुकानों से उनके परिवारों का भरण-पोषण होता है। कार्रवाई के बाद उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने प्रशासन से दुकानों और सामान को हुए नुकसान का आकलन कराने की मांग की है। सब्जी मंडी के दुकानदारों और प्रधान ने नगर निगम की कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि पहले सूचना दी जाती तो दुकानदार अपना सामान सुरक्षित निकाल लेते।

26 ठिकानों की तलाशी में मिले दस्तावेज, पुलिस ने जांच के लिए कब्जे में लिए

सोपोर में 26 ठिकानों पर छापेमारी जमात-ए-इस्लामी मामले की जांच तेज

भारतेंदु संवाददाता, सोपोर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की मदद से रविवार को सोपोर और आसपास के इलाकों में एक साथ 26 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी संगठन से जुड़े मामले की चल रही जांच के तहत की गई। मामला गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम के तहत दर्ज है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अभियान का उद्देश्य प्रतिबंधित संगठन से कथित संबंध रखने वाले लोगों और उनके नेटवर्क से जुड़े संभावित सुराग जुटाना है। तलाशी के दौरान अधिकारियों ने संबंधित परिसरों में दस्तावेजों और अन्य सामग्री की जांच की। पुलिस का कहना है कि कार्रवाई के दौरान मिले सामान को आगे की जांच और सत्यापन के लिए कब्जे में लिया गया है।

◆ पुलिस और सीआरपीएफ ने संदिग्धों के परिसरों से दस्तावेज समेत सामग्री की जब्त

अधिकारियों के मुताबिक गोरीपोरा बोमई निवासी नजीर अहमद मीर और मकबूल मीर सहित कुछ अन्य संदिग्ध लोगों के परिसरों में भी तलाशी ली गई। इन लोगों पर प्रतिबंधित संगठन से कथित तौर पर जुड़े होने का संदेह है। पुलिस ने हालांकि जांच पूरी होने से पहले किसी व्यक्ति की भूमिका को अंतिम रूप से तय नहीं किया है।

तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूत रखा गया। कई स्थानों पर पुलिस और केंद्रीय बल के जवान तैनात रहे, ताकि कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनी रहे। एक साथ कई स्थानों पर तलाशी का उद्देश्य जांच से जुड़े संभावित साक्ष्यों को सुरक्षित करना और संदिग्ध गतिविधियों से संबंधित कड़ियों की पुष्टि करना बताया गया है।

न्यूज ब्रीफ

जम्मू में भाजपा ने निकाली भव्य तिरंगा रैली, गूंजे देशभक्ति के नारे

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। भाजपा के त्रिकूटा नगर मंडल की ओर से रविवार को देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता के संदेश के साथ भव्य तिरंगा रैली निकाली गई। रैली की अगुवाई मंडल अध्यक्ष नितिश महाजन ने की। इसमें बाहु विधानसभा क्षेत्र के विधायक चौधरी विक्रम रंधावा, रेखा महाजन, कुलबीर चाढ़क, अजय गुप्ता सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने भाग लिया। रैली के दौरान कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों के साथ राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और गौरव की भावना व्यक्त की। नितिश महाजन ने कहा कि तिरंगा रैली केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि तिरंगे का सम्मान देश और उन वीर सपूतों का सम्मान है, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता, एकता और अखंडता के लिए बलिदान दिया।

चिनाब किनारे दो युवक लापता, डूबने की आशंका से तलाश जारी

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। खौड़ के वार्ड नंबर आठ निवासी दो युवक शुक्रवार शाम से लापता हैं। परिजनों के अनुसार दोनों युवक घर से निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। शनिवार सुबह तलाश के दौरान पता चला कि दोनों गांव हमीरपुर-सिद्दड़ के पास चिनाब नदी के किनारे गए थे। परिजन मौके पर पहुंचे तो वहां दोनों की मोटरसाइकिल खड़ी मिली। पास ही उनके कपड़े, मोटरसाइकिल की चाबी, मोबाइल फोन और चप्पलें भी मिलीं। सामान मिलने के बाद परिवार ने दोनों के नदी में डूबने की आशंका जताई। सूचना मिलने पर खौड़ पुलिस मौके पर पहुंची और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल तथा राज्य आपदा मोचन बल की टीमों को बुलाया गया। दोनों बचाव दलों ने नदी में तलाश अभियान शुरू कर दिया है। हालांकि अभी तक युवकों का कोई सुराग नहीं मिला है। लापता युवकों की पहचान राकेश सिंह और गजे सिंह के रूप में हुई है। पुलिस और बचाव दल लगातार तलाश में जुटे हैं।

तवी रिवरफ्रंट पर योगाभ्यास से गूंजा स्वस्थ जीवन का संदेश

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू नगर निगम ने विश्व योग संस्थान के सहयोग से रविवार को सूर्यपुत्री तवी रिवरफ्रंट पर विशेष योग सत्र आयोजित किया। इसका उद्देश्य नागरिकों को स्वास्थ्य, फिटनेस, मानसिक शांति और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में जम्मू के मंडलायुक्त रमेश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। नगर निगम आयुक्त डॉ. देवांश यादव, एसएसपी जोगिंदर सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक व योग प्रेमी मौजूद रहे। योग गुरु आचार्य डॉ. करण ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास कराया। अधिकारियों ने कहा कि योग शरीर और मन को स्वस्थ रखने के साथ संतुलित जीवनशैली अपनाने में मदद करता है।

ऋषि दत्त शर्मा का नई बस्ती बाजार यूनियन ने किया स्वागत

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू कैंटोनमेंट बोर्ड के नवनियुक्त वाइस चेयरमैन ऋषि दत्त शर्मा का नई बस्ती बाजार यूनियन ने स्वागत किया। यूनियन प्रधान नवीन गुप्ता, भाजपा नेता अजीत चौधरी सहित स्थानीय लोग मौजूद रहे। प्रतिनिधियों ने ऋषि दत्त शर्मा को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और केंद्र सरकार तथा प्रदेश भाजपा नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में कैंटोनमेंट क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिलेगी और स्थानीय समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से होगा। लोगों ने सड़क, सफाई, नालियों, बाजार व्यवस्था और अन्य नागरिक सुविधाओं में सुधार की मांग रखी।

शिक्षा और शोध में जीएमसी जम्मू की राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि

◆ बदेश के 823 मेडिकल कॉलेजों में 105वें स्थान पर पहुंचा जीएमसी जम्मू

◆ शोध, चिकित्सा ढांचे और सामाजिक समावेशन में संस्थान का शानदार प्रदर्शन

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। सरकारी मेडिकल कॉलेज जम्मू ने चिकित्सा शिक्षा और शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क की 2026 की राष्ट्रीय रैंकिंग में जीएमसी जम्मू को देशभर के 823 मेडिकल कॉलेजों में 105वां स्थान मिला है। राज्य स्तर पर संस्थान दूसरे और उत्तर क्षेत्र में 33वें स्थान पर रहा।

जीएमसी जम्मू ने कुल 1000 में से 804.25 अंक का समग्र भारित सूचकांक हासिल किया। यह उपलब्धि संस्थान की शिक्षण व्यवस्था, शोध, चिकित्सा ढांचे, सामाजिक समावेशन और भविष्य की तैयारियों में किए जा रहे प्रयासों को दर्शाती है।

रैंकिंग के विभिन्न मानकों में भी जीएमसी जम्मू ने अच्छा प्रदर्शन किया। शिक्षण और सीखने के संसाधनों में 133.50 अंक, शोध परिणाम में 134.45, नवाचारी चिकित्सा ढांचे में 138.58, सामाजिक समावेशन में 135, भविष्य उन्मुखता में 129 और बाहरी धारणा में 125 अंक हासिल किए गए।

इस उपलब्धि में संस्थान के संकाय सदस्यों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पैथोलाजी विभाग की वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. सिंधु शर्मा ने रैंकिंग के लिए जरूरी आंकड़े जुटाने और विभिन्न विभागों के साथ समन्वय करने में योगदान दिया।

जम्मू में भाजयुमो की तिरंगा बाइक रैली में युवाओं ने दिया राष्ट्र एकता का संदेश

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। भारतीय जनता युवा मोर्चा की ओर से रविवार को जम्मू में तिरंगा बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली की शुरुआत बलिदान स्तंभ जम्मू से हुई। इसमें बड़ी संख्या में भाजपा युवा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने हिस्सा लिया। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर कार्यकर्ताओं ने देशभक्ति के नारों के साथ राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया।

रैली में भाजपा जम्मू-कश्मीर के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद सत शर्मा, भाजपा जम्मू-कश्मीर के महासचिव संगठन अशोक कौल और लोकसभा सांसद जुगल किशोर शर्मा भी मौजूद रहे। रैली का नेतृत्व भाजयुमो अध्यक्ष अरुण प्रभात ने किया। तिरंगा बाइक रैली के दौरान युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यकर्ताओं ने तिरंगे के सम्मान और राष्ट्र के प्रति समर्पण का संदेश दिया। भाजपा नेताओं ने युवाओं से देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया।

12 कनाल जमीन कुर्क, दूसरे आरोपी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

बारामूला में पुराने उग्रवाद मामले में 69 लाख की जमीन कुर्क, आरोपी पर कसा शिकंजा

भारतेंदु संवाददाता, बारामूला। जम्मू-कश्मीर के बारामूला में राष्ट्र-विरोधी और गैर-कानूनी गतिविधियों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई तेज करते हुए वर्ष 2008 के एक पुराने उग्रवाद-रोधी मामले में महत्वपूर्ण कानूनी कदम उठाया है। सोपोर स्थित विशेष एनआईए अदालत से अनुमति मिलने के बाद पुलिस ने एक आरोपी की लाखों रुपये मूल्य की जमीन कुर्क कर ली है। वहीं, मामले में शामिल दूसरे आरोपी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी हासिल किया गया है।

पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई चंदूसा थाने में वर्ष 2008 में दर्ज मामले के तहत की गई है। मामले में गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम और तत्कालीन रणबीर दंड संहिता की गंभीर धाराएं लगाई गई थीं।

अदालत के आदेश के बाद पुलिस ने कव्हर बाला चंदूसा निवासी आरोपी परवेज अहमद फामदा की 12 कनाल से अधिक जमीन कुर्क की है।

पुलिस ने बताया कि कुर्क की गई संपत्ति का कुल बाजार मूल्य 69.82 लाख रुपये से अधिक आंका गया है। कार्रवाई का उद्देश्य मामले में आरोपित लोगों की संपत्तियों पर कानूनी शिकंजा कसना और गैरकानूनी गतिविधियों से जुड़े नेटवर्क को कमजोर करना है।

जम्मू-कश्मीर में जुलाई में बारिश ने तोड़े रिकॉर्ड, लद्दाख में हुई 297 प्रतिशत की बढ़ोतरी

◆ मानसून ने बदला मिजाज, जम्मू-कश्मीर में कहीं बाढ़ तो कहीं बारिश का संकट

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में जुलाई के दौरान मानसून ने सामान्य से अधिक बारिश कराई। पूरे क्षेत्र में सामान्य 192.6 मिलीमीटर के मुकाबले 259.7 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य से 35 प्रतिशत अधिक रही। हालांकि बारिश का वितरण सभी इलाकों में समान नहीं रहा। कई स्थानों पर मूसलधार बारिश, बादल फटने और अचानक बाढ़ की घटनाएं सामने आईं, जबकि कुछ क्षेत्रों में बारिश सामान्य से काफी कम रही।

मौसम विज्ञान विभाग के निदेशक मुख्तार अहमद के अनुसार जुलाई में मौसम गतिविधियां मुख्य रूप से स्थानीय रहीं। ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों में कम समय में तेज बारिश के कारण भूस्खलन और अचानक बाढ़ की स्थिति बनी। जम्मू संभाग में सामान्य 204.5 मिलीमीटर के मुकाबले 317.8 मिलीमीटर बारिश हुई, जो सामान्य से 55 प्रतिशत अधिक है। रामबन में 125 प्रतिशत और ऊधमपुर में 108 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई। सांबा, राजौरी और पुंछ में भी सामान्य से अधिक बारिश हुई। वहीं कठुआ और किश्तवाड़ में बारिश सामान्य से कम रही।

कश्मीर संभाग में सामान्य 52.5 मिलीमीटर के मुकाबले 89.9 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। बारामूला में सामान्य से 165 प्रतिशत अधिक बारिश हुई, जबकि गांदरबल और पुलवामा में भी भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई।

सुरक्षा काफिले की गाड़ी ने राहगीर को मारी टक्कर, मौत

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू के गंग्याल क्षेत्र में शनिवार देर रात सड़क हादसे में बिहार निवासी एक व्यक्ति की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हादसा जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी की सुरक्षा में शामिल वाहनों में से एक की टक्कर से हुआ।

अधिकारियों के अनुसार, उपमुख्यमंत्री को उनके कुंजवानी स्थित आवास पर छोड़ने के बाद सुरक्षा काफिला वापस लौट रहा था। इसी दौरान सतवारी क्षेत्र में रॉयल फर्नीचर शोरूम के पास सड़क पार कर रहे एक व्यक्ति को वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन देर रात उसने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान भागीरथ के पुत्र भरत के रूप में हुई है। वह बिहार का रहने वाला बताया गया है। हादसे में शामिल वाहन का पंजीकरण नंबर जेके01एडी-2158 बताया गया है।

धमकी भरे पत्र के बाद कश्मीरी पंडित कर्मचारियों की सुरक्षा बढ़ाने पर जोर

कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को आतंकी धमकी, छह नाम उजागर होने से सुरक्षा एजेंसियां हुईं सतर्क

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर में कश्मीरी पंडित सरकारी कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर चिंता बढ़ गई है। खुफिया एजेंसियों के अनुसार लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े एक कथित संगठन ने कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को निशाना बनाने की धमकी दी है। संगठन की ओर से जारी कथित धमकी भरे दस्तावेज में सरकारी रोजगार योजनाओं और पैकेज के तहत कार्यरत कुछ कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को निशाना बनाने का संकेत दिया गया है।

सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक धमकी के पीछे कर्मचारियों में भय पैदा करने और उनकी पहचान उजागर कर उन्हें निशाना बनाने की साजिश हो सकती है।

◆ धमकी पत्र के बाद संवेदनशील विभागों में सुरक्षा समीक्षा हुई तेज

कथित दस्तावेज में सरकारी विभागों की गतिविधियों पर नजर रखने का दावा किया गया है। विशेष रूप से राजस्व विभाग में कार्यरत कर्मचारियों को लेकर धमकी दी गई है।

सूत्रों के अनुसार धमकी में जम्मू-कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में हिंसक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। इसके अलावा आतंकवादियों और उनके समर्थकों के खिलाफ सुरक्षा बलों तथा प्रशासन की ओर से की जा रही संपत्ति जब्ती की कार्रवाई का विरोध करते हुए जवाबी हमले की धमकी दी गई है।

सड़क पर अचानक तेंदुआ आने से मचा हड़कंप, कार सवारों ने बंद किए शीशे

घाड़ीकोट में सड़क पर आया तेंदुआ, कार सवारों में मची दहशत

भारतेंदु संवाददाता, रियासी। ठाकरा कोट तहसील के पनासा से कटड़ा लौट रहे कार सवारों के सामने शुक्रवार शाम घाड़ीकोट क्षेत्र में अचानक तेंदुआ आ गया। सड़क पर बारिश का जमा पानी पी रहे तेंदुए को बीच रास्ते में देखकर चालक ने तुरंत कार रोक दी। सुरक्षा को देखते हुए कार में सवार सभी लोगों ने शीशे बंद कर लिए और कुछ देर तक वाहन के भीतर ही बैठे रहे।

कार सवारों के अनुसार घटना शाम करीब साढ़े पांच बजे की है। वे पनासा से कटड़ा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सड़क पर तेंदुआ दिखाई दिया। वह काफी देर तक सड़क पर जमा पानी पीता रहा। वन्यजीव को वाहन के बेहद करीब देखकर कार सवार घबरा गए। उन्होंने बिना कोई हलचल किए करीब तीन से चार मिनट तक कार के भीतर रहकर स्थिति सामान्य होने का इंतजार किया।

इस दौरान उन्होंने मोबाइल फोन से तेंदुए की तस्वीरें भी खींचीं। कुछ देर बाद पीछे से एक डंपर वहां पहुंचा। डंपर चालक ने तेंदुए को देखकर हार्न बजाया। आवाज सुनते ही तेंदुआ सतर्क हो गया और तुरंत सड़क से नीचे झाड़ियों की ओर छलांग लगा दी।

निगरानी रामबन में पकड़े 21 संदिग्ध बांग्लादेशी, दस्तावेजों की जांच से नेटवर्क पर बढ़ी निगरानी

फर्जी आईडी के सहारे बनाए अवैध ठिकानों पर पुलिस ने कसा शिकंजा

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

जम्मू संभाग में रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों की मौजूदगी को लेकर सुरक्षा एजेंसियों की चिंता अब केवल उनकी बस्तियों तक सीमित नहीं है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की विभिन्न कार्रवाइयों में ऐसे मामलों का पता चला है, जिनमें विदेशी नागरिकों को किराये पर मकान या जमीन उपलब्ध कराने, भारतीय पहचान संबंधी दस्तावेज हासिल करने और स्थानीय सुविधाएं उपलब्ध कराने में कथित तौर पर मदद करने वाले लोगों की भूमिका सामने आई है। एजेंसियां ऐसे मामलों में स्थानीय स्तर पर सक्रिय नेटवर्क की भी जांच कर रही हैं।

जम्मू संभाग में घुसपैठियों के नेटवर्क पर पुलिस की जांच तेज

दिसंबर 2023 में जम्मू, डोडा, किश्तवाड़, रामबन, राजौरी और पुंछ में एक साथ पुलिस कार्रवाई की गई थी। इस दौरान 14 प्राथमिकी दर्ज की गई थीं और करीब 50 लोगों को गिरफ्तार या हिरासत में लिया गया था। पुलिस कार्रवाई में आधार कार्ड, राशन कार्ड सहित अन्य दस्तावेज बरामद किए जाने की जानकारी सामने आई थी। जांच का प्रमुख केंद्र यह रहा कि विदेशी नागरिकों को ये दस्तावेज उपलब्ध कराने में किन लोगों ने मदद की।

दिसंबर 2024 में सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े अधिकारियों के हवाले से जम्मू जिले में करीब 6,500 म्यांमार मूल के लोगों की मौजूदगी का अनुमान सामने आया था। नरवाल, बठिंडी, रेलवे स्टेशन के बाहरी क्षेत्र, कासिम नगर और छन्नी रामा जैसे इलाकों में इनके रहने की बात कही गई थी। सांबा में करीब 550 और कठुआ के हीरानगर होल्डिंग सेंटर में करीब 200 लोगों का आंकड़ा बताया गया था।

विभिन्न सरकारी अभिलेखों में जम्मू-कश्मीर में रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों सहित विदेशी नागरिकों की संख्या पहले 13,700 से अधिक बताई गई थी। हालांकि यह पुराना आंकड़ा है और इसमें अन्य श्रेणियों के विदेशी नागरिक भी शामिल थे। इसलिए इसे वर्तमान स्थिति का सटीक आंकड़ा नहीं माना जा सकता।

पहचान दस्तावेजों को लेकर बढ़ी चिंता : सुरक्षा एजेंसियों के लिए सबसे बड़ी चिंता विदेशी नागरिकों के भारतीय पहचान दस्तावेज हासिल करने से जुड़ी है। दिसंबर 2023 में बठिंडी क्षेत्र में पुलिस की तलाशी के दौरान आधार कार्ड, पैन कार्ड और बैंक से संबंधित दस्तावेज बरामद होने की जानकारी सामने आई थी। इस कार्रवाई में विदेशी नागरिकों के साथ कथित रूप से दस्तावेज उपलब्ध कराने वाले स्थानीय लोगों के खिलाफ भी मामले दर्ज किए गए थे।

हाल में रामबन में नियमित जांच के दौरान 21 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़े जाने की जानकारी सामने आई। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे।

सरकारी स्कूलों में अब दिन में दो बार होगी विद्यार्थियों की हाजिरी

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की उपस्थिति व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने डिजिटल हाजिरी दर्ज करने से पहले प्रत्येक विद्यार्थी की वास्तविक भौतिक मौजूदगी सुनिश्चित करना अनिवार्य कर दिया है। इसके लिए विभाग ने सभी सरकारी स्कूलों को नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

विभाग के अनुसार शिक्षक कक्षा में विद्यार्थियों की मौजूदगी की पुष्टि करने के बाद ही जेके स्मार्ट अटेंडेंस प्रणाली पर डिजिटल उपस्थिति दर्ज करेंगे। बिना भौतिक सत्यापन के किसी विद्यार्थी की डिजिटल हाजिरी दर्ज नहीं की जा सकेगी। इसके साथ ही प्रत्येक कक्षा में मैनुअल उपस्थिति रजिस्टर भी बनाए रखना होगा।

नई व्यवस्था के तहत विद्यार्थियों की हाजिरी दिन में दो बार दर्ज की जाएगी। पहली उपस्थिति स्कूल शुरू होने के समय और दूसरी छुट्टी से पहले दर्ज होगी। दोनों रिकार्ड का नियमित मिलान किया जाएगा। यदि मैनुअल और डिजिटल उपस्थिति में अंतर पाया जाता है तो संबंधित प्रधानाध्यापक या संस्था प्रमुख को इसकी जांच कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करनी होगी।

स्कूल शिक्षा विभाग ने संस्थान प्रमुखों को उपस्थिति रिकार्ड की शुद्धता और विश्वसनीयता के लिए जिम्मेदार बनाया है। उन्हें मैनुअल और डिजिटल रिकार्ड की औचक जांच भी करनी होगी।

न्यूज ब्रीफ

नशे के खिलाफ ग्रामीणों ने बुलंद की आवाज

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। ग्राम पंचायत बल्ह-बल्हवाना में युवाओं, ग्रामीणों और महिलाओं ने एकजुट होकर नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया। पंचायत, देव भूमि युवक मंडल और स्वयं सहायता समूह के संयुक्त सहयोग से आयोजित अभियान के दौरान जागरूकता रैली निकाली गई। युवाओं ने नारे लगाकर लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया और नशामुक्त समाज के निर्माण में सभी से सहयोग की अपील की। इसके बाद राजकीय माध्यमिक विद्यालय बल्ह-बल्हवाना के खेल मैदान में स्वच्छता अभियान चलाया गया। युवक मंडल के सदस्यों, ग्रामीणों और महिलाओं ने श्रमदान कर मैदान की सफाई की। कार्यक्रम के अंत में लोगों ने नशामुक्त और स्वच्छ समाज बनाने की शपथ ली। इस मौके पर प्रधान इंद्रपाल धीमान, उपप्रधान सतीश कुमार, सभी वार्ड सदस्य, युवक मंडल प्रधान रिशांत चौहान, सचिव दिशांत ठाकुर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शाहतलाई में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। शाहतलाई प्रसिद्ध सिद्ध पीठ बाबा बालक नाथ की तपोस्थली शाहतलाई में रविवार को बाबा के जयकारों के साथ पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। छुट्टी का दिन होने के कारण मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। एक ही दिन में 30,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा की पवित्र गुफा और तपोस्थली के दर्शन कर मत्था टेका और बाबा का आशीर्वाद लिया। सुबह तड़के से ही मंदिर के बाहर भक्तों की लंबी-लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और हिमाचल के कोने- कोने से पहुंचे श्रद्धालुओं ने कतारों में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार किया। श्रद्धालुओं की भारी आमद को देखते हुए मंदिर प्रशासन और स्थानीय पुलिस द्वारा सुरक्षा और कानून व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए थे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पीने के पानी, लंगर और चिकित्सा सहायता की विशेष व्यवस्था की गई थी ताकि भीड़ के दौरान किसी को परेशानी न हो। बाबा के जयघोष से पूरी तलाई नगरी गूंजती रही।

मशोबरा में 80 देवदार व बान के पौधे रोपे

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। डॉक्टर हेडगेवार स्मारक समिति की ओर से मशोबरा खड़ के धारकंडा गांव में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान देवदार और बान के करीब 80 पौधे रोपे गए। कार्यक्रम में डॉक्टर हेडगेवार स्मारक समिति के अध्यक्ष अजय सूद, सचिव व सह सचिव सहित स्थानीय पंचायत के पूर्व प्रधान खुशी राम, वार्ड सदस्य तथा सुरेंद्र, योगेश बक्शी समेत गांव के करीब 37 लोगों ने भाग लिया। स्थानीय लोगों ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में समिति द्वारा किए गए इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ लोगों को प्रकृति के प्रति जागरूक करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ग्रामीणों ने समिति का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी तरह के सामाजिक एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह किया।

2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। झंडूता विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के झंडूता और खबड़ी माता मंडल की बैठकें रविवार को आयोजित की गईं। झंडूता तथा खबड़ी माता मंदिर घंडीर में हुई बैठकों की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष रसम सिंह चंदेल और डॉ. रामप्रकाश शर्मा ने की। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी रश्मिधर सूद ने मुख्य वक्ता, जबकि विधायक जीतराम कटवाल ने विशिष्ट वक्ता के रूप में भाग लिया। जिला अध्यक्ष कृष्णलाल चंदेल भी मौजूद रहे। विधायक जीतराम कटवाल ने कहा कि भाजपा की ताकत उसका कार्यकर्ता और संगठन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 2047 तक विकसित भारत बनने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का अर्थ गांवों तक सड़क, बिजली, पानी, आवास, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी सुविधाएं पहुंचाना है। रश्मिधर सूद ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और घर-घर जाकर केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता अभी से चुनावी तैयारियों में जुट जाएं।

देश के हर कोने तक पहुंचाए जाएंगे संत रविदास जी के विचार : अनुराग

750 किलोमीटर लंबी कलश वंदन यात्रा का ढगोह में भव्य समापन

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में शुरू की गई करीब 750 किलोमीटर लंबी कलश वंदन यात्रा का रविवार को नादौन विधानसभा क्षेत्र के ढगोह में भव्य समारोह के साथ विधिवत समापन हुआ। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर लोकसभा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य सहित अनेक वरिष्ठ नेता, संत समाज और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि संत रविदास जी ने समाज को समानता, सामाजिक समरसता और मानवता का संदेश दिया। उनकी शिक्षाएं जाति-पंथ के भेदभाव से ऊपर उठकर समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी की 650वीं जयंती को केवल एक दिन तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि आगामी सात महीनों तक उनके विचारों और संदेश को देश के कोने-कोने तक पहुंचाने का अभियान चलाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कलश वंदन यात्रा ने करीब 750 किलोमीटर का सफर तय किया है। इसका उद्देश्य संत रविदास जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ जातिवाद से ऊपर उठकर सामाजिक समरसता और समाजहित की भावना को मजबूत करना है।

लाल सिंह आर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक समरसता को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। काशी से शुरू हुए समरसता संकल्प अभियान के तहत पांच चरणों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राष्ट्रीय, प्रदेश, जिला एवं मंडल स्तर के कार्यक्रमों के बाद पंजाब, जालंधर, हिमाचल प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों में आयोजन होंगे। अंतिम चरण में छात्र संपर्क अभियान के माध्यम से युवाओं को संत रविदास जी के जीवन और विचारों से जोड़ा जाएगा।

उन्होंने कहा कि संत रविदास जी ने सामाजिक कुरीतियों और भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाकर समानता एवं मानवता का संदेश दिया। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं और इन्हें समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सिकंदर कुमार, विधायक इंद्रदत्त लखनपाल, आशीष शर्मा सहित भाजपा के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घुमारवीं में 4 किलो चरस के साथ पंजाब के दो तस्कर किए गिरफ्तार

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नशा तस्करी के खिलाफ बिलासपुर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत घुमारवीं थाना क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की गई है। पुलिस की स्पेशल डिटेक्शन टीम (एसडीटी) ने बलोह फोरलेन सड़क पर मल्यावर लिंक रोड के पास नाकाबंदी के दौरान पंजाब नंबर की एक कार से करीब 4 किलोग्राम चरस बरामद की।

जानकारी के अनुसार, शनिवार को पुलिस टीम वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान पंजाब नंबर की कार पीबी07एसी2688 को जांच के लिए रोका गया। तलाशी लेने पर वाहन से चरस बरामद हुई। पुलिस ने कार सवार दोनों आरोपियों को मौके पर गिरफ्तार कर लिया।

आरोपियों की पहचान 22 वर्षीय रवि कुमार और 28 वर्षीय सुखबीर, दोनों निवासी जिला होशियारपुर, पंजाब के रूप में हुई है। घुमारवीं पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 और 29 के तहत मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है। पुलिस चरस की खेप के स्रोत और इसकी संभावित सप्लाई के संबंध में आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

भोरंज कांग्रेस गांव-गांव पहुंचाएगी चंदा चोर और पेपर लीक का मुद्दा

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। नवनियुक्त भोरंज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की पहली बैठक रविवार को भोरंज विश्राम गृह में ब्लॉक अध्यक्ष विजय बन्याल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में भोरंज विधायक सुरेश कुमार, कांगड़ा सहकारी प्राथमिक कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के चेयरमैन रामचंद्र पठानिया और जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमन भारती विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक की शुरुआत वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष राजीव लाल मैहर के निधन पर शोक सभा और दो मिनट के मौन से हुई। नेताओं ने पार्टी के प्रति उनके योगदान को याद किया। नई कार्यकारिणी के सदस्यों और महिला कांग्रेस अध्यक्ष मधुबाला को भी बधाई दी गई।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमन भारती और विधायक सुरेश कुमार ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। विधायक ने सरकार की योजनाओं और भोरंज में हुए विकास कार्यों को घर-घर तक पहुंचाने की बात कही। बैठक में कार्यकर्ताओं को भाजपा के कथित चंदा और नीट पेपर लीक मामलों को लेकर भी गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करने का निर्देश दिया गया।

फेटीधार में बनेगा 10 करोड़ का बायोडायवर्सिटी पार्क : धर्माणी

तकनीकी शिक्षा मंत्री बोले-14 अगस्त को दधोल में मुख्यमंत्री सुक्खू करेंगे पार्क की घोषणा

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। घुमारवीं उपमंडल की ग्राम पंचायत पनोह के फेटीधार क्षेत्र में किरतपुर-नेरचौक फोरलेन के किनारे करीब 10 करोड़ की लागत से बायोडायवर्सिटी पार्क विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू 14 अगस्त को दधोल, घुमारवीं में आयोजित राज्य स्तरीय वन महोत्सव के दौरान इसकी घोषणा करेंगे। यह जानकारी तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने रविवार को पनोह में महिला मंडल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दी।

धर्माणी ने कहा कि प्रस्तावित पार्क का उद्देश्य क्षेत्र की प्राकृतिक संपदा और जैव विविधता का संरक्षण करने के साथ इसे पर्यटन की दृष्टि से विकसित करना है। फोरलेन से कुल्लू-मनाली जाने वाले पर्यटकों को यहां आकर्षित करने का प्रयास किया जाएगा, जिससे स्थानीय स्तर पर पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। पार्क के निर्माण से छोटे कारोबार, पर्यटन आधारित गतिविधियों और स्वरोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा, खेल और कौशल विकास से जुड़ी कई परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। घुमारवीं में करीब 25 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक इंडोर स्टेडियम बनाया जा रहा है, जिसमें स्विमिंग पूल सहित विभिन्न खेल सुविधाएं होंगी। युवाओं को रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण देने के लिए करीब 12 करोड़ रुपये की लागत से स्किल अकादमी स्थापित की जा रही है। इसके भवन निर्माण के लिए सरकार दो करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी कर चुकी है। वहीं, घुमारवीं में स्किल यूनिवर्सिटी स्थापित करने के प्रयास जारी हैं तथा करयाल में फुटबॉल मैदान विकसित किया जाएगा।

मंत्री ने बताया कि घुमारवीं में केंद्रीय विद्यालय के निर्माण के लिए 25 बीघा भूमि उपलब्ध करवाई गई है और प्रथम चरण के लिए 55 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। पनोह में आंगनबाड़ी और क्रेच सेंटर खोलने की स्वीकृति मिल चुकी है। टिकरी में सड़क निर्माण के लिए 10 लाख रुपये मंजूर हुए हैं, जबकि नाल्टी में सड़क पक्की की जाएगी। क्षेत्र में पेयजल सुविधा मजबूत करने के लिए नई छोटी पेयजल योजना भी तैयार की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के साथ शिक्षा, कौशल, खेल और रोजगार के अवसर बढ़ाने पर विशेष ध्यान दे रही है। मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना के तहत बिलासपुर जिले में करीब 214 बच्चों को लाभ मिल चुका है।

राष्ट्रीय नेटबाल में हिमाचल का शानदार प्रदर्शन, तीसरे स्थान पर किया कब्जा

◆ **दिल्ली को 29-27 से हराया, पहली बार सीनियर वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंची प्रदेश टीम**

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हरियाणा राज्य के पलवल 7 से 9 अगस्त को हुई सीनियर राष्ट्रीय नेटबाल पुरुष वर्ग की प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया है। सैमीफाइन मुकाबले में महाराष्ट्र की टीम ने हिमाचल प्रदेश को विजेता व उप विजेता बनने का सपना तोड़ दिया। यह पहली बार है कि हिमाचल प्रदेश की टीम सीनियर वर्ग की प्रतियोगिता में सैमीफाइनल तक पहुंची है।

हिमाचल की टीम के कोच दिनेश कुमार व टीम मैनेजर राम विनय ने बताया कि प्रदेश की टीम में नवीन, भास्कर, नितीज, अमन, अनुराग, रजनीश, दक्ष, भारत, दीपक, अरूण, कर्ण व जितेंद्र आदि खिलाड़ियों ने हर मैच शानदार प्रदर्शन करते हुए हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश की टीम ने सबसे पहले आंध्र प्रदेश की टीम को 32-03 के विशाल अंतर से पराजित करके प्रथम जीत दर्ज की है। इसके बाद दादर नगर हवेली की टीम को 25-10 के अंतर से पराजित किया। जबकि क्वाटर फाइनल मुकाबले में हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ियों ने उत्तर प्रदेश को एक गोल अर्थात 26-25 के अंतर से पराजित करके सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सैमीफाइनल मुकाबले में महाराष्ट्र राज्य की टीम ने हिमाचल प्रदेष को 31-27 के अंतर से पराजित करके फाइनल में पहुंचने से रोक दिया। इसलिए तीसरे स्थान के लिए हिमाचल प्रदेश की टीम ने दिल्ली की टीम को कड़े मुकाबले में 29-27 के अंतर से पराजित किया। इस प्रतियोगिता में हरियाणा विजेता और महाराष्ट्र की टीम विजेता बनी है। हिमाचल प्रदेष नेटबाल संघ के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ठाकुर, महासचिव अशोक आनंद, कोषाध्यक्ष राकेश कुमार, प्रदेश सिलेक्षन कमेटी के चेयरमैन सुनील कुमार अत्री, उपाध्यक्ष अजय शर्मा ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर खुशी जाहिर की तथा तीसरा स्थान हासिल करने पर बधाई दी है।

मनाली फोरलेन पर भूस्खलन, मैहला के पास वाहनों की आवाजाही बंद

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। कीरतपुर-मनाली फोरलेन पर मैहला के पास पहाड़ी से भारी चट्टानें और पत्थर गिरने के कारण मंडी भराड़ी चौक से आगे सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई है। प्रशासन ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बिलासपुर-चंडीगढ़ के बीच यातायात के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए हैं। बिलासपुर, हमीरपुर और कुल्लू-मनाली से चंडीगढ़ जाने वाले वाहन फोरलेन से मंडी भराड़ी पुल होते हुए नौणी चौक पहुंचेंगे। यहां से पुराने राष्ट्रीय राजमार्ग-205 के जरिए स्वारघाट और कीरतपुर होते हुए चंडीगढ़ की ओर जा सकेंगे।

वहीं, चंडीगढ़ से बिलासपुर और मनाली की ओर आने वाले वाहन पुराने एनएच-205 से स्वारघाट होते हुए नौणी चौक पहुंचेंगे। इसके बाद नौणी चौक से फोरलेन पकड़कर मंडी भराड़ी पुल के रास्ते अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे। प्रशासन ने वाहन चालकों से यातायात पुलिस का सहयोग करने, ओवरटेकिंग से बचने और आपातकालीन वाहनों को रास्ता देने की अपील की है। आपात स्थिति में 01978-221059 व 01978-221060 पर संपर्क किया जा सकता है।

दी सीडी साख सहकारी सभा के चुनाव में मिला-जुला परिणाम

◆ **13 जोन में 37 मतदान केंद्रों पर हुआ मतदान**

◆ **50 प्रत्याशियों ने अपना भाग्य आजमाया**

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। निजी बैंकिंग एवं सहकारिता के क्षेत्र में कार्यरत दी सीडी साख सहकारी सभा समिति गोहर के निदेशक मंडल के चुनाव रविवार को संपन्न हो गए। 13 जोन के 37 मतदान केंद्रों पर सुबह आठ बजे मतदान प्रक्रिया शुरू हुई। चुनाव में कुल 50 प्रत्याशियों ने अपनी किस्मत आजमाई। शेयरहोल्डरों ने उत्साह के साथ मतदान कर अपने पसंदीदा प्रत्याशियों के पक्ष में मत डाले।

चुनाव परिणामों में कांग्रेस और भाजपा समर्थित प्रत्याशियों का मिला-जुला दबदबा देखने को मिला। गोहर जोन में भाजपा समर्थित मुकेश चंदेल ने कांग्रेस समर्थित मीना शर्मा को 52 मतों से पराजित किया। चैलचौक जोन से बोधराज, मंडी से राजा, नेरचौक से कर्म सिंह सैणी, गागल से बलदेव ठाकुर, बग्गी से मनोज कुमार, जंजैहली से देवी सिंह, पंडोह से लाल सिंह, जोगिंदरनगर से रविंद्र पाल, कोटली से वासदेव, सुंदरनगर से लाल सिंह तथा करसोग से मनोज कुमार विजयी घोषित हुए। हालांकि चुनाव सहकारी सभा के निदेशक मंडल के लिए था, लेकिन इसमें राजनीतिक रंग भी साफ तौर पर देखने को मिला। कांग्रेस और भाजपा समर्थित प्रत्याशियों ने चुनाव में अपनी-अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास किया।

दी सीडी साख सहकारी सभा समिति गोहर के अंतर्गत 13 जोन में कुल 60 शाखाएं संचालित हैं। इन जोनों में करीब 47,500 शेयरहोल्डर जुड़े हुए हैं। संस्था को सहकारिता के क्षेत्र में अग्रणी बनाने में पूर्व विधायक एवं हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन स्वर्गीय पंडित शिवलाल का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनके निधन के बाद भाजपा समर्थित कमल राणा संस्था के चेयरमैन बने।

खेतीबाड़ी | एमएसपी में बढ़ोतरी से बढ़ा किसानों का भरोसा, 8,400 हेक्टेयर भूमि प्राकृतिक खेती के दायरे में

मंडी में 48 हजार किसानों ने थामा प्राकृतिक खेती का दामन

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और किसानों को रसायनमुक्त खेती की ओर प्रेरित करने के प्रदेश सरकार के प्रयास मंडी जिला में रंग ला रहे हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी से किसानों का प्राकृतिक खेती के प्रति रुझान लगातार बढ़ा है। जिला में अब तक 48,380 किसान प्राकृतिक खेती से जुड़ चुके हैं, जबकि 8,400 हेक्टेयर भूमि को प्राकृतिक खेती के दायरे में लाया जा चुका है। बेहतर दाम मिलने से किसान इसे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ लाभकारी कृषि व्यवसाय के रूप में भी अपना रहे हैं।

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत जिला में व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। मिशन का उद्देश्य रसायनमुक्त खेती को बढ़ावा देना, सुरक्षित एवं पौष्टिक खाद्यान्न का उत्पादन सुनिश्चित करना, मिट्टी की उर्वरता और जैविक गुणवत्ता में सुधार करना तथा किसानों की उत्पादन लागत कम कर टिकाऊ कृषि प्रणाली विकसित करना है। घांघल गांव के किसान प्रताप सिंह ने आत्मा परियोजना के तहत प्रशिक्षण लेने के बाद प्राकृतिक खेती शुरू की। उन्होंने गेहूं के साथ मटर और चने की मिश्रित खेती की। उनके अनुसार पहले गेहूं का मूल्य 60 रुपये प्रति किलोग्राम मिलता था, जो अब बढ़कर 80 रुपये हो गया है। इसी तरह मक्की का मूल्य भी 40 से बढ़कर 60 रुपये प्रति किलोग्राम हुआ है। उन्होंने एमएसपी में बढ़ोतरी को किसानों के लिए बेहद लाभकारी बताया।

सुंदरनगर तहसील के ढंडोल गांव के किसान मस्तराम ने मक्की, सोयाबीन, अदरक और हल्दी की खेती शुरू की है। इस वर्ष उन्होंने एक बीघा भूमि पर ड्रैगन फ्रूट के पौधे भी लगाए हैं। पांच बीघा भूमि पर प्राकृतिक खेती कर उन्होंने करीब 65 हजार रुपये का गेहूं और 25 हजार रुपये की मक्की सरकार को बेची। हल्दी का समर्थन मूल्य 90 से बढ़ाकर 150 रुपये प्रति किलोग्राम किए जाने को उन्होंने किसानों के लिए बड़ा लाभ बताया।

वर्ष 2026-27 के लिए करीब 4.93 करोड़ रुपये की कार्ययोजना प्रस्तावित की गई है। इसके तहत नए कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन (सीआरपी) की नियुक्ति, किसानों के प्रशिक्षण व जागरूकता कार्यक्रम, प्रोत्साहन राशि, प्राकृतिक खेती का प्रमाणन, अध्ययन सामग्री एवं किट वितरण तथा 13 बायो रिसोर्स सेंटर स्थापित करने का प्रावधान है।

जिले के 14 विकास खंडों के 20 नए क्लस्टरों के लिए सीआरपी का चयन किया गया है। ये किसानों को प्राकृतिक खेती की तकनीकों का प्रशिक्षण देने के साथ खेतों में प्रदर्शन करेंगे। वहीं जीवामृत, घन जीवामृत सहित अन्य जैविक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 13 बायो रिसोर्स सेंटर स्थापित किए जाएंगे। उप परियोजना निदेशक (आत्मा) मंडी हितेंद्र कुमार के अनुसार प्राकृतिक खेती अपनाने वाले किसानों को स्वदेशी नस्ल की गाय खरीदने पर 25 हजार रुपये की सहायता दी जाती है। गोमूत्र संग्रहण के लिए गौशाला का फर्श पक्का करने को 8 हजार रुपये तथा जीवामृत एवं घन जीवामृत तैयार करने के लिए तीन ड्रमों पर 2,250 रुपये का अनुदान दिया जा रहा है। किसानों को नि:शुल्क प्रशिक्षण, किट और तकनीकी मार्गदर्शन भी उपलब्ध करवाया जा रहा है।

8,214 किसान योजना से जुड़े

वर्ष 2025-26 के दौरान मंडी में 2,500 हेक्टेयर क्षेत्र, 50 क्लस्टर और 8,214 किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ा गया। वहीं वर्ष 2026-27 में 1,000 हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र, 20 नए क्लस्टर और 2,500 नए किसानों को योजना के दायरे में लाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कृषि विभाग के अनुसार पिछले दो वर्षों में एमएसपी के तहत 1,040.81 क्विंटल मक्का, 644.24 क्विंटल गेहूं तथा करीब 233 क्विंटल हल्दी की खरीद की गई है। इससे किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिला है।

आस्था व लोकविश्वास का संगम बना शिब्बोथान धाम

जुलाई-अगस्त के मेलों में उमड़ते हैं श्रद्धालु, लोक संस्कृति की दिखती है झलक

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। जिला कांगड़ा के जवाली उपमंडल के भरमाड़ गांव में स्थित शिब्बोथान धाम क्षेत्र की प्राचीन धार्मिक आस्था और लोक परंपराओं का प्रमुख केंद्र है। प्राकृतिक सौंदर्य से घिरा यह पावन स्थल वर्षों से श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मान्यता है कि यहां दर्शन और पूजा-अर्चना करने से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा की अनुभूति होती है।

स्थानीय लोकमान्यताओं के अनुसार शिब्बोथान धाम एक प्राचीन सिद्धपीठ है, जहां ऋषि-मुनियों और साधु-संतों ने तपस्या की थी। भगवान शिव से जुड़ी आस्था के चलते यहां दूर-दूर से श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए पहुंचते हैं। धाम की सबसे चर्चित लोकमान्यता सर्पदंश से जुड़ी हुई है। आसपास के क्षेत्रों के लोग लंबे समय से सर्पदंश से पीड़ित व्यक्तियों को यहां लेकर आते रहे हैं और मंदिर की परंपराओं के अनुसार पूजा-अर्चना करवाते हैं। हालांकि, सर्पदंश की स्थिति में तत्काल आधुनिक चिकित्सा उपचार लेना बेहद जरूरी है।

शिब्बोथान धाम का शांत वातावरण, हरियाली और प्राकृतिक सुंदरता इसे धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बनाते हैं। सावन मास और महाशिवरात्रि सहित विभिन्न धार्मिक अवसरों पर यहां श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। विशेष रूप से जुलाई और अगस्त माह में आयोजित होने वाले मेलों में कांगड़ा के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश के अन्य जिलों और पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

मेलों के दौरान धार्मिक अनुष्ठानों के साथ स्थानीय संस्कृति, लोक परंपराओं और सामाजिक सहभागिता की झलक देखने को मिलती है। शिब्बोथान धाम आज केवल पूजा का स्थल नहीं, बल्कि क्षेत्र की लोक आस्था, संस्कृति और विरासत का जीवंत प्रतीक बन चुका है।

स्टाइलिश प्लेयर लॉरेन फ्रांको

लॉरेन फ्रांको पराग्वे की प्रसिद्ध मॉडल और तैराक रही हैं। उन्होंने 2004 एथेंस ओलंपिक में पराग्वे का प्रतिनिधित्व किया था। खेल उपलब्धियों के साथ अपनी खूबसूरती और आकर्षक व्यक्तित्व के कारण वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चित रहीं। तैराकी के क्षेत्र में उनके प्रयासों ने पराग्वे के खेल जगत को पहचान दिलाई।

आज होगा यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2026 का आगाज

एजेंसी, बर्मिंघम

यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 का आगाज सोमवार को होगा। ब्रिटेन में पहली बार आयोजित हो रही इस चैंपियनशिप में 49 देशों के एथलीट हिस्सा लेंगे और 50 स्वर्ण पदकों के लिए मुकाबला होगा। विश्व रिकॉर्डधारी और ओलंपिक चैंपियन अर्मांड 'मोंडो' डुप्लांटिस समेत 10 चैंपियन इसमें भाग लेंगे। डुप्लांटिस पुरुषों की पोल वॉल्ट स्पर्धा में आकर्षण का केंद्र होंगे। उनके अलावा आइजैक नाडेर (1500 मीटर), जिमी ग्रेसियर (5000 और 10,000 मीटर), मैटिया फुरलानी (लंबी कूद), पेड्रो पिचार्डो (त्रिकूद), डेनियल स्टाहल (चक्का फेंक) और लियो न्यूगेबॉयर (डेकाथलॉन) मौजूदा विश्व चैंपियन हैं। महिलाओं में फेम्के बोल (400 मीटर बाधा दौड़), दिताजी कांबुंडी (100 मीटर बाधा दौड़) और मारिया पेरेज प्रमुख विश्व चैंपियन हैं।

अश्मिता ने जीता कोरिया मास्टर्स का खिताब

एजेंसी, सियोल

भारत की अश्मिता चालीहा ने रविवार को शानदार वापसी करते हुए चीन की हान कियान शी को हराकर बीडब्ल्यूएफ कोरिया मास्टर्स 2026 का महिला एकल खिताब जीत लिया है। यह अश्मिता का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब है। 26 वर्षीय गुवाहाटी की अश्मिता ने चौथी वरीयता प्राप्त चीनी खिलाड़ी के खिलाफ पहला गेम 14-21 से गंवाने के बाद जोरदार वापसी की और अगले दोनों गेम 21-14, 21-14 से जीतकर 53 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया। निर्णायक गेम में अश्मिता एक समय 9-11 से पीछे चल रही थीं, लेकिन कोर्ट के दूसरे छोर से मिल रही अनुकूल ड्रिफ्ट का उन्होंने शानदार फायदा उठाया। उन्होंने इसके बाद बचे 15 में से 12 अंक जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मई में तीन महीने की चोट के बाद वापसी करने वाली विश्व की 50वें नंबर की अश्मिता ने बीडब्ल्यूएफ टूर पर लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। वापसी के बाद अपने पहले दो टूर्नामेंटों में उन्होंने चाइना मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया था।

इस खिताबी जीत से पहले उनके लिए इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जून में मकाऊ ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचना था, जहां उन्हें दक्षिण कोरिया की उपविजेता पार्क गा-उन से हार मिली थी। कोरिया मास्टर्स का खिताब भारत के लिए लगातार दूसरा महिला एकल बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब है। पिछले सप्ताह तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन का खिताब जीता था।

भारत ने विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में दो और पदक जीते

बसंत ने ऊंची कूद में रजत और शाहनवाज ने लंबी कूद में कांस्य पदक जीता

एजेंसी, यूजीन

भारत के बसंत कुमार मेघवाल ने विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 में पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा में रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वहीं, भारत के शाहनवाज खान ने पुरुष लंबी कूद स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। यह इस चैंपियनशिप में भारत का तीसरा पदक है। राजस्थान के अनूपगढ़ के 19 वर्षीय बसंत इस प्रतियोगिता के इतिहास में हाई जंप पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। साथ ही इस प्रतियोगिता में ये भारत का दूसरा पदक है।

बसंत ने फाइनल में 2.21 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई, जो उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी है। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने भारत को मौजूदा चैंपियनशिप का दूसरा पदक दिलाया। इससे पहले शुक्रवार को आशीष यादव ने भाला फेंक में रजत पदक जीता था।

स्वर्ण पदक अल्जीरिया के यूनुस अयाची ने जीता, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के ओटिस पूल ने कांस्य पदक अपने नाम किया। 2.21 मीटर की ऊंचाई पार करने के बाद तीनों पदक विजेता 2.24 मीटर की ऊंचाई पार नहीं कर सके। इसके बाद काउंटबैक के आधार पर विजेता का फैसला हुआ।

वहीं, लंबी कूद में शाहनवाज ने फाइनल में 7.84 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। वह विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में लंबी कूद में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट बन गए हैं। इससे पहले शाइली सिंह ने 2021 में महिलाओं की लंबी कूद में रजत पदक जीता था। हालांकि, शाहनवाज के लिए यह पदक कुछ मायनों में निराशाजनक भी रहा होगा, क्योंकि उनकी सर्वश्रेष्ठ छलांग उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8.30 मीटर से काफी कम रही।

इटली के डेनियल लियोनार्डो इंजोली ने 7.97 मीटर की छलांग के साथ स्वर्ण पदक जीता। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के मेसन मैकग्रोडर ने 7.96 मीटर की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ रजत पदक हासिल किया। मैकग्रोडर अपनी अंतिम छलांग में महज 0.01 मीटर के अंतर से स्वर्ण पदक से चूक गए।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने पीएसजी को 1-1 से बराबरी पर रोका

एजेंसी, गॉथेनबर्ग

ब्रायन म्बेउमो के शानदार गोल की मदद से मैनचेस्टर यूनाइटेड ने प्री-सीजन मैत्री मैच में शनिवार को यूरोपीय चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया। उललेवी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के साथ ही यूनाइटेड ने प्री-सीजन में अपना अजेय अभियान जारी रखा। पीएसजी ने मुकाबले की शुरुआत बेहद आक्रामक अंदाज में की। सेनेगल के युवा फारवर्ड इब्राहिम म्बाये ने मैच के दूसरे मिनट के भीतर ही गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। 2026 फीफा विश्व कप में प्रभावित करने वाले म्बाये ने पीएसजी के पहले ही मौके को गोल में बदलकर यूनाइटेड पर दबाव बना दिया। यूनाइटेड को 20 मिनट के बाद बड़ा झटका लगा, जब मेसन माउंट चोटिल होकर मैदान से बाहर हो गए। इसके बावजूद टीम ने दबाव झेला और आधे घंटे का खेल पूरा होने के बाद बराबरी हासिल कर ली। एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ पिछले मुकाबले में दो गोल करके यूनाइटेड को 2-1 से जीत दिलाने वाले ब्रायन म्बेउमो ने एक बार फिर टीम को संकट से बाहर निकाला। उन्होंने शानदार फिनिश के साथ गेंद को गोल में पहुंचाकर स्कोर 1-1 कर दिया।

इसके बाद यूनाइटेड ने लगातार पीएसजी पर दबाव बनाया और गोल पर छह शॉट लगाए, जबकि पीएसजी के खिलाड़ी सिर्फ दो शॉट ही लक्ष्य पर रख सके। हालांकि, रूसी गोलकीपर माटवे सफोनोव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच महत्वपूर्ण बचाव किए और अपनी टीम को हार से बचाया।

स्पोर्ट्स विंडो

शेर-ए-पंजाब टी20 लीग : फाजिल्का फाल्कन्स की तरफ से खेलेंगे गिल

एजेंसी, चंडीगढ़। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल आगामी शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में फाजिल्का फाल्कन्स की ओर से खेलेंगे। वहीं विस्फोटक ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा को अमृतसर सूरमाज, बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को लुधियाना लायंस और विकेटकीपर-बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह को जालंधर वॉरियर्स का मार्की खिलाड़ी बनाया गया है। रमनदीप सिंह मोहाली किंग्स के मार्की खिलाड़ी होंगे, जबकि युवा तेज गेंदबाज गुरनूर बरार बठिंडा रॉयल्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। पंजाब क्रिकेट से जुड़े इन प्रमुख खिलाड़ियों की मौजूदगी से शेर-ए-पंजाब टी20 लीग की लोकप्रियता और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। लीग पंजाब के उभरते क्रिकेटरों को स्थापित अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ खेलने और अपनी प्रतिभा दिखाने का बड़ा मंच उपलब्ध कराएगी। इससे राज्य के युवा खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर के क्रिकेटरों से सीखने और आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

स्वर्ण पदक विजेता जूडोका अस्मिता का भव्य स्वागत करेगा त्रिपुरा

एजेंसी, अगरतला। त्रिपुरा सरकार ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेलों में जूडो में स्वर्ण पदक जीतने वाली अस्मिता डे का अपने गृह राज्य का बुधवार से शुरू होने वाले दो दिवसीय दौरे के दौरान भव्य स्वागत करेगा। युवा मामले एवं खेल निदेशक एल डार्लोंग ने पीटीआई को बताया कि यह कार्यक्रम रवींद्र भवन में आयोजित किया जाएगा। अस्मिता राष्ट्रमंडल खेलों में जूडो में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की पहली खिलाड़ी हैं। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने नयी दिल्ली में राज्य के खेल मंत्री टिंकू रॉय की उपस्थिति में अस्मिता को सम्मानित किया था।

पीएसए चैलेंजर इवेंट बैलेरेट ओपन स्क्वाश में उपविजेता रहीं सान्या वत्स

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत की सान्या वत्स ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया में खेले गए 3000 अमेरिकी डॉलर के पीएसए चैलेंजर इवेंट बैलेरेट ओपन स्क्वाश में उपविजेता रही। दूसरी वरीयता प्राप्त सान्या महिला एकल के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया की शीर्ष वरीयता प्राप्त सारा कार्डवेल से 6-11, 8-11, 6-11 से हार गईं। दिल्ली की इस खिलाड़ी ने इससे पहले क्वार्टरफाइनल में दक्षिण कोरिया की सुंघी ओह को 6-11, 11-9, 12-10, 11-4 से और सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया की ही ऐन जून को 11-5, 11-8, 11-4 से हराया था।

मेसी के पिता जॉर्ज मेसी का निधन

एजेंसी, ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के फुटबॉलर लियोनेल मेसी के पिता जॉर्ज मेसी का 68 साल की उम्र में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे। पिछले कुछ महीनों से उनका इलाज चल रहा था। मेसी के बचपन के क्लब न्यूवेल्स ओल्ड बॉयज ने शनिवार को उनके निधन की पुष्टि की। क्लब ने शोक जताते हुए उन्हें मेसी के करियर की सबसे मजबूत ताकत बताया। जॉर्ज सिर्फ मेसी के पिता नहीं थे। वे दो दशक से ज्यादा समय तक उनके एजेंट और सलाहकार भी रहे। बार्सिलोना, पीएसजी और इंटर मियामी जैसे बड़े क्लब ट्रांसफर में उनकी अहम भूमिका रही।

हिमाचल की बेटी 'मिली' अंडर-21 विश्व कोर्फबाल चैंपियनशिप में भारत की कैप्टन

एजेंसी, मुंबई

मलेशिया के सेलांगोर में 8 से 16 अगस्त तक होने वाले अंडर-21 विश्व कोर्फबाल चैंपियनशिप में हिमाचल प्रदेश की बेटी मिली भारतीय टीम की कप्तान होगी। इससे हिमाचल प्रदेश के कोर्फबाल खेल के इतिहास में मिली पहली भारतीय टीम की महिला कप्तान की होगी। कोर्फबाल एक मिश्रित टीम खेल है। इसमें 7 लड़के और 7 लड़कियां एक साथ खेलते हैं। ऐसे में भारतीय टीम की कप्तानी का दायित्व हिमाचल की बेटी को सौंपा जाना प्रदेश के लिए अत्यंत गौरव एवं बड़ी उपलब्धि है। मिली जिला कांगड़ा के इंदौरा की रहने वाली है। मिली के कोच एवं अंतरराष्ट्रीय कोच विनोद ठाकुर ने बताया कि उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मिली अपनी कप्तानी में भारतीय टीम को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेंगी।

हिमाचल प्रदेश कोर्फबाल संघ के कार्यालय सचिव डॉ. राहुल सुमन, अंतरराष्ट्रीय कोच विनोद ठाकुर, उपाध्यक्ष देव दत्त प्रेमी, प्रेस सचिव पवन रांगड़ा, कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण शर्मा, राष्ट्रीय रेफरी बाल कृष्ण, सचिव कांगड़ स्वदेश कुमार, सचिव शिमला पवन नेगी तथा सचिव सोलन राजकुमार पाल ने मिली के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

'नशामुक्त भारत' का लिया सामूहिक संकल्प

खेल मंत्री मांडविया ने फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 85वें संस्करण का किया नेतृत्व

एजेंसी, हणोल

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने रविवार को गुजरात के हणोल से फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 85वें संस्करण का नेतृत्व किया। इस अवसर पर युवाओं, माय भारत और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) से जुड़े प्रतिभागियों ने 'नशामुक्त भारत' का सामूहिक संकल्प लिया। अभियान का संदेश रहा- 'फिटनेस को हां कहें, ड्रग्स को ना कहें।'

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से फिट इंडिया अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखते हुए फिटनेस को स्वस्थ जीवनशैली के सकारात्मक विकल्प के रूप में बढ़ावा देना था।

डॉ. मांडविया ने संडे ऑन साइकिल को जन आंदोलन बताते हुए कहा, 'मुझे खुशी है कि यह पहल प्रधानमंत्री के फिट इंडिया आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए एक बड़े आंदोलन के रूप में विकसित हुई है। देशभर में 10,000 से अधिक स्थानों पर युवाओं ने साइकिलिंग के माध्यम से यह संदेश दिया है।' डॉ. मांडविया ने दिसंबर 2024 में संडे ऑन साइकिल की शुरुआत की थी। इसके बाद से पूरे देश में 30 लाख से अधिक लोग इस अभियान में भाग ले चुके हैं। दिल्ली में इसका मुख्य कार्यक्रम मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित किया गया।

गृहमंत्री शाह ने पुडुचेरी पुलिस को प्रतिष्ठित 'राष्ट्रपति पुलिस कलर' से किया सम्मानित

एजेंसी, पुडुचेरी

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को पुडुचेरी पुलिस को प्रतिष्ठित 'राष्ट्रपति पुलिस कलर' सौंपा इस मौके पर उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार पुडुचेरी के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र सरकार में साल 2014 से 2026 तक पुडुचेरी के विकास के लिए 13,762 करोड़ रुपये दिए गए हैं जबकि साल 1950 से 2014 तक की सरकारों में सिर्फ 3,500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, जो अब लगभग चार गुना अधिक है।

अमित शाह ने पुडुचेरी के गोरिमेडु स्थित पुलिस ट्रेनिंग ग्राउंड में आयोजित समारोह में पुडुचेरी पुलिस को प्रतिष्ठित 'राष्ट्रपति पुलिस कलर' से सम्मानित किया। उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन और मुख्यमंत्री एन. रंगासामी समेत अन्य गणमान्य समारोह में उपस्थित रहे। किसी पुलिस बल को राष्ट्रपति पुलिस कलर मिलना उसकी पेशेवर क्षमता, साहस, अनुशासन और जनसेवा की प्रतिबद्धता को मिली राष्ट्रीय मान्यता है। पुलिस संगठनों के लिए इसे प्रमुख संस्थागत सम्मानों में शामिल किया जाता है।

इस अवसर पर अमित शाह ने कहा, 'आज पुडुचेरी पुलिस देश के उन चुनिंदा पुलिस बलों की सूची में शामिल हो गई है, जिन्हें इस सर्वोच्च सम्मान से नवाजा गया है। पुडुचेरी पुलिस को राष्ट्रपति पुलिस कलर से सम्मानित किया जाना बल की बहादुरी, परिश्रम और समर्पण का प्रमाण है। यह उनके सबसे गौरवपूर्ण क्षणों में से एक है। पुडुचेरी दक्षिण भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतीक है।'

पंजाब में बीएसएफ की फायरिंग में घुसपैठिया ढेर

एजेंसी, अमृतसर। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अमृतसर के दाउके गांव में शनिवार को बीएसएफ ने एक संदिग्ध घुसपैठिए को गोली मारकर ढेर कर दिया। यह कार्रवाई थाना घरिंडा के अधीन कंटीली तार के पास की गई। बताया जा रहा है कि बीएसएफ के जवान इलाके में नियमित गश्त कर रहे थे। इसी दौरान जवानों को कंटीली तार के पास झाड़ियों में कुछ हलचल दिखाई दी। मृतक के पास से तंबाकू का पैकेट मिला है। जवानों ने तुरंत सतर्कता बरतते हुए संदिग्ध व्यक्ति को झाड़ियों से बाहर आने के लिए कहा। कुछ देर बाद वह व्यक्ति बाहर आया और कंटीली तार को पार करने की कोशिश करने लगा। बीएसएफ जवानों ने उसे रुकने की चेतावनी दी और आगे न बढ़ने को कहा। स्थिति को देखते हुए बीएसएफ जवानों ने कार्रवाई करते हुए फायरिंग की। गोली लगने से घुसपैठिए की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के तुरंत बाद इसकी जानकारी थाना घरिंडा पुलिस को दी गई। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

मणिपुर में हथियार और गोला बारूद के साथ तीन गिरफ्तार

एजेंसी, इंफाल

मणिपुर में रविवार को सुरक्षा बलों और पुलिस द्वारा चलाए गए अलग-अलग अभियानों में अवैध रूप से स्थानीय शराब की आपूर्ति करने के आरोप में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया, जबकि बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और हथगोले बरामद किए गए।

इंफाल पूर्वी जिले में इरिलबुंग थाना क्षेत्र के लांगडुम लामखाई में तलाशी और जांच के दौरान सीडीओ/इंफाल ईस्ट ने अवैध रूप से स्थानीय शराब के परिवहन और आपूर्ति में कथित रूप से शामिल तीन लोगों को हिरासत में लिया। उनकी पहचान युमखैबाम जीनेन सिंह उर्फ मेकोला (28), युमखैबाम सुनील सिंह उर्फ नाओतोम्बा (23) और चिंगाखाम रोमियो सिंह (23) के रूप में हुई है। उनके पास से 810 लीटर स्थानीय शराब और तीन कारें जब्त की गईं। एक अन्य अभियान में 9 अगस्त को इंफाल वेस्ट कमांडो, पटसोई थाना और 33 असम राइफल्स की संयुक्त टीम ने पटसोई थाना क्षेत्र के खैरुम सबल में तलाशी अभियान चलाया।

इस दौरान आठ एसबीबीएल बंदूकें, एक मैगजीन सहित 9 एमएम पिस्तौल, एक एंटी-रायट गन, डेटोनेटर के बिना तीन नंबर-36 एचई ग्रेनेड और एक डब्ल्यूपी ग्रेनेड बरामद किया गया।

इनकार नेतन्याहू की दो टूक-हमास के हथियार डालने तक नहीं हटेगी इसराइली सेना

इसराइल ने डोनाल्ड ट्रंप की गाजा योजना को ठुकराया

एजेंसी, तेल अवीव

इसराइल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गाजा के लिए 15 सूत्री योजना को खारिज कर दिया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि जब तक हमास पूरी तरह हथियार नहीं डाल देता, तब तक इसराइली सेना गाजा से पीछे नहीं हटेगी। नेतन्याहू ने मंत्रिमंडल की बैठक में कहा, 'इस्राइल 15 सूत्री दस्तावेज को खारिज करता है।' उन्होंने जुलाई के अंत में हमास की ओर से समर्थन किए गए प्रस्ताव का जिक्र करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा, 'इसराइली सेना तब तक किसी तरह की वापसी नहीं करेगी, जब तक हमास को वास्तव में निरस्त्र नहीं कर दिया जाता। हमारी सेना और हमारे नागरिकों के खिलाफ खतरों को नाकाम करने का काम जारी रहेगा।' नेतन्याहू का यह बयान गाजा युद्ध खत्म करने के ट्रंप के प्रयासों के एक अहम हिस्से को खारिज करता है। इसराइल का कहना है कि उसकी सेना की वापसी से पहले हमास को अपने हथियार छोड़ने होंगे। बता दें कि ट्रंप ने पिछले महीने कहा था कि संघर्ष खत्म करने की उनकी योजना में बड़ी सफलता मिली है, जिसके तहत इस्राइल और हमास दोनों इस ढांचे पर सहमत हो गए हैं। इसके बाद युद्धविराम लागू हुआ था।

ट्रंप ने यह भी कहा था कि 2023 में इसराइल पर हुए हमले के बाद शुरू हुए युद्ध से पहले करीब दो दशक तक गाजा पर नियंत्रण रखने वाले हमास ने हथियार डालने पर सहमति जताई थी। हालांकि, पिछले अक्टूबर में हुए युद्धविराम के बावजूद इसराइल ने गाजा में हमले जारी रखे हैं। नेतन्याहू के ताजा रुख से ट्रंप की गाजा योजना के अगले चरण में हमास के निरस्त्रीकरण का मुद्दा सबसे अहम हो गया है। इसराइल ने साफ कर दिया है कि जब तक फलस्तीनी सशस्त्र समूह के पास हथियार हैं, तब तक वह अपनी सेना की वापसी के लिए तैयार नहीं है।

नेतन्याहू पर कट्टरपंथी दक्षिणपंथी सहयोगियों का गाजा योजना को खत्म करने का दबाव

इसराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू पर उनके कट्टरपंथी दक्षिणपंथी सहयोगियों की ओर से नई मंत्रिमंडल बैठक बुलाने और गाजा योजना को खत्म करने का दबाव भी है। सर्वेक्षणों के अनुसार, नेतन्याहू सत्ता में बने रहने के लिए कड़े मुकाबले में हैं। नेतन्याहू ने कहा कि इसराइल अपनी आपत्तियों को लेकर अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा, 'उनके पास कुछ विचार हैं। उनमें से कुछ हमें स्वीकार्य हैं और कुछ नहीं हैं। हम जानते हैं कि इन मुद्दों पर अपने रुख पर कैसे कायम रहना है।'

टॉप-10 में 4 कंपनियों का मार्केट कैप 1.43 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

एसबीआई टॉप गेनर, एलआईसी को हुआ सबसे ज्यादा नुकसान

एजेंसी, मुंबई

बीते हफ्ते देश की टॉप 10 सबसे वैल्यूएबल कंपनियों में से 4 के मार्केट कैपिटलाइजेशन में लगभग 1.43 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली कंपनी बनकर उभरी है। हफ्ते के दौरान मार्केट कैप बढ़ाने वाली 4 कंपनियों में एसबीआई के अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस और लार्सन एंड टुब्रो शामिल रहीं। एसबीआई के मार्केट कैप में 63,922.03 करोड़ की सबसे बड़ी बढ़ोतरी हुई। इसके साथ ही बैंक की कुल मार्केट वैल्युएशन बढ़कर 10.12 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई। दूसरी तरफ टॉप-10 में शामिल अन्य 6 बड़ी कंपनियों की वैल्युएशन करीब 1.23 लाख करोड़ घटी है। ये 6 कंपनियां भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर हैं। वहीं रिलायंस की मार्केट वैल्यू 32,816.4 करोड़ बढ़कर 18,01,925.19 करोड़ हो गई। इसके अलावा टीसीएस की वैल्यू में 31,875.35 करोड़ का उछाल आया और इसका टोटल मार्केट कैप 8.87 लाख करोड़ पर पहुंच गया।

मार्केट कैप?

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, उनकी वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की कुल संख्या को उनकी कीमत से गुणा करके किया जाता है।